Vol.21, Issue 3 | Annual Subscription ₹420

@NewsRotary /RotaryNewsIndia

January 2022

रोटरी समाचार

INDIA
www.rotarynewsonline.org

Rotary

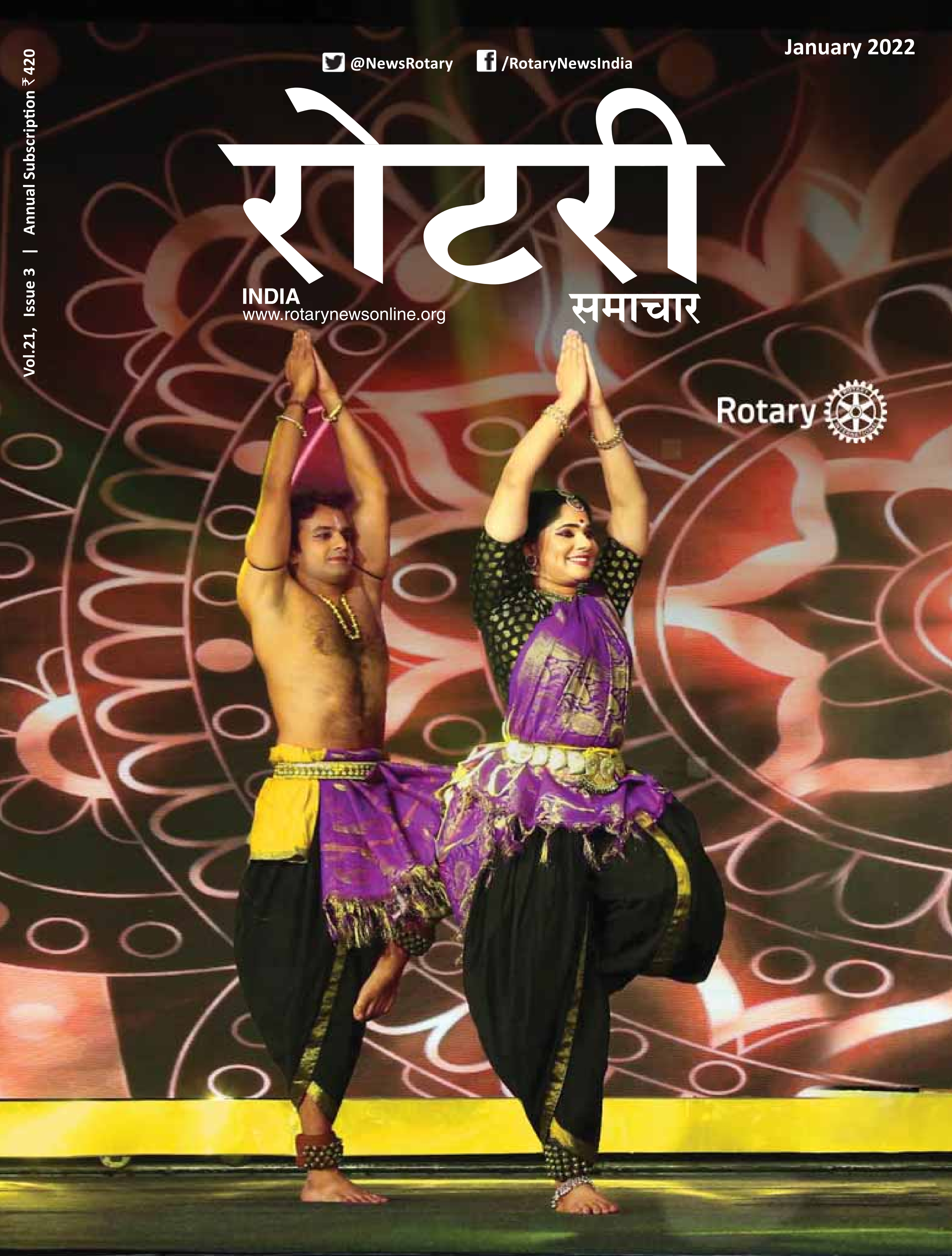

रशीदा भगत

गले मिलकर 'धन्यवाद'

सिर्फ तस्वीरें ही नहीं, हावभाव भी शब्दों से ज्यादा बोलते हैं। जैसे ही रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश के महाब्स 21, ज़ोन इंस्टिट्यूट की समाप्ति हुई, उन्होंने संस्थान के अध्यक्ष, पूर्व गवर्नर (RID 3000) एम मुरुगानंदम को कृतज्ञता के शब्दों के बदले गर्मजोशी से गले लगाने का विकल्प चुना।

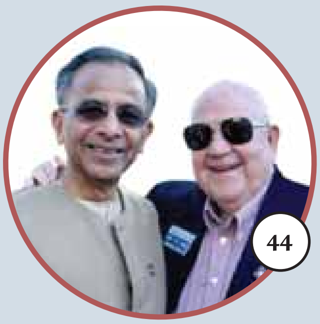

विषयसूची

12 आखिरकार, महाब्स इंस्टिट्यूट के ज़रिये एक बड़ा व्यक्तिगत रोटरी कार्यक्रम

महाबलीपुरम के ज़ोन इंस्टिट्यूट ने समस्त भारत के रोटरियनों को व्यक्तिगत रूप से मिलने का शानदार अवसर प्रदान किया।

18 कपिल देव ने रोटेरियनों को अपने जलवे से प्रभावित किया

संस्थान ने लाइफटाइम अचीव्मन्ट अवॉर्ड देकर क्रिकेट के इस महारथी को सम्मानित किया।

26 DGE यों के लिए नेतृत्व के पाठ

नवनिर्वाचित गवर्नरो को रोटरी के सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षक नेतृत्वकर्ताओं से नेतृत्व के सबक मिले।

44 उन्होंने रोटरी को हिमालय की ऊंचाइयों तक पहुंचाया

PRIP राजेन्द्र साबू PRIP क्लिफ डॉक्टरमैन के साथ अपने संबंधों को याद करते है जिनका हाल ही में स्वर्गवास हुआ है।

48 सावधानी और सतर्कता के साथ CoL के कर्तव्यों का निर्वाह करें: भरत पांड्या

शिकागो में होने वाली रोटरी संसद के लिए DGEयों को तैयारी को लेकर सलाह दी गई।

56 रोटरी क्लब नॉर्थ मद्रास ने चेन्नई बाढ़ पीड़ितों को राहत पहुंचाई

शहर में वर्षा-प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री एवं समय पर सहायता दी गई।

60 एक मानवीय स्पर्श से कैंसर का मुकाबला

1995 से, रोटरी क्लब मद्रास मिडटाउन अनुवर्ती कार्यवाही के माध्यम से कैंसर रोगियों की सम्पूर्ण रूप से देखभाल कर रहा है।

64 झुमरीतलैया के रसिकों, धन्यवाद

बीतें दिनों की एक रोमांचक यात्रा जब रेडियो सीलॉन और ऑल इंडिया रेडियो के विविध भारती पर अधिकतर गानों की फरमाइशें इस छोटे से शहर से आती थी।

Scan our QR code & visit our Website

कवर पर: महाब्स 21 इंस्टिट्यूट की एक सांस्कृतिक प्रस्तुति।

चित्र: हेमंत कुमार

Scan our QR code & read our Magazine

PRID सुशील गुप्ता की अनुकूल विदाई

दिसंबर अंक के कवर पेज ने लाखों रोटेरियनों की आवाज को प्रतिध्वनित किया क्योंकि PRID सुशील गुप्ता एक प्रेरणादायक नेता थे जिनके योगदान ने रोटरी को बहुत मजबूत बनाया है। पूर्व रो ई अध्यक्ष कल्याण बेनर्जी के लेख में इस महान दिग्गज की विरासत सूक्ष्मता से वर्णित की गई है।

भारत के दुग्ध पुरुष वर्गीज कुरियन पर लिखित लेख ने उम्दा तरीके से इस अद्भुत व्यक्ति का वर्णन किया है जिसने इस देश के सबसे गरीब से गरीब व्यक्ति की मदद की।

इंडस पीस पार्क पर लिखे गए लेख में दुनियाभर के लोगों के बीच शांति और एकता को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। यह इसकी प्रमुख उपलब्धियों में से एक होगा यदि यह भारत और पाकिस्तान के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों को बढ़ावा दे सकें।

रो ई मंडल 3090 के करियर परामर्श शिविर ने दिखाया कि रोटेरियनों द्वारा की गई निस्वार्थ सेवा युवाओं के भविष्य को आकार देने के लिए क्या कर सकती है।

जैसा कि लेख *रो ई मंडल 3181 बांस की खेती को प्रोत्साहित करता है* में बताया गया है, बाँस की खेती और मियावाकी जंगल दुनिया में ऐसे परिवर्तन ला सकते है जो प्रकृति के संरक्षण को बढ़ा सकते है। हमें याद रखना चाहिए कि प्रकृति के बिना हमारा कोई अस्तित्व नहीं है।

रो ई अध्यक्ष मेहता द्वारा एक प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता, अच्युत सामंत, को एक रोटेरियन के रूप में शामिल करने के बारे में पढ़कर मैं बहुत प्रभावित हुआ। मासिक धर्म स्वास्थ्य जागरूकता के लिए कला की नीलामी एक नवीन विचार है और अगर हमारे देश की लाखों महिलाओं की दुर्दशा में सुधार लाना है तो ऐसी अनेक पहलों की आवश्यकता है। लेख *मुंबई में नाइजीरियाई बच्चे की दिल की सर्जरी* वास्तव में दुनिया भर

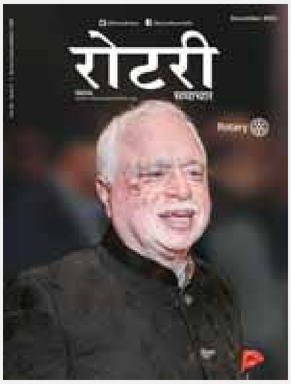

में मानवता की सेवा करने के रोटरी के सिद्धांत का प्रतीक है। रो ई मंडल 3240 के PDG डॉ नरेंद्र नाथ दत्त के ग्रामीण असम में एक अस्पताल स्थापित करने के विचार ने अनगिनत युवाओं के डॉक्टर बनने की आकांक्षाओं को साकार किया।

इंसा फोल्स्टर का लेख 'हर जगह रोटरी समान नहीं है' हमें रोटरी की विविधता का बोध कराती है।

'आपके गवर्नरों से मिलिए' लेख सभी रोटेरियनों के लिए प्रेरक है और एक सबक है। उन्होंने की योजनाएं केंद्रित है जो सभी रोटेरियनों को नई ऊर्जा और सीखने के अवसर प्रदान करती है।

मुझे दिसंबर का अंक शानदार लगा; यह शानदार विचारों के साथ नए साल की शुरुआत करने के उद्देश्य प्रस्तुत करता है। संपादक रशीदा भगत और उनकी टीम को बधाई।

डॉ जयशेखरन वी पी
रोटरी क्लब पय्यनूर
मंडल 3204

हमारी पत्रिका के दिसंबर अंक में PRID सुशील गुप्ता की तस्वीर इस वास्तविक रोटरी दिग्गज को दी गई एक उचित श्रद्धांजलि है। PRIP कल्याण बेनर्जी द्वारा लिखी गई निधन सूचना और सुशील गुप्ता के चित्र पृष्ठ सभी काबिले तारीफ है। PRIP क्लिफ डॉक्टरमैन के निधन के बारे में पढ़कर दुख हुआ, वो हमेशा हमारी यादों में रहेंगे। अच्छे स्वास्थ्य पर रो ई अध्यक्ष का संदेश उपयुक्त है; संपादक का संदेश PRID गुप्ता के महान गुणों और चरित्र के बारे में बात करता है; रो ई निदेशक महेश कोटबागी ने मंडल सम्मेलनों (DisCons) के महत्व को अच्छी तरह से समझाया; जबकि रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश हमारे पर्यावरण की सुरक्षा पर जोर देते है। न्यासी गुलाम वाहनवटी ठीक ही कहते है कि TRF में छोटी राशि भी बहुत बड़ा फर्क लाती है।

लेख *भारत के मिल्कमैन का स्मरण: वर्गीज कुरियन* पढ़ने लायक है और उनके उद्धरण सार्थक एवं मजेदार है और सिद्धार्थ शेठ द्वारा लिखित लेख *दादा मेरे मतामह* दिलचस्प है।

भारत-पाक पीस पार्क, दिल्ली, की एक झुग्गी बस्ती में 100 हैंडपंप, एक नाइजीरियाई बच्चे की दिल की सर्जरी, कूमाती गांव में सौर लैंप जैसे अन्य सभी लेख अनुकरणीय है और मानवता के लिए रोटरी की प्रतिबद्धता को दर्शाते है। क्लब की गतिविधियों की तस्वीरें दिखाने में मंडल गतिविधियाँ उपयोगी है। कुल मिलाकर दिसंबर संस्करण उत्कृष्ट है। मैं *रोटरी न्यूज़* टीम को नव वर्ष की शुभकामनाएं देता हूँ।

फिलिप मुलप्पोन एम टी
रोटरी क्लब त्रिवेंद्रम सबअर्बन
मंडल 3211

हमेशा की तरह दिसंबर अंक भी सामग्री से भरपूर है। संपादक का संदेश *सुशील गुप्ता की कमी खलेगी* और PRIP बैनर्जी द्वारा लिखित निधन सूचना दिवंगत रोटरी नेता को दी गई सच्ची श्रद्धांजलि है। हमने एक महान इंसान को खो दिया है और यह नुकसान उनके परिवार, व्यापार जगत और रोटरी के लिए अपूरणीय है। भगवान उनकी

आत्मा को शांति दें। सेवा परियोजनाओं पर कवरेज प्रभावशाली था जैसे रोटरी क्लब कलकत्ता युविस द्वारा 1000 शौचालयों का निर्माण, रोटरी क्लब दिल्ली साउथ सेंट्रल द्वारा एक झुग्गी में 100 हैंडपंप का दान, आदिवासियों के जीवन को रोशन करने वाली रोटरी क्लब सलेम सेंट्रल की सौर लैंप परियोजना, एक गाँव के 49 नेत्रहीनों के लिए रोटरी क्लब मदुरै स्टार के रोटरी घर, रोटरी क्लब मैंगो सिटी द्वारा मलाड के 800 बच्चों के क्लबफुट का इलाज।

ये सभी परियोजनाएं दुनिया को दिखाती है कि रोटेरियन हमेशा कितने दयालु रहते है, जब आसपास के लोगों को जरूरत होती है तो वे तुरंत सक्रिय हो जाते है और उत्कृष्टता की खोज में परियोजनाओं को प्रबंधित करते है। उनके लिए सेवा ही देखभाल की सबसे बड़ी अभिव्यक्ति है।

आर श्रीनिवासन
रोटरी क्लब मदुरई मिडटाउन
मंडल 3000

रशीदा भगत का संपादकीय और दिवंगत PRID गुप्ता पर PRIP कल्याण बेनर्जी द्वारा सीमित शब्दों में लिखित मुख्य लेख प्रेरणादायक है, एक ऐसे व्यक्ति के बारे में बहुत कुछ कहा गया है जो वास्तव में हर तरह से महान था। भारत और दुनिया निश्चित रूप से उन्हें याद करेंगे।

अध्यक्ष मेहता का यह कथन कि आपके कार्य आज दूसरों के जीवन को बेहतर बनाने में मदद कर सकते है, दिल छू लेने वाला है। हुबली में दृष्टिबाधित लोगों के लिए स्मार्ट दृष्टि चश्मे वितरित करने की परियोजना नवीन तकनीक के साथ समन्वित है क्योंकि ये चश्मे स्मार्ट दृष्टि प्रदान करते है। यदि देश का प्रत्येक मंडल इस तरह की नवीन परियोजनाओं को बढ़ावा देना शुरू करता है, तो समुदाय पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ता है।

भारत के मिल्कमैन की कहानी एक और प्रेरणा है। कवरेज और साझा किए गए अनुभव अद्भुत है और उस व्यक्ति के बारे में बहुत कुछ बोलते है जिसने अपनी शर्तों पर जीवन जिया लेकिन उन लोगों के लिए जिनके पास अपनी आवाज नहीं थी। वर्गीज कुरियन वास्तव में एक सच्चे नेता है।

विवेक खंडेलवाल
रोटरी क्लब देवनार
मंडल 3141

रो ई अध्यक्ष मेहता ने अपने संदेश में उचित रूप से बेहतर स्वास्थ्य पर जोर दिया है। कोविड-19 ने हमें बीमारियों से बचने के अनेक सबक सिखाए है। रोटेरियनों ने कड़ी मेहनत से दुनिया से पोलियो को लगभग खत्म कर दिया है। लेकिन मेहता चाहते है कि हम ज्यादा से ज्यादा स्वास्थ्य परियोजनाएं करें और अधिक जिंदगियों को बदलें। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी बैठक के दौरान मेहता ने आश्वासन दिया कि भारत 2025 तक पूरी तरह से साक्षर हो जाएगा। पिछले कुछ महीनों में भारत के सभी रोटेरियन हमारे प्रिय नेता की इस महत्वाकांक्षा को पूरा करने के लिए अथक प्रयास कर रहे है।

स्वर्गीय PRID सुशील गुप्ता दिल और दिमाग के महान गुणों वाले एक उल्लेखनीय रोटेरियन थे। वे एक सफल होटल व्यवसायी होने के साथ-साथ बहुमुखी प्रतिभा के धनी एवं सादगी और विनम्रता से भरपूर व्यक्ति थे। संपादक रशीदा ने गुप्ता के उन गुणों को शब्दों में बखूबी बयां किया है जिनकी कमी पूरे रोटरी परिवार को खलेगी।

एस मुनियांडी
रोटरी क्लब डिंडीगुल फोर्ट
मंडल 3000

PRID सुशील गुप्ता की कवर फोटो शानदार थी। रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता का संदेश *रोटरी के लिए अच्छा स्वास्थ्य एक मानव अधिकार है* उत्कृष्ट है। सुशील गुप्ता की याद में लिखा गया संपादक का संदेश मार्मिक था, जबकि न्यासी वाहनवटी का संदेश: *छोटी-छोटी बूंदें समंदर का निर्माण करती* है शानदार है। लेख *रोटरी क्लब कलकत्ता युविस ने 1001 शौचालयों का निर्माण किया* आंखें खोल देने वाला था। PRID भरत पांड्या को 2022-26 के लिए TRF न्यासी के रूप में चुने जाने पर बधाई।

डेनियल चित्तिलापल्ली
रोटरी क्लब कलूर
मंडल 3201

Illustrators Wanted

Looking for talented **freelance illustrators.** Please send us soft copies of your work at **rotarynewsmagazine@gmail.com.**

We welcome your feedback. Write to the Editor: **rotarynews@rosaonline.org; rushbhagat@gmail.com.** Mail your project details, along with hi-res photos, to **rotarynewsmagazine@gmail.com.**

Messages on your club/district projects, information and links on zoom meetings/webinar should be sent only by e-mail to the Editor at **rushbhagat@gmail.com** or **rotarynewsmagazine@gmail.com.** WHATSAPP MESSAGES WILL NOT BE ENTERTAINED.

Click on **Rotary News Plus** on our website **www.rotarynewsonline.org** to read about more Rotary projects.

व्यवसाय के माध्यम से जीवन परिवर्तक सेवा करें

SERVE TO CHANGE LIVES

रोटरी के संस्थापक सिद्धांतों में से एक था अपने व्यवसाय - चाहे आप एक डॉक्टर हो, एक वकील हो, एक इंजीनियर हो या किसी अन्य पेशे में हो - का दुनिया में अच्छा करने के लिए उपयोग करना। चूंकि हम महामारी से उबरने का प्रयास कर रहे है, यह सिद्धांत उन लोगों को फिर से प्रशिक्षित करने हेतु महत्वपूर्ण है जिन्होंने अपनी नौकरियाँ खो दी है। इसलिए तमार हांगकांग के रोटरी ई-क्लब ने युवाओं को बदलते कार्य जगत के अनुरूप तैयार करने के उद्देश्य से सेमिनार आयोजित किए।

इस प्रकार का प्रशिक्षण बड़े पैमाने पर होना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार 2022 में वैश्विक बेरोजगार लोगों की संख्या 200 मिलियन से अधिक होने की संभावना है। महिलाओं और युवाओं के असमान रूप से प्रभावित होने की संभावना है।

यही कारण है कि मैंने इस साल लड़कियों को सशक्त बनाने वाली परियोजनाओं पर इतना जोर दिया है और इनमें से कुछ परियोजनाओं को क्रियान्वित होते देखकर मुझे खुशी हुई। बेशक जल एवं स्वच्छता के बुनियादी ढांचे की कमी की वजह से शिक्षा तक पहुंच और रोजगार का मार्ग अवरुद्ध हो सकता है।

पुणे, भारत, की एक परियोजना लड़कियों एवं महिलाओं को एक किफायती और पुन: प्रयोज्य सैनिटरी पैड प्रदान करने पर केंद्रित है। यह परियोजना पैड के उत्पादन और वितरण हेतु रोजगार प्रदान करने के साथ देश में सालाना 12.3 बिलियन सैनिटरी नैपकिन के निपटान से होने वाले प्रदूषण को कम करेगी क्योंकि यह अधिकांश तौर पर भारत के कचरा भराव क्षेत्र में पहुँचते है।

दूसरों ने महिलाओं के सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए व्यावसायिक सेवा का उपयोग किया। भारत के पूना के रोटरी क्लब ने दुर्व्यवहार या मानव तस्करी के खतरे के खिलाफ आत्मरक्षा के लिए युवतियों को मार्शल आर्ट सिखाने हेतु कार्यशालाएं आयोजित की।

मुझे रोटरी के माध्यम से अच्छा करने के लिए अपने व्यवसाय का उपयोग करने का भी सौभाग्य मिला। 2004 में हिंद महासागर में आई सुनामी ने मेरे मंडल के अंतर्गत आने वाले अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को तबाह कर दिया। हजारों घर तबाह हो गए और कई इलाकों में बिजली और पानी की सुविधा नहीं रही। लिटिल अंडमान द्वीप की मेरी यात्रा के दौरान मेरे अंदर का बिल्डर तुरंत वहाँ पर बेघर द्वीपवासियों के लिए घर बनाना चाहता था। हमने लिटिल अंडमान में 500 घर बनाने का फैसला किया।

द्वीप की अपनी सात यात्राओं में से अंतिम यात्रा में, जैसे ही मेरा हेलीकॉप्टर लैंड होने वाला था तो मुझे नीचे कुछ चमकीला सा दिखाई दिया। फिर मुझे एहसास हुआ कि जो मैं देख रहा था वो नए घरों की छतें थी। वो नज़ारा देखकर मैं बहुत खुश हुआ और पहली बार मुझे एहसास हुआ कि एक बिल्डर के रूप में मैंने अनेक खूबसूरत इमारतें बनाई है लेकिन उनकी तुलना में मेरे द्वारा बनाए गए ये 500 घर सबसे साधारण भवन थे और वे ऐसी जगह पर थे जहाँ मैं शायद फिर कभी नहीं जाऊँगा और वहाँ पर रहने वाले लोगों से फिर कभी नहीं मिलूँगा फिर भी इन घरों को सौंपने में मुझे जो संतुष्टि मिली वो मेरे द्वारा पहले बनाई गई किसी भी ईमारत को सौंपने से अधिक थी। शायद इसलिए कि पहली बार मैं अपने व्यवसाय का प्रयोग जीवन परिवर्तक सेवा हेतु कर रहा था।

आपको भी जीवन परिवर्तक सेवा करने हेतु अपने व्यवसाय का उपयोग करने के अवसर मिले होंगे। मैं रोटरी के माध्यम से व्यावसायिक सेवा करने की आपकी कहानियों का स्वागत करता हूँ। साथ ही मैं उस प्रत्येक क्लब को बधाई देते हुए अपनी बात समाप्त करना चाहता हूँ जो 'हर एक, लाए एक' पहल से जुड़ा है ताकि प्रत्येक सदस्य एक व्यक्ति को रोटरी से जोड़े। हमारी सदस्यता वृद्धि से जीवन के सभी क्षेत्रों से संबंधित लोगों को परिवर्तनकारी सेवा में अपने ज्ञान और कौशलों को साझा करने का अवसर मिलता है।

Shekhar Mehta

शेखर मेहता

अध्यक्ष, रोटरी इंटरनेशनल

संपादक
का संदेश

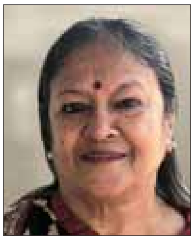

चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में एक ज़ोन इंस्टिट्यूट

भारत में आयोजित ज़ोन इंस्टिट्यूट, हमेशा एक समारोह जैसा ऊर्जा से ओतप्रोत रंगारंग कार्यक्रम, दुनिया में और कहीं आयोजित नहीं होता, किसी ना किसी ज़ोन इंस्टिट्यूट में शिरकत कर चुके हमारे सभी रो इ अध्यक्ष, यह कहते हुए नहीं थकते, और ये अपने आप में एक चुनौती है। इंस्टिट्यूट के संयोजक रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश और इस के अध्यक्ष पीडीजी एम मुरुगानंदम, कोविड महामारी के दौरान बिना किसी अड़चन के इंस्टिट्यूट का आयोजन करने में सफल रहे, कई वरिष्ठ नेताओं के साथ, स्वयं रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता के नेतृत्व में, आकर्षक मंदिर के शहर महाबलीपुरम में शारीरिक रूप से इसका आयोजन, निस्संदेह एक प्रशंसनीय उपलब्धि है।

चेन्नई से लगभग 60 किमी दूर, समुद्र तट पर बसे शहर की यात्रा, हरियाली से आच्छादित घने रिसॉर्ट्स में रहने का अवसर, सामने बंगाल की खाड़ी का शीतल जल, वो भी गुलाबी सर्दी के इस सुहावने मौसम में - बस चेन्नई में इतनी ही सर्दी पड़ती है - निश्चित ही महाब्स 21 में पहुंचे 700 से अधिक प्रतिनिधियों के लिए एक वरदान रहा होगा। जैसा कि वेंकटेश ने बताया, कोरोनो वायरस की एक के बाद एक आई लहर ने लॉकडाउन के लिए बाध्य कर दिया था, आखिरी वक़्त तक, हमारी आयोजन समिति के सदस्य बेचैन थे, एक दूसरे से पूछ रहे थे - ये होगा भी या नहीं!

रही सही कसर चेन्नई में आये मानसून ने पूरी कर दी, उत्तर पूर्व से बेवक्त आई ताबड़ तोड़ बारिश से शहर और इसके उपनगरों में सैलाब आ गया था, कई हिस्सों में बाढ़ जैसे हालात बन गए थे, उन्हें एक के बाद एक आ रही चिंतित प्रतिभागियों की कॉल का जवाब देना मुश्किल हो गया था; क्या यह आयोजन हो सकेगा; क्या हम अपनी यात्रा रद्द कर दें; आप इतनी बड़ी भीड़ को कैसे संभालेंगे, आदि। ''खैर, मुझे मुरुगा और उनकी टीम पर विश्वास था, और उस सर्वशक्तिमान ईश्वर पर और अंततः, सब कुछ भली भांति संपन्न हो गया,'' समापन सत्र में राहत की सांस लेते हुए संयोजक ने कहा और प्रतिनिधियों को पारंपरिक केले के पत्तों पर परोसा गया भोजन का आनंद उठाने के लिए आमंत्रित किया।

फटाफट मैंने अपनी घर लौटने की योजना मुल्तवी कर दी, तीन दिन से होटल का भोजन खा कर ऊब गई थी और अपनी शाकाहारी सहयोगी जयश्री के साथ शाकाहारी भोजन करने बैठ गई, हालांकि, हॉल के दूसरी ओर, मेज पर करीने से सजी, तली हुई ताजा सीर मछली देख कर मन बार बार लालायित हो रहा था!

लेकिन मुझे अपने फैसले पर पछतावा नहीं हुआ और रविवार की दोपहर एक बढ़िया झपकी ले कर घर लौट आई। वेंकटेश, विनीता (पिछले कुछ हफ्तों से उनकी शॉक एब्जॉर्बर, जो उन्होंने प्रेम से स्वीकार भी करते हैं), मुरुगानंदम और इंस्टिट्यूट की समिति के बाकी सदस्य उस रात कितनी तसल्ली से सोए होंगे, इसकी सिर्फ कल्पना ही की जा सकती है।

हम नए साल में कदम रखने जा रहे हैं, आइये उम्मीद करें कि हम कोरोनो वायरस का निकृष्टतम देख चुके हैं और इसका सबसे बुरा दौर बीत चुका हैं और भविष्य में अनिश्चितता, भय और अपने प्रियजनों के शोक का दुःख, विलीन हो जाएंगे, एक नई भोर में हर्ष, उल्लास, आशा और संकल्प के साथ प्रवेश करेंगे। संकल्प करें कि हम, जो इस वायरस के खतरों और उसके गंभीर परिणामों से बच गए, जिस विशेषाधिकार प्राप्त स्थिति में हम हैं, उस को धन्यवाद, हम उन असहाय, कम भाग्यशाली लोगों के बारे में विचार करेंगे और अपनी खुशियों के कुछ पल उनके साथ भी बांटेंगे। अगर महामारी से कोई सीख मिली है तो वो ये कि हमारा जीवन क्षण भंगुर है और किस प्रकार अचानक सब कुछ ख़त्म हो सकता है।

भारी मन से लिखते हुए और एक कोविड-मुक्त 2022 की उम्मीद में, हम *रोटरी न्यूज़* ट्रस्ट की ओर से आपका अभिवादन करते हैं और आपको नव वर्ष की ढेर सारी शुभकामनाएं।

रशीदा भगत

Governors Council

RID 2981 S Balaji
RID 2982 K Sundharalingam
RID 3000 R Jeyakkan
RID 3011 Anup Mittal
RID 3012 Ashok Aggarwal
RID 3020 Rama Rao M
RID 3030 Ramesh Vishwanath Meher
RID 3040 Col Mahendra Mishra
RID 3053 Sanjay Malviya
RID 3054 Ashok K Mangal
RID 3060 Santosh Pradhan
RID 3070 Dr Upinder Singh Ghai
RID 3080 Ajay Madan
RID 3090 Parveen Jindal
RID 3100 Rajiv Singhal
RID 3110 Mukesh Singhal
RID 3120 Samar Raj Garg
RID 3131 Pankaj Arun Shah
RID 3132 Dr Omprakash B Motipawale
RID 3141 Rajendra Agarwal
RID 3142 Dr Mayuresh Warke
RID 3150 K Prabhakar
RID 3160 Thirupathi Naidu V
RID 3170 Gaurishkumar Manohar Dhond
RID 3181 A R Ravindra Bhat
RID 3182 Ramachandra Murthy M G
RID 3190 Fazal Mahmood
RID 3201 Rajasekhar Srinivasan
RID 3203 Shanmugasundaram K
RID 3204 Dr Rajesh Subash
RID 3211 Srinivasan K
RID 3212 Jacintha Dharma
RID 3231 Nirmal Raghavan W M
RID 3232 Sridhar J
RID 3240 Dr Mohan Shyam Konwar
RID 3250 Pratim Banerjee
RID 3261 Sunil Phatak
RID 3262 Santanu Kumar Pani
RID 3291 Prabir Chatterjee

Printed by PT Prabhakar at Rasi Graphics Pvt Ltd, 40, Peters Road, Royapettah, Chennai - 600 014, India, and published by PT Prabhakar on behalf of Rotary News Trust from Dugar Towers, 3rd Flr, 34, Marshalls Road, Egmore, Chennai 600 008. Editor: Rasheeda Bhagat.

The views expressed by contributors are not necessarily those of the Editor or Trustees of Rotary News Trust (RNT) or Rotary International (RI). No liability can be accepted for any loss arising from editorial or advertisement content. Contributions — original content — is welcome but the Editor reserves the right to edit for clarity or length. Content can be reproduced with permission and attributed to RNT.

रोटरी में चुनाव - वरदान या अभिशाप

एक प्रमुख औद्योगिक समाजवादी ने एक बार मुझसे पूछा था: 'रोटरी में आपके चुनाव क्यों होते हैं? आखिर आप एक समाज सेवी संगठन हैं और चुनाव केवल विभाजन और नकारात्मक मानसिकता पैदा करते हैं।' मैंने गर्व से उत्तर दिया कि हम रोटेरियन लोकतंत्र में विश्वास रखते हैं और हमारे चुनाव मैत्रीपूर्ण जनमत संग्रह हैं, जहां उम्मीदवार समझते हैं, कि वे नि:शुल्क सेवा कार्य के लिए स्वेच्छा से काम कर रहे हैं और जीत / हार उनकी सामाजिक विश्वसनीयता और न ही आत्मसम्मान को प्रभावित करती है। अपने सेवा लोकाचार के प्रति सच्चे रोटेरियन नकारात्मकता से ऊपर हैं।

मुझे अब इतना यकीन नहीं रहा है। विभिन्न क्षेत्रीय जिलों में हालिया चुनावी उथल-पुथल, और इस प्रक्रिया से उत्पन्न शिकायतों की अधिकता ने वरिष्ठ रोटेरियन के कथित नैतिक व्यवहार में हमारे विश्वास को गंभीर रूप से हिला दिया है। हमें आत्मनिरीक्षण करने और खुद से कई सवाल उठाने की जरूरत है। हम रोटरी में किसलिए हैं? चुनौतीपूर्ण समुदायों को भौतिक और मानसिक सहायता देने के लिए या सिर्फ चुनाव जीतने के लिए? क्या हम जो उपदेश देते हैं, उसे खुद पर लागू करते हैं?

हमारे क्षेत्रों में घटनाओं का हालिया मोड़ हमें बताता है कि खतरे की घंटी के बजने का समय आ गया है। हम कहां जा रहे है? क्या हमें मूल रोटरी मूल्यों के पूर्ण विरोधाभास में विभाजित राजनीतिक दलों की तरह बनना है जो एकता में विविधता में को बढ़ावा देते हैं, या हमें आंतरिक रूप से पूर्ण होने, प्रचुरता और संतोष से आशीर्वादित होने और हमारे आसपास के कम भाग्यशाली लोगों के साथ हमारे पास जो अधिकता में है उसे साझा करने के हमारे आंतरिक आध्यात्मिक गुणों को पहचानने के लिए प्रेरित करते हैं?

ऐसा लगता है कि हमारे सामने उत्तर से अधिक प्रश्न हैं। एक वेक-अप कॉल हमारे बहुत ही आसपास है।

आइए हम बहस करें, चर्चा करें और समाधान प्रस्तावित करें और यह जानने के माहौल में चुनाव की ओर अग्रसर तंत्र विकसित करने का दृढ़ संकल्प करें कि हमें, धन्य और पूर्ण रोटेरियन के रूप में, हमें सभी चुनावों को ऐसी कीमत पर जीतने की आवश्यकता नहीं है जो हमारे स्वयंसेवी लंगर और प्रभावी विविध सामूहिक नेतृत्व को नष्ट कर देता है।

महेश कोटबागी
रो ई निदेशक, 2021-23

का संदेश

चलिए इतिहास रचें

हम इस रोटरी वर्ष के बीच आ पहुंचे है। जहां हम पिछले छह महीनों को कृतज्ञता के साथ देख सकते है क्योंकि महामारी ने हमें राहत के कुछ संकेत दिए है, वहीं अगले छह महीने हमें कुछ सपनों को साकार करने का अवसर प्रदान करते है। रोटरी में सदस्यता एक अवसर है। मैत्री और सेवा हमारे संगठन के दो मुख्य अंग हैं। जहां सदस्यता मुख्य रूप से एक आंतरिक मामला है, वहीं समुदाय की सेवा हमारा बाहरी चेहरा है। हम में से कई लोग मित्रता और दायरा बढ़ाने के अवसरों के लिए जुड़ते है। हालांकि, हम सार्थक सेवा परियोजनाओं में स्वयं को शामिल करने की सकारात्मकता की सराहना करते हैं।

हमारे जोनों के अधिकांश मंडल अगले कुछ हफ्तों में उनके मंडल सम्मेलनों का आयोजन करेंगे। इससे निश्चित रूप से हमें अपना दायरा बढ़ाने बनाने और दोस्त बनाने के अवसर मिलेंगे। सम्मेलन हमें एक दूसरे से सीखने, हमारे संगठन के बारे में अधिक जानने और सबसे महत्वपूर्ण, सामूहिक दान की शक्ति का एहसास करने का अवसर भी देगा। हम सभी अपना योगदान दे सकते है। और जल्द ही हमें एहसास होगा कि इन छोटी बूंदों ने मिलकर एक सागर बना दिया है - संभावनाओं का सागर।

हममें से अधिकांश लोगों को समुचित रूप से पोलियो उन्मूलन के लिए दिए गए अपने योगदान के लिए गर्व है, एक असंभव लगने वाला सपना जब इसकी कल्पना 35 साल पहले की गई थी। ऐसा काफी हद तक अतीत के कई रोटेरियन के अथक प्रयासों और रोटरी संस्थान में उनके निस्वार्थ योगदान के कारण संभव हो पाया है। जबकि हम इस पर गर्व कर सकते है, लेकिन एक अविवादित सच्चाई यह है कि आज अधिकांश रोटेरियनों की व्यक्तिगत रूप से इसमें बहुत कम या कोई भूमिका नहीं है।

हो सकता है कि हम अपने इतिहास का एक बड़ा हिस्सा न रहे हो। लेकिन, हम इतिहास रचने में एक बड़ी भूमिका निभा सकते है। हम बड़े सपने देख सकते है, योजना बना सकते है, योगदान कर सकते है और उस पर अमल कर सकते है।

दुनिया भर के रोटेरियनों द्वारा TRF में किए जाने वाले निस्वार्थ योगदान ही महत्वपूर्ण एवं सार्थक परियोजनाओं को निष्पादित करना संभव बनाते है। मैं प्रत्येक रोटेरियन से स्वयं से यह पूछने का आग्रह करता हूं कि क्या उन्होंने इसमें कोई भूमिका निभाई है। यदि नहीं, तो ऐसा करने के लिए आज से बेहतर कोई वक्त नहीं है। आइए हम TRF में योगदान करने और एक सच्चा साझेदार बनने का अवसर हाथ से न जाने दें। एक आशावादी व्यक्ति कहता है कि एक गिलास आधा भरा है, एक निराशावादी व्यक्ति कहता है कि यह आधा खाली है, और एक रोटेरियन कहता है, ''मेरे पास इसे भरकर पूरा करने का अवसर है।''

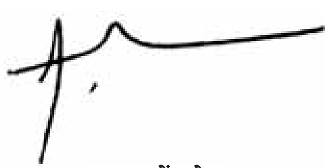

ए एस वेंकटेश
रो ई निदेशक, 2021-23

Board of Trustees

Shekhar Mehta — RID 3291
RI President

Dr Mahesh Kotbagi — RID 3131
RI Director & Chairman, Rotary News Trust

AS Venkatesh — RID 3232
RI Director

Gulam A Vahanvaty — RID 3141
TRF Trustee

Rajendra K Saboo — RID 3080
Kalyan Banerjee — RID 3060
Panduranga Setty — RID 3190
Ashok Mahajan — RID 3141
P T Prabhakar — RID 3232
Dr Manoj D Desai — RID 3060
C Basker — RID 3000
Dr Bharat Pandya — RID 3141
Kamal Sanghvi — RID 3250

Executive Committee Members (2021–22)

Gaurish Dhond — RID 3170
Chairman Governors Council

Anup Mittal — RID 3011
Secretary Governors Council

Ramesh Meher — RID 3030
Secretary Executive Committee

V Thirupathi Naidu — RID 3160
Treasurer Executive Committee

Jacintha Dharma — RID 3212
Member Advisory Committee

Editor
Rasheeda Bhagat

Deputy Editor
Jaishree Padmanabhan

Rotary News Trust
3rd Floor, Dugar Towers,
34 Marshalls Road, Egmore
Chennai 600 008, India.
Phone: 044 42145666
rotarynews@rosaonline.org
www.rotarynewsonline.org

Now share articles from
rotarynewsonline.org
on WhatsApp.

साझेदारी का मूल्य

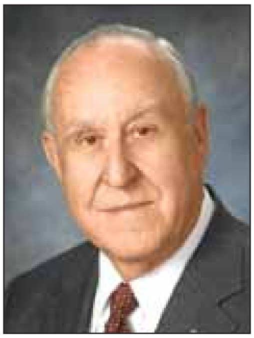

जब रोटरी हमारे साझा लक्ष्यों की दिशा में काम करने हेतु समान विचारधारा रखने वाले संगठनों के साथ जुड़ती है, तो ऐसा कुछ भी नहीं है जिसे हम हासिल नहीं कर सकते। साझेदारियाँ हमारे प्रभाव को बढ़ाती है।

साझेदारियों के माध्यम से आगे बढ़ना रोटरी के लिए कोई नई बात नहीं है: हमने वैश्विक पोलियो उन्मूलन पहल की अगुआई करने में मदद की। बाद में जब बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन इस कार्य में शामिल हुआ तो हमें पोलियो के खिलाफ जंग में एक दीर्घकालिक धन संचयन एवं तकनीकी साझेदार मिला। हमारी साझेदारी और गेट्स फाउंडेशन के साथ धन संचयन हेतु 1 के बदले 2 के मिलान समझौते के माध्यम से पोलियो को खत्म करने के लिए रोटरी सालाना 150 मिलियन डॉलर एकत्रित करती है। हमें गर्व है कि वे इस बीमारी को खत्म करने के प्रयास का हिस्सा है।

रोटरी संस्थान ने जाम्बिया से मलेरिया को खत्म करने में मदद करने हेतु एक रोटरी सदस्य के नेतृत्व में चलाए जा रहे कार्यक्रम के सह-निधियन के लिए गेट्स फाउंडेशन और वर्ल्ड विजन यूएस के साथ हाथ मिलाया है। इस प्रयास के लिए पूर्व साझेदारी और भावी सहयोग के आधार पर, प्रत्येक सह-निधिकर्ता दी रोटरी फाउंडेशन्स प्रोग्राम ऑफ स्केल अनुदान के पहले प्राप्तकर्ता - मलेरिया-फ्री जाम्बिया कार्यक्रम - के साझेदारों को 2 मिलियन डॉलर का योगदान दे रहे है।

इस स्तर के प्रभाव को हमारे ध्यानाकर्षण क्षेत्रों की सहकार्यता में भी देखा जा सकता है। रोटरी-USAID WASH साझेदारी ने युगांडा और घाना जैसे देशों में सुरक्षित जल, स्वच्छता और सफाई प्रदान करने में समुदायों और सरकारों की मदद की है जिससे हजारों लोगों का जीवन प्रभावित हुआ है। हम कोविड-19 से लड़ने और इटली पर पड़े इसके दीर्घकालिक वित्तीय एवं सामाजिक प्रभाव से निपटने के लिए USAID के साथ भी काम कर रहे है। इस बीच USAID और रोटरी द्वारा संयुक्त रूप से वित्त पोषित किए गए हार्ट्स ऑफ यूरोप कार्यक्रम वैश्विक अनुदान के माध्यम से पूर्वी यूरोप के समुदायों की सहायता करता है।

एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में हमारे मूल्य को साबित करने से अक्सर कई पारस्परिक परियोजनाओं को बढ़ावा मिलता है। पावर ऑफ न्यूट्रिशन पहल के माध्यम से हम बचपन में होने वाले कुपोषण से निपटने के लिए अपने पोलियो उन्मूलन साझेदार यूनिसेफ और एलेनोर क्रुक फाउंडेशन के साथ साझेदारी कर रहे है।

रोटरी संस्थान इतना बड़ा है कि इसे अपने आप तक सीमित नहीं रखा जा सकता। इसलिए चलिए यह सुनिश्चित करें कि यह संस्थान उज्वल रहें, इसे नए साझेदार मिलें, नए समर्थक प्राप्त हों और हम दुनिया में जो अच्छा कर रहे है उसे करते रहें।

जॉन एफ जर्म
ट्रस्टी अध्यक्ष, द रोटरी फौउंडेशन

बैग में ह्यूस्टन

मियोकी वॉकर

जब आप '2022 रोटरी इंटरनेशनल कन्वेंशन, 4-8 जून' के लिए ह्यूस्टन आयेंगे, तो आप एक अतिरिक्त सूटकेस लाना चाह सकते हैं। शहर अपनी खरीदारी के लिए प्रसिद्ध है - और इसमें लक्जरी फैशन स्टोर से लेकर आकर्षक स्थानीय रत्नों तक सभी के लिए कुछ न कुछ मौजूद है।

अपटाउन ह्यूस्टन के गैलेरिया में, आपको चौबीस लाख वर्ग फुट में फैले सैकड़ों स्टोर मिलेंगे। यह न सिर्फ ह्यूस्टन का सबसे बड़ा शॉपिंग सेंटर है बल्कि इस देश का भी सबसे बड़ा है। पर्यटक और स्थानीय लोग समान रूप से नीमन मार्कस, नॉर्डस्ट्रॉम, चैनल, गैप, एच एंड एम और सैक्स फिफ्थ एवेन्यू जैसे स्टोर के लिए आते हैं।

'रिवर ओक्स शॉपिंग सेंटर' ह्यूस्टन के सबसे पुराने और सबसे स्टाइलिश केंद्रों में से एक है। 1937 से, यह अपनी आर्ट डेको इमारतों, इसकी खुली हवा की कल्पना, इसकी पुरस्कार विजेता मूवी थियेटर्स, विंटेज और समकालीन सौंदर्यशास्त्र के मिश्रण के लिए सबसे अच्छी तरह से जाना जाता है - इसके 70 से अधिक स्टोर और रेस्तरां का उल्लेख किये बिना नहीं रह सकते, सभी को जोड़ा जाये तो या एक प्रभावशाली उच्चतम अनुभव है।

ह्यूस्टन का फ़ैशनेबल 'अपटाउन पार्क' कुछ दर्जन आकर्षक, मनोहर और देसी दुकानों का घर है। अद्वितीय पेशकशों के साथ जिसमें एक सिगार की दुकान, एक कैफे जिसकी सजावट अंतरिक्ष की खोज को उजागर करती है, और स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय कारीगरों की एक गहने की दुकान, यह शॉपिंग सेंटर ह्यूस्टन के कई लोगों के लिए एक पसंदीदा गंतव्य है। और जब खरीदारी समाप्त हो जाती है और आप सिर्फ़ एक काम करना चाहते हैं, और वह है, खाना तो प्रामाणिक फ्रेंच-भूमध्य व्यंजनों से लेकर सुशी, और मैक्सिकन स्ट्रीट फूड तक, रेस्तरां का एक अच्छा और बड़ा वर्गीकरण भी है।

अधिक जानने और रजिस्टर करने के लिए *convention.rotary.org* पर देखें।

ADVT.

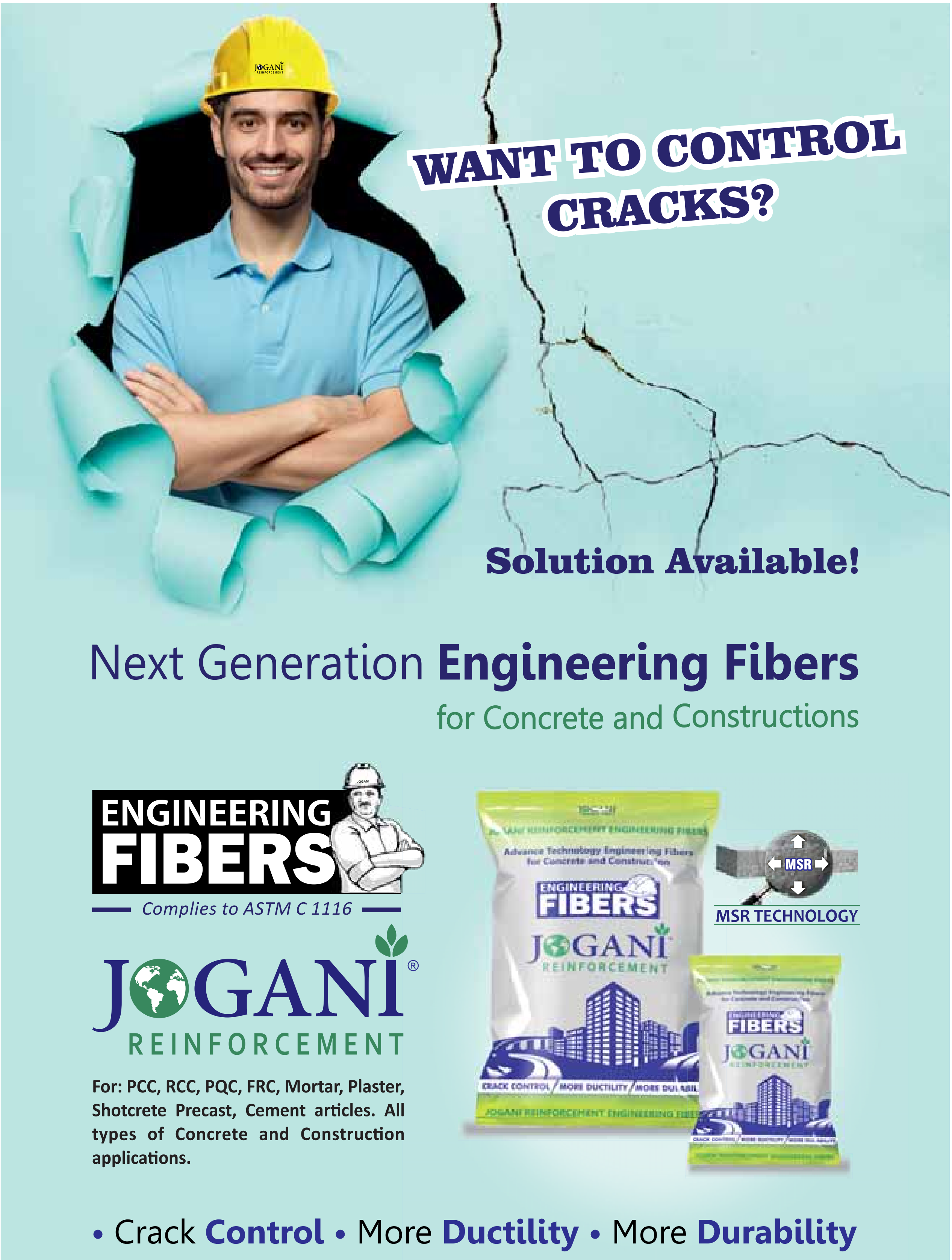

An ISO9001 and 14001 Certified Company
JOGANI IMPEX LLP
Manufacture and Supplier of all type of Concrete and Construction Fibers
For Dealership and Trade inquiries write to
joganihelpline@gmail.com or 9107690690
www.joganireinforcement.com Follow us on:

आखिरकार, महाब्स इंस्टिट्यूट के ज़रिये एक बड़ा व्यक्तिगत रोटरी कार्यक्रम

रशीदा भगत

कितना अद्भुत दृश्य है यह, इस सभागार में लगभग 700 लोगों को अपने सामने देखना। महीनों हो गए थे और हम सभी एक-दूसरे से व्यक्तिगत रूप से मिलने जुलने के लिए कितने बेचैन थे, कुलबुला रहे थे एक ऑनलाइन मीट से दूसरी में ज़ूम करते हुए हम ज़ूम आउट कर दिए गए। इतने सारे दोस्तों से मुलाकात, नए दोस्त बनाना और उनके साथ कॉफी पर चुहलबाजी करने और गपशप लड़ाने का अलग ही मज़ा है,'' जोन इंस्टिट्यूट महाब्स 21 के उद्घाटन सत्र में रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता ने कहा।

चेन्नई के बाहरी इलाके ममल्लापुरम में 700 से अधिक लोगों के लिए एक वैयक्तिक इंस्टिट्यूट का सफलतापूर्वक आयोजन करने के लिए रो ई निदेशक, ए एस वेंकटेश और इंस्टिट्यूट के अध्यक्ष पीडीजी एम मुरुगानंदम को धन्यवाद देते हुए उन्होंने कहा: ''हम सिर्फ कल्पना ही कर सकते हैं कि महामारी के दौरान इस समारोह का आयोजन कितना चुनौतीपूर्ण कार्य रहा होगा। लेकिन ज़ोन इंस्टिट्यूट है बड़ी दिलचस्प, बड़ी मज़ेदार है; आप लोगों से मिलते हैं, आपस में विचारों का आदान प्रदान करते हैं, एक दूसरे से बहुत कुछ सीखते हैं, चुनौतियों के बारे में और लोग उन चुनौतियों का कैसे सामना करते हैं, समझते हैं और इसके साथ ही ये मौक़ा होता है प्रतिष्ठित और शानदार वक्ताओं को सुनने का।''

रो ई के शीर्ष पर रहते हुए गुजारे अपने पांच महीने के कार्यकाल पर एक नज़र डालते हुए, मेहता ने कहा: ''यह एक उत्कृष्ट यात्रा रही, जहां हमने बहुत सारे उतार-चढ़ाव देखे हैं ... हाँ, राशी और मेरे लिए खुशी की बात यह थी कि आखिरकार 15 अगस्त को हमारी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, हम इवान्स्टन पहुँच गए थे और इवानस्टन में रो ई मुख्यालय में 18 वीं मंजिल पर तिरंगा (भारतीय तिरंगा) लहराते हुए देखना बड़े गौरव की बात थी, हम हम जिधर से भी गुजरे, भारतीय ध्वज नज़र आ रहा था।''

मेहता ने अपने मंत्र ''अधिक बढ़ो, अधिक करो'' का स्मरण करते हुए कहा, ''मैं दुनिया भर में घूमता हूं, मुझे लगता है कि यह वाक्यांश 'हर एक, लाये एक ' बहुत लोकप्रिय हो गया है, शायद थीम से भी ज्यादा लोकप्रिय, लेकिन ज़्यादा खुशी इस बात की है कि दुनिया भर में रोटेरियन अधिक बढ़ने और अधिक करने के लिए प्रयासरत हैं। लेकिन यहां बैठे श्रोता विश्व के बाकी हिस्सों में दुनिया को अधिक बढ़ने और अधिक करने की सीख दे सकते हैं।''

बर्नार्ड शॉ के प्रसिद्ध वचन से प्रभावित ' तुम चीजें देखते हो; और कहते हो, 'क्यों?' लेकिन मैं उन चीजों के सपने देखता हूँ जो कभी थीं ही नहीं; और मैं कहता हूँ 'क्यों नहीं?', ''जब रोटरी के विकास की बात आई, तो मैंने कहा कि 1.3 मिलियन सदस्यता क्यों नहीं हो सकती? उस पर बहुत लोग हँसे होंगे, लेकिन रोटरी में मैंने सीखा है कि जब लोग मुझ

संस्थान के संयोजक RID ए एस वेंकटेश, विनीता के साथ, (बाएं से) सुमति, संस्थान के अध्यक्ष एम मुरुगानंदम, अमिता, RID महेश कोटबागी, रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता और राशि की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित करते हुए।

पीडीजी सगादेवन ने सिर्फ 45 दिनों की अवधि में, इरोड में 70,000 वर्ग फुट का 400–बेड वाले एक भव्य और विशाल अस्पताल का निर्माण किया इसके लिए बधाई। आप में से कई लोगों ने कोविड की बहुत सारी कहानियां लिखी हैं, हम बहुत ही उत्कृष्ट काम करते हैं।

रो ई अध्यक्ष **शेखर मेहता**

पर हंसते हैं, इसका मतलब है कि मैं सही रास्ते पर हूं।''

मेहता ने कहा कि यह क्षेत्र सदस्यता वृद्धि में दुनिया में अग्रणी है। ''पिछले 10 वर्षों में, यहाँ सदस्यता वृद्धि की औसत करीब 4,000 प्रति वर्ष रही है; लेकिन रोटरी वर्ष के शुरुआती 5 1/2 महीनों में आप इतने सदस्य तो पहले ही जोड़ चुके हैं जिसे करने में अन्यथा आपको चार साल लगते; आप 16,000 सदस्य जोड़ चुके हैं। मुझे विश्वास है कि साल के अंत तक हम 20,000 सदस्यों की बढ़त तो ले ही लेंगे।''

इसके अलावा, प्रतिधारण, यानि सदस्यों को रोके रखना निश्चित ही महत्वपूर्ण था, लेकिन जाहिर है कि जो लोग अधिक सदस्यों को लाए हैं वे उन्हें रोटरी की विभिन्न गतिविधियों में सम्मिलित कर उन्हें क्लब में बनाए रखना चाहेंगे।

उन्हें यह जानकर बेहद ख़ुशी हुई कि जैसे-जैसे दुनिया भर में रोटरी का विकास हुआ है, ''हम और अधिक करने में सक्षम हुए हैं। और यह वही क्षेत्र है जहां और करो की भूमिका बनी थी। चाहे वह टीआरएफ परियोजनाएं हों या कार्यक्रम हों या फिर फाउंडेशन में दान या सेवा गतिविधियों में अधिक देना हो, रोटरी की दुनिया में अन्यत्र

श्रीधर भारती

भारत में रोटरी द्वारा किये गए कार्यों की एक झलक

विगत 10 वर्षों में भारत में रोटरी द्वारा की गई सेवाओं का संक्षिप्त विवरण देते हुए, रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता ने कहा :

- भारत में हमने 50 से अधिक नेत्र अस्पतालों की स्थापना की है जिसमें 20 लाख से अधिक नेत्र शल्य चिकित्साऐं की गई हैं
- 20,000 से अधिक बच्चों की जीवन परिवर्तक और जीवन रक्षक शिशु हृदय शल्य चिकित्सा हुई हैं
- 30 से अधिक ब्लड बैंक स्थापित किये हैं।
- भारत में आपदा आने पर हर बार 25,000 आश्रय किट वितरित किये जाते हैं
- स्वच्छ भारत योजना में हमारा योगदान अद्भुत है, 20,000 से अधिक ग्रामीण शौचालयों का निर्माण किया गया।
- 25,000 से अधिक स्कूलों में ई-लर्निंग कार्यक्रम उपलब्ध कराये गए।
- TEACH कार्यक्रम के तहत 70,000 से अधिक शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया।
- 50,000 बच्चों ने वापस स्कूलों में जाना शुरू किया।
- कुछ साल पहले तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर को 5 साल में 5,000 पुस्तकालय स्थापित करने का वचन दिया था; और ये सिर्फ साढ़े तीन साल में पूरा किया।
- 3,000 से अधिक हैप्पी स्कूल बनाये गए।

इंशाअल्लाह...
पाकिस्तान पोलियो मुक्त होगा

रोई अध्यक्ष शेखर मेहता ने कहा कि अक्सर जब राष्ट्र निर्माण में भारत सरकार की मदद करने हेतु वह रोटरी के शामिल होने की बात करते हैं तो कई लोगों को संशय होता है, ''लेकिन मैं सिर्फ हमारे पोलियो कार्यक्रम से बहुत ज़्यादा प्रभावित हूँ।'' विश्व के स्वास्थ्य कार्यक्रमों में हमने प्रमुख भूमिका निभाई है। 125 से अधिक देशों में पोलियो उन्मूलन... ''चेचक के अलावा एकमात्र बीमारी, ये बहुत बड़ी उपलब्धि है। ट्रस्टी अज़ीज़ मेमन मुझसे अक्सर कहते हैं कि बस 45 दिन और शायद पाकिस्तान में ये आखिरी केस होगा (इस साल अब तक कोई मामला सामने नहीं आया है) । हम उस दिन का इंतज़ार बेसब्री से कर रहे हैं, इंशा अल्लाह अजीज, उस दिन मैं भी तुम्हारे साथ रहूंगा।''

और रोटेरियन जब ठान लेते हैं, तो सब कुछ मुमकिन है, क्योंकि यही हमारी ताक़त है; इस क्षेत्र में 1, 60,000 रोटेरियन। ऐसी क्षमता के 150,000 लोगों को राष्ट्र निर्माण में प्रवर्तित होते देख भारतीय प्रधान मंत्री बेहद खुश होंगे, उन्होंने कहा।

ऐसी कोई जगह नहीं है जहां इन ज़ोन्स द्वारा किये गए सम्मिलित कार्यों से अधिक काम होता हो; भारत, श्रीलंका, नेपाल; रोटरी के ताज में गढ़े गए अनमोल रत्न हैं ये। क्या शानदार काम होता है यहां।'' (बॉक्स देखें)।

मेहता बोले कि कई साल पहले की बात है, NDTV पर कोका कोला और सचिन तेंदुलकर के साथ करीब पूरे दिन चलने वाले 'सपोर्ट माई स्कूल' टेलीथॉन कार्यक्रम देख रहा था, ''उस दिन मैं विस्मित रह गया था और सोचा था कि किसी दिन रोटरी का भी ऐसा ही कार्यक्रम होगा। कुछ साल बाद मुझे इसी तरह के कार्यक्रम के लिए NDTV से निमंत्रण मिला और PRIP कल्याण बेनर्जी और मैं उनके स्टूडियो गए। वहां सौरव गांगुली और रणवीर सिंह मौजूद थे। वहीं पर मुझे मालूम हुआ कि एक तरफ जहां कोक और सचिन ने मिल कर कई वर्षों में करीब 600 स्कूल किए थे, वहीं भारत में रोटेरियन ने एक ही साल में 1,300 हैप्पी स्कूल कर डाले थे। इस क्षेत्र में यही रोटरी की नेटवर्किंग ताक़त है।''

> **आप विश्व के बाकी हिस्सों में दुनिया को अधिक बढ़ने और अधिक करने की सीख दे सकते हैं।**
>
> **रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता**

जब महामारी ने अपना तांडव मचाया, उस समय रोटरी पहले से ही साक्षरता कार्यक्रम पर काम कर रही थी और आगामी छह वर्षों में इसकी 25 राज्यों में पहुँचने की योजना थी, लेकिन प्रधान मंत्री ने सभी बच्चों को घर पर ही ई-लर्निंग उपलब्ध कराने की घोषणा की। ''मैंने पीएम को लिखा, केवल 5 दिनों में ही उत्तर मिल गया और उसके 45 दिनों के अंदर हमने भारत सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए और आज भारत में 100 मिलियन से अधिक बच्चों को पढ़ाई जा रही सबसे ज़्यादा शिक्षण सामग्री RILM द्वारा विकसित की गई हैं, ये कार्यक्रम अलग-अलग 12 ई विद्या चैनल्स पर प्रसारित किये जाते हैं। विद्या चैनल पर; हर एपिसोड के बाद स्क्रीन पर लिखा होता है,'RILM द्वारा प्रस्तुत।''

करोड़ों बच्चे रोटरी का नाम सुनते - सुनते बड़े होंगे: मेहता ने कहा ''हमने उन्हें 2,000 से अधिक एपिसोड उपलब्ध कराये हैं, और अगर कहीं यह एक धारावाहिक होता, तो पूरे 10 साल तक चलता। सारी शिक्षण सामग्री 6 महीने में तैयार की गई थी।''

प्रौढ़ साक्षरता पर भी रोटरी ने सरकार को अपनी प्रतिबद्धता जताई है और ब्रह्मकुमारियों, गायत्री परिवार और भारत के सात विभिन्न विश्वविद्यालयों जैसे संगठनों के साथ मिल कर हम

श्रीधर भारती

इस लक्ष्य को प्राप्त करेंगे जिनके साथ रोटरी ने सहभागिता की है। ''लेकिन ये सब तभी संभव हो सकता है जब आपके सपने बड़े हों।''

जल क्षेत्र में भी, ''हाल ही में हमने मुंबई में अमला रुइया (जल संचयन में अपने कार्यों के लिए प्रतिष्ठित एक सामाजिक कार्यकर्ता) के साथ 200 चेक डैम का निर्माण करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जहां रोटेरियनों को केवल 20 प्रतिशत राशि देनी होगी; शेष 80 प्रतिशत उनके द्वारा लगाया जाएगा। रो ई मंडल 3011 के मंडल अध्यक्ष अनूप मित्तल को एक GG के माध्यम से 150 चेक डैम के लिए पहले ही फंडिंग मिल चुकी है।''

मेहता ने पीडीजी सगदेवन को कोविड के दौरान, सिर्फ 45 दिनों की अल्प अवधि में, इरोड में 70,000 वर्ग फुट का 400-बेड वाले एक भव्य और विशाल अस्पताल का निर्माण करने के लिए बधाई दी, इस परियोजना के लिए उन्होंने 20 करोड़ रुपये जुटाए थे।

''आप में से कई लोगों ने कोविड की बहुत सारी कहानियां लिखी हैं हम बहुत ही उत्कृष्ट काम करते हैं। दो महीने पहले हम मधुमेह पर काम करना चाहते थे और सिर्फ एक दिन में आप सभी ने एक साथ 10 लाख लोगों का चेक-अप कराया, और इनमें से करीब एक लाख लोगों को नहीं पता था कि उन्हें मधुमेह है। इस उपलब्धि के लिए सभी डीजीयों को मेरा सलाम।''

विज़न स्प्रिंग परियोजना का उद्देश्य दोषपूर्ण दृष्टि व् दृष्टिबाधित बच्चों को एक लाख चश्मे उपलब्ध करना है और भारत में इसके लिए 250 क्लबों ने पहले ही सहमति दे दी है और वे हस्ताक्षर कर चुके हैं। ''जब मैं पीएम नरेंद्र मोदी से मिला, तो उन्होंने कहा कि जाओ और दुनिया की सेवा करो। भारत के लिए, हो सके तो, कृपया महिलाओं और लड़कियों के पोषण के लिए काम करें। और आज यह बताते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है कि भारत सरकार और यूनिसेफ के कार्यक्रम *एनीमिया मुक्त भारत* से जुड़ने के लिए हम शीघ्र ही यूनिसेफ के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने वाले हैं।'' इसकी शुरुआत यूपी में 10,000 लड़कियों के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट के साथ होगी।

रो ई अध्यक्ष ने बताया कि हाल ही उन्होंने ग्लासगो में आयोजित जलवायु शिखर सम्मेलन COP26 में रोटरी का प्रतिनिधित्व किया था और रोटरी की ओर से भारत, बांग्लादेश, केन्या, नाइजीरिया और सेशेल्स सहित इन 10 देशों में मैंग्रोव वृक्ष लगाने का वायदा किया है।

लड़कियों के सशक्तिकरण ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है और हर जगह इससे सम्बन्धित परियोजनाएं चल रही हैं। भारत में, उनके होम क्लब कोलकाता महानगर सहित कई क्लबों में लड़कियों को आत्मरक्षा में प्रशिक्षित करने के लिए *वीरांगना* परियोजनाऐं चलाई हैं, उन्होंने कहा, ''हम सभी इस बात से सहमत हैं कि ग्लोबल ग्रांट से हम जो भी करते हैं उसका 10 प्रतिशत अन्य देशों में भी किया जायेगा।''

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए, इंस्टिट्यूट के संयोजक और रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश ने एक महामारी के दौरान इंस्टिट्यूट आयोजित करने में आई दिक्कतों, चुनौतियों पर चर्चा की। ''वास्तव में इंस्टिट्यूट का आयोजन हो भी पायेगा या नहीं, इसे ले कर प्रतिनिधियों और आयोजन समिति के सदस्यों में भी इतनी अधिक अनिश्चितता, भय और इतने सारे संदेह व्याप्त थे।''

इन चुनौतियों में चेन्नई में आई मूसलाधार बारिश और बाढ़ को और जोड़ दीजिये और इस आयोजन के लिए चयनित रिसॉर्ट्स के विशाल खुले स्थानों में, लगभग 700 प्रतिभागियों के लिए एक विशाल कार्यक्रम आयोजित करने की चुनौतियाँ बढ़ गईं और अनिश्चितता के बादल मंडराते ही चले गए। ''लेकिन सच कहूँ तो मुझे अपने अध्यक्ष मुरुगा और इंस्टिट्यूट की टीम पर पूरा यकीन थी और भरोसा था उस सर्वशक्तिमान पर, जिनके आशीर्वाद के बिना हम यहां व्यक्तिगत रूप से नहीं मिल सकते थे।''

संस्थान के अध्यक्ष मुरुगानंदम और उनकी पत्नी सुमति, रोटरी नेताओं के साथ।

आयोजन समिति की कई बैठकें केवल ऑनलाइन ही आयोजित करनी पड़ीं; ''ये वो कठिन रास्ते थे जिनसे हम गुज़रे हैं। लेकिन अंततः जब मैं इतनी बड़ी संख्या में यहां आए लोगों को, उनकी मुस्कराहट को, और व्यक्तिगत रूप से अभिवादन करते हुए देखता हूँ ... और पूरे क्षेत्र से यहां आये अपने दोस्तों से मिलता हूं, तो मुझे लगता है कि अंत भला तो सब भला।''

वेंकटेश ने माना कि उन्होंने वाकई बहुत बड़ा जोखिम उठाया था; ''मान लीजिए कि हम इंस्टिट्यूट को व्यक्तिगत रूप से आयोजित नहीं कर पाए, तो नुकसान कौन उठाएगा, हमारे सामने ये एक बड़ा सवाल था। और ये तो साफ़ था कि कम से कम रो ई तो नहीं उठाएगा!''

उन्होंने स्पष्ट किया कि इंस्टिट्यूट आयोजित करने के लिए एक 1,300 साल पुराने बंदरगाह शहर को चुना गया था, खूबसूरत महाबलीपुरम, ''क्योंकि रोटरी की विरासत पर सभी गर्व करते हैं। मैं हर मंच पर मजाक में कहता हूं कि पोलियो प्लस की विरासत का लाभ हम आज भी उठा रहे हैं... और इतने सारे देशों से पोलियो का सफाया। तो आइए हम सभी मौज-मस्ती और हँसी, मुलाकात और अभिवादन का आनंद उठाएं जो हम लंबे समय से नहीं ले पाए। लेकिन ये भी ज़रूरी है कि हम सभी कोविड प्रोटोकॉल का पालन करें, अपने आप को उस चीज के लिए पुनः समर्पित करें जिसके लिए रोटरी हमेशा अडिग रही है, जिसके लिए जानी जाती है, अपने जीवन में और अपने आसपास के लोगों के जीवन में परिवर्तन लाएं, जहां भी संभव हो सके, जितना भी हो सके।''

RID 3000 से इंस्टिट्यूट के अध्यक्ष पीडीजी एम मुरुगानंदम ने इंस्टिट्यूट की पूरी टीम द्वारा अत्यंत सावधानीपूर्वक तैयार की गई योजना के बारे में विस्तार से बताया, ''जब आप सभी को एक शानदार समय और अनुभव देने की बात हो तो समझौते की गुंजाइश तो छोड़ी ही नहीं जा सकती। सिर्फ 100 दिनों में, इतने कम समय में हमने अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की है। आपसे गुजारिश है इसका पूरा लुत्फ़ ऊठाएं और अपने समय का आनंद लें।''

रशीदा भगत

बाएं से: रो ई अध्यक्ष मेहता, तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री मा सुब्रमण्यन, संयोजक वेंकटेश और PRIP के आर रवींद्रन।

रो ई की कोविड टास्क फोर्स के अध्यक्ष झठखझ के आर रवींद्रन, वेंकटेश और मुरुगनंदम की उपस्थिति में मेहता ने तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री मा सुब्रमण्यन को कोविड योद्धा पुरस्कार प्रदान किया। मंत्री ने 2006 में चेन्नई के 155 डिवीजनों में आयोजित चिकित्सा शिविरों में रोटरी की सक्रिय सहभागिता की चर्चा की उस समय वो मेयर थे। ''तब चिकित्सा शिविरों की रिकॉर्ड संख्या के लिए हमारा नाम *लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स* में दर्ज हुआ था,'' उन्होंने कहा। उन्होंने भारत और पूरी दुनिया से पोलियो उन्मूलन में रोटरी की भूमिका की प्रशंसा की और विभिन्न प्रकार की कोविड राहत गतिविधियों और देश भर में स्थापित किए गए कोविड देखभाल केंद्रों के लिए रोटेरियनों का आभार प्रकट किया। ■

Rotary PEOPLE OF ACTION

मुंबई में वंचितों के लिए सस्ती चिकित्सा सेवा केंद्र

टीम रोटरी न्यूज़

पिछले 12 वर्षों से, रोटरी क्लब बॉम्बे सी फेस, रो ई मंडल 3141, दक्षिण मुंबई के वालकेश्वर स्थित 'मंगलदास बानगंगा सेंटर' में एक मल्टी-केयर मेडिकल सेंटर चला रहा है, जो गरीब परिवारों की स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करता है।

केंद्र रियायती दरों पर सामान्य स्वास्थ्य, फिजियोथेरेपी, स्त्री रोग, दंत चिकित्सा, आंख विकार और पोषण के लिए नैदानिक देखभाल प्रदान करता है। सालों से यह इतना लोकप्रिय हो गया है कि क्लब के उपाध्यक्ष भारत मर्चेंट ने कहा कि 1,000 से अधिक रोगियों का इलाज किया जा रहा है और समर्पित डॉक्टरों की एक टीम द्वारा देखभाल किया जा रहा है। हर महीने, डॉ कुलींन कोठारी के आई क्लिनिक में क्लब द्वारा कम से कम पांच मोतियाबिंद ऑपरेशन प्रायोजित किए जाते हैं। आंख, दांत और ऑस्टियोपोरोसिस शिविर नियमित रूप से केंद्र में आयोजित किए जाते हैं जिन्हें तीन रोटरियन और एन्न्स की एक टीम द्वारा आत्मनिर्भर मॉडल के रूप में चलाया जा रहा है। ■

कपिल देव ने रोटेरियनों को अपने जलवे से प्रभावित किया

वी मुत्तुकुमारन

सबसे पहले, आपको अपने चारों ओर खुशी और आनंद फैलाने के लिए अंदर से खुश रहना होगा। ''खुद से प्यार करो और फिर आप दूसरों से भी प्यार करने लगोगे। अपने अंदर धर्मार्थ को महसूस करें ताकि आप दुनिया के कम भाग्यशाली लोगों के साथ खुशी, पैसा और समय को साझा कर सकें,'' भारत के पूर्व क्रिकेट कप्तान कपिल देव निखंज ने चेन्नई के ज़ोन संस्थान महाब्स 21 में रोटरी से लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड प्राप्त करते हुए कहा।

आपके प्यार और स्नेह से, मैं जीवन में और भी बहुत कुछ करना चाहता हूँ। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद मैं समझ गया कि जीवन खेल से भी बढ़कर है।

रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश के साथ हुई एक सहज बातचीत में इस हरियाणवी तूफ़ान ने कहा, ''जब आप इसे 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' कहते है तो क्या इसका मतलब यह है कि सब कुछ खत्म हो गया है और अब मेरे पास करने के लिए कुछ और नहीं है? आपके प्यार और स्नेह से, मैं जीवन में और भी बहुत कुछ करना चाहता हूँ। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद मैं समझ गया कि जीवन खेल से भी बढ़कर है।''

समुदाय के वंचितों के लिए रोटरी की सेवा गतिविधियों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी खुद की धर्मार्थ संस्था खुशी लोगों के बीच 'खुशी बांट रही है' और ''मैं भाग्यशाली हूँ कि भगवान ने मुझे मेरे सपने को पूरा करने का मौका दिया। जब मेरी बेटी ने मुझसे पूछा कि मैं उसे क्या बनाना चाहता हूँ, तो मैंने उससे कहा कि उसके लिए उसी उत्साह को निभाना असंभव है जिसके साथ मैं खेलता था इसलिए उसे वो करना चाहिए जो वह अपने जीवन में

बाएं से: सुमति, संस्थान के अध्यक्ष PDG एम मुरुगानंदम, सलाहकार PDG अबिरामी रामनाथन, राशि, रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता, क्रिकेट के दिग्गज कपिल देव, संस्थान के संयोजक RID ए एस वेंकटेश और विनीता।

करना चाहती है,'' उन्होंने याद किया। माता-पिता का कार्य है ''अपने बच्चों का सोच-समझकर मार्गदर्शन करना ताकि वे जीवन में जो चाहते है उसे हासिल कर सकें,'' उन्होंने कहा।

वेंकटेश ने कपिल से पूछा कि 1983 के क्रिकेट विश्व कप के दो यादगार पलों के दौरान उनके दिमाग में क्या चल रहा था - पहला, जब भारत जिम्बाब्वे के खिलाफ 17 रन पर 5 विकेट गंवा चुका था और कपिल ने बाहर आकर नाबाद 175 रन बनाकर टीम को शानदार जीत दिलाई; और दूसरा, फाइनल की दूसरी पारी में जब टीम ने कुल 183 का मामूली स्कोर बनाया था। ''टीम आपका परिवार है और एक संयुक्त परिवार में पले-बढ़े होने के कारण मैंने अपनी टीम के हितों का ध्यान रखा। भगवान ने सभी के लिए कुछ ऐसे खास दिन बनाए है जब कुछ भी गलत नहीं होता। वो मेरे दिन थे, मैंने उनका आनंद लिया।'' उन्होंने कहा कि एक परिवार के रूप में रोटरी अपनी यात्रा के दौरान पहाड़ों को भी हिला सकती है।

फिल्म '83': सफलता की उम्मीद

अन्य लोगों की तरह, कपिल कबीर खान द्वारा निर्देशित हिंदी फिल्म 83 के लिए उत्सुक है जो एक बायोपिक है, जिसमें रणवीर सिंह क्रिकेटर कपिल देव की भूमिका निभा रहे है और यह फिल्म 24 दिसंबर को रिलीज होने जा रही है। ''मैंने फिल्म नहीं देखी है। सुनील गावस्कर, श्रीकांत और मैंने मिलकर 1983 विश्व कप फाइनल का अपना पक्ष प्रस्तुत किया। लेकिन मैं भगवान से प्रार्थना कर रहा हूँ। रणवीर मेरे घर आए और कुछ दिनों के लिए मेरे सामने तीन कैमरे रख दिए।'' शुरुआत में, कपिल थोड़ा हिचकिचा रहे थे लेकिन बाद में उन्हें ठीक लगा क्योंकि इस फिल्म के मुख्य नायक, रणवीर, उन्हीं की भूमिका निभा रहे थे।

क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद, कपिल ने गोल्फ की तरफ रुख किया क्योंकि ''मैं अपने आसपास के कुछ ही लोगों के साथ खेलूँगा। माँ ने मुझे सलाह दी थी कि तुम्हें जीवन में खेल के अलावा कुछ और नहीं करना है क्योंकि 'तुम्हें कुछ और करना नहीं आता'।''

एक स्टाइल आइकन

वेंकटेश ने पूछा कि क्या यह कपिल का हर थोड़े वर्षों में अपना रूप बदलना एक सचेत प्रयास है, जैसे लंबे बाल रखना या सरदार की तरह पगड़ी पहनना। ''छोटे-छोटे बदलाव तब तक खूबसूरत लगते है जब तक वे आपकी पत्नी को ठेस नहीं पहुंचाते। साथ ही मैं चाहता हूँ कि लोग मेरे बारे में बात करते रहे,'' उन्होंने चुटकी ली। सवाल-जवाब सत्र में एक सवाल 'आप सर्वोच्च स्तर पर खेलने के तनाव को कैसे प्रबंधित करते है' को दिल छू लेने वाली प्रतिक्रिया मिली: ''अपने देश का प्रतिनिधित्व करने में कोई दबाव नहीं बल्कि खुशी महसूस होती है। अपने उत्साह के कारण आप मजे से खेलते है... यही मेरी जिंदगी है।''

मैं रोटरी के साक्षरता अभियान का प्रचार करने के लिए तैयार हूँ और उस काम को करने के लिए विशेष प्रयास करूंगा।

रोटेरियनों द्वारा की जा रही महान सेवा के लिए उनकी प्रशंसा करते हुए, कपिल देव ने उनसे अच्छे कार्य को जारी रखने का आग्रह किया। रोटेरियन दुनिया में दूसरों के लिए इतना समय और पैसा खर्च कर रहे है। एक अन्य प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा, ''मैं रोटरी के साक्षरता अभियान का प्रचार करने के लिए तैयार हूँ और उस काम को करने के लिए विशेष प्रयास करूंगा।'' वेंकटेश ने घोषणा की कि संस्थान में कपिल देव की उपस्थिति के सम्मान में रोटरी द्वारा बच्चों के लिए तीन दिल की सर्जरियाँ प्रायोजित की जाएंगी। ■

किरण ज़ेहरा

रोटरी में चुनौतियों पर विचार-विमर्श

रशीदा भगत

ये काफी निर्भीक और संवेदनशील पर रोचक प्रश्नोत्तरी सत्र था जिसे पूर्व रो ई निदेशक और आगामी टीआरएफ ट्रस्टी भरत पांड्या ने ज़ोन इंस्टीट्यूट महाब्स 21 में बड़ी दक्षता से संचालित किया। इसका प्रचार एक ऐसे सत्र के रूप में किया गया था जहां सीधे पैनल से सवाल पूछे जा सकते थे और पैनल से उसी खुलेपन के साथ जवाब देने की अपेक्षा थी। पांड्या ने कहा कि अधिकांश प्रश्न चुनावों में हस्तक्षेप, लक्ष्यों को पूरा करने के लिए भारत और रो ई में वरिष्ठ नेतृत्व द्वारा मंडल और क्लब के नेताओं पर दबाव बनाने, इत्यादि से संबंधित थे।केवल तर्क करने या विवाद खड़ा करने के उद्देश्य से पूछे जाने वाले अनावश्यक सवालों से बचते हुए, साथ ही रोटरी में सब कुछ ठीक ठाक चल रहा है, ये जताने के लिए ''मैंने इन सवालों से छेड़छाड़ या इन्हें छुपाने की कोशिश नहीं की है।''

जब रोटरी में भी लोग झूठी खबरें फैलाना शुरू कर देते हैं, बहुत तकलीफ होती है। वास्तविकता जाने बिना किसी पर आक्षेप लगाना या दोषारोपण करना बहुत आसान है। महज यही पहलू है जिस पर हमें आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है।

रो ई अध्यक्ष **शेखर मेहता**

पैनलिस्ट में पूर्व रो ई अध्यक्ष के आर रवींद्रन, और पूर्व निदेशक मनोज देसाई और सी भास्कर उपस्थित थे।

उस दिन का सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न रवींद्रन को संबोधित किया गया था: ''मैं नहीं जानता कि मुझे यह पूछना भी चाहिए या नहीं, और आप इसका जवाब नहीं देना चाहें तो कोई बात नहीं। सवाल है: हमने सुना है कि लोग आपको भारत विरोधी कहते हैं; आप ऐसे काम कर रहे हैं जो भारत-विरोधी प्रतीत होते हैं।''

रवींद्रन द्वारा प्रश्नकर्ता की पहचान उजागर करने के अनुरोध को, पांड्या ने यह कहते हुए नकार दिया, हालांकि इस प्रश्न पर हस्ताक्षर थे लेकिन वह किसी का नाम नहीं बताएँगे। इस के बावजूद भी, उन्होंने दृढ़तापूर्वक कहा कि उन्हें इसका उत्तर देना चाहिए, रवींद्रन ने कहा कि यहां हॉल में उपस्थित श्रीलंकाई या उनके देश में रहने वाले ऐसे किसी भी व्यक्ति को नहीं जानते थे जो भारत विरोधी हों। उनके अपने पिता भारत से आए थे; दादा कोयंबटूर में जज थे और उनका परिवार भारत में रहता था। ''मैं खुद एक ओसीआई कार्ड धारक हूं, कोयंबटूर में मेरा अपना व्यवसाय है और भारतीय टी बैग पैकेजिंग के बाज़ार का एक बड़ा हिस्सा मेरे पास है। यदि आप भारत में टी बैग का उपयोग करते हैं, तो बहुत संभव है कि उसकी पैकेजिंग मेरी हो तो फिर मैं भारत विरोधी कैसे हो सकता हूँ? यह सरासर बेवकूफी होगी।''

लेकिन, उन्होंने कहा, हो सकता है कि लोगों में ये धारणा इसलिए बन गई हो क्योंकि अक्सर उन्हें रो ई बोर्ड द्वारा टीआरएफ और मंडल दोनों स्तरों पर वित्तीय अनियमितताओं की शिकायतों की जांच करने के लिए कहा जाता रहा है। ''ये काम मैं इस तरह करता हूं; पहली बात, प्रथम दृष्टया सबूत के अभाव में हम किसी भी बेनामी शिकायत या वित्तीय अनियमितताओं की तहकीकात नहीं करते। जांच शुरू करने से पहले मैं रोटरी डायरेक्टरी उठाता हूँ

*बाएं से: निर्वाचित ट्रस्टी भरत पांड्या, **PRIP** के आर रवींद्रन, PRID मनोज देसाई और **PRID** सी भास्कर।*

मैं खुद एक ओसीआई कार्ड धारक हूं, कोयंबटूर में मेरा अपना व्यवसाय है और भारतीय टी बैग पैकेजिंग के बाज़ार का एक बड़ा हिस्सा मेरे पास है। यदि आप भारत में टी बैग का उपयोग करते हैं, तो बहुत संभव है कि उसकी पैकेजिंग मेरी हो तो फिर मैं भारत विरोधी कैसे हो सकता हूँ? यह सरासर बेवकूफी होगी।

पूर्व रो ई अध्यक्ष **के आर रविंद्रन**

और भारत के विभिन्न भागों से किन्हीं भी तीन ऐसे पीडीजी का चयन करता हू - जिनमें एक लेखाकार, दूसरा अनुभवी पेशेवर और तीसरा व्यवसायी हो। RISAO अपने खर्च पर मंडल/क्लब की जांच के लिए उनकी यात्रा की व्यवस्था करता है, जिसमें डीजी का आतिथ्य नहीं लिया जाता, ये निषिद्ध है।'' ये तीनों पीडीजी अपने स्तर पर स्वतंत्र जांच करते हैं और जाँच के परिणाम उन्हें सौंप देते हैं, जिसे वह अपनी अनुशंसा और सुझाव के साथ आगे बोर्ड के पास भेज देते हैं। अब ये बोर्ड निर्धारित करता है कि वो उनके विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई करे या नहीं।

जब वे रो ई अध्यक्ष थे - उस वक़्त मनोज देसाई उनके बोर्ड में ही थे - ''हमने भारत और जापान दोनों देशों से एक - एक सेवारत डीजी को हटा दिया था।'' एक तरफ जहां उन्हें तुरंत ''भारत विरोधी घोषित कर दिया गया,'' वहीं जापान में रोटरी के वरिष्ठ नेताओं ने बोर्ड को आश्वासन दिया कि यदि हटाए गए डीजी अदालत में गए, क्योंकि उन्होंने धमकी दी थी, तो कानूनी खर्च वे स्वयं उठाएंगे।

एक अन्य समय, बोर्ड ने एक भारतीय और एक रूसी मंडल को निरस्त कर दिया था पर रूस ने कभी नहीं कहा कि वह रूसी विरोधी थे। जब वे निदेशक थे तो बोर्ड ने पाकिस्तान में 35-40 क्लबों को अमान्य करार दिया था क्योंकि वे काल्पनिक क्लब थे और उनकी स्थापना केवल चुनावी फायदा उठाने के लिए की गई थी, उस वक़्त भी उन्हें पाकिस्तान विरोधी नहीं कहा गया।

पूर्व अध्यक्ष ने यह कहते हुए समापन किया, ''कल, अध्यक्ष शेखर के परिचय और उनकी उपलब्धियां जान कर मुझे बहुत गर्व हुआ कि उन्होंने कितना कुछ हासिल किया है, फिर अचानक मुझे ध्यान आया कि कई पदों पर तो मैंने ही उनको नियुक्त किया था! अगर मैं भारत विरोधी होता तो ऐसा कदापि नहीं करता! और ये मैंने ऐसा इसलिए नहीं किया था क्योंकि वह एक भारतीय थे, बल्कि इसलिए कि वह सक्षम थे, एक पेशेवर, जो काम कर सकते थे। जब उन्होंने RILM साक्षरता मिशन की शुरुआत की थी तो मैंने बोर्ड के कुछ लोगों और कर्मचारियों को शांत कर उनका समर्थन किया था। इसलिए, ये भारत विरोधी प्रश्न मेरे गले नहीं उतरता। यदि आपके पास इस व्यक्ति का नाम है, तो कृपया उसे बता दें कि मुझे डराया, धमकाया नहीं जा सकता और ना ही मुझे रिश्वत दी जा सकती है!''

(अगले दिन, समापन सत्र को संबोधित करते हुए अध्यक्ष मेहता ने अपनी रोटरी की नेतृत्व यात्रा में PRIP रवींद्रन की भूमिका को विनम्रता से स्वीकार किया। ''राशी और मेरे लिए, यह उत्कृष्ट यात्रा रही है। अगर आज मैं यहां खड़ा हूं, तो दिग्गज शख्सियतों की वजह से, जिनमें से दो आज हमारे बीच मौजूद हैं। आपकी मित्रता के लिए शुक्रिया रवि, आप सदैव मेरे साथ कंधे से कंधा मिला कर खड़े रहे। आपकी कृपा से, मैं हैम्बर्ग कन्वेंशन की प्लानिंग कमेटी का हिस्सा बना और स्ट्रैटेजिक कमेटी प्लानिंग चेयर था, और आप ने मुझे शेल्टर बॉक्स का नियंत्रण करने के लिए भेजा (जो संभव नहीं हो सका), इस के लिए मैं आपका आभारी हूँ। PRID भास्कर आपके साथ फेलोशिप के आनंद और हमारे बीच हुई बातचीत के लिए शुक्रिया, (RIDs) महेश और वेंकी, रो ई बोर्ड में आपके सहयोग और अपार समर्थन के लिए बहुत बहुत धन्यवाद।'')

जिस एक प्रश्न का उत्तर देने के लिए PRID देसाई से पूछा गया, वो था कि ''सदस्यता पर बहुत

अधिक ध्यान दिया जा रहा है, बिना ये सोचे समझे या बिना किसी नवाचार के कि रोटरी को किस दिशा में बढ़ना चाहिए।''

देसाई ने कहा कि रणनीति के प्रमुख घटकों में से एक क्लबों का सहयोग करना और उन्हें सुदृढ़ करना था। ''हम पिछले 20 वर्षों से सदस्यता में एक ही जगह टिके हुए हैं; कुछ करने की जरूरत है और इसलिए सदस्यता आंतरिक रूप से हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।'' दो फोकस क्षेत्र और थे टीआरएफ दान और सार्वजनिक छवि। ''हम जानते हैं कि हमारे टीआरएफ की जीजी में वृद्धि हुई है और हम जो काम कर रहे हैं, उसकी वजह से हमारी सार्वजनिक छवि में भी ज़बरदस्त सुधार हुआ है। लेकिन एक बार फिर मैं कहना चाहूंगा कि सदस्यता ही हमारी प्राथमिकता है और अगर आज हमने इस पर ध्यान नहीं दिया तो हम एक विलुप्त प्रजाति बन कर रह जाएंगे।''

इसके बाद पांड्या ने PRID भास्कर से ग्लोबल ग्रांट (GGs) को निष्पादित करने में हो रही गड़बड़ियों के सम्बन्ध में एक प्रश्न किया, किस प्रकार कभी-कभी लाभार्थियों से ही क्लब फंड के नाम से अग्रिम धन ले लिया जाता है। इस सम्बन्ध में निदेशक रहते हुए अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने एक समिति का गठन किया था; तो, इसका परिणाम क्या रहा?

भास्कर ने उत्तर दिया कि भारत जीजी के सबसे बड़े प्राप्तकर्ताओं में से एक था; ''रो ई निदेशक रहते हुए मैंने देखा कि वैश्विक अनुदान करने के लिए कभी-कभी डीजी बहुत उत्साह दिखाते हैं और समाज की ज़रूरतों को समझे बिना और अनुदानों के लिए निर्धारित टीआरएफ नियमों का पालन किए बिना ही क्लबों को जीजी करने के लिए बाध्य करते हैं।'' उन्होंने यह भी देखा है कि कुछ क्लब जिनके पास जीजी आवेदन करने के लिए पर्याप्त धनराशि नहीं होती, वे लाभार्थी से ही पैसे ले लेते हैं और क्लब के नाम पर टीआरएफ को भेज देते हैं और जब अनुदान आता है तो क्लब की तरफ से वो रुपया उन्हीं को दानस्वरुप दे दिया जाता है।

''इनमें से कुछ क्लबों को तो ये भी नहीं पता होता कि इस तरह का आचरण ट्रस्टियों को स्वीकार नहीं था। हमने यह भी पाया कि जीजी फंड के माध्यम से अस्पतालों को दिए गए कुछ उपकरण कई वर्षों से धूल खा रहे थे, कभी इस्तेमाल ही नहीं किये गए थे और हमें व्हिसल ब्लोअर से भी शिकायतें मिलीं हैं। कल अध्यक्ष शेखर ने ज़िक्र किया था कि हमारे लोग ट्रस्टियों से धन के अनुपयोग या दुरुपयोग के बारे में शिकायत करते रहते हैं और इससे भारत की छवि बहुत खराब होती है। इसलिए 2017 के दौरान, मैंने तत्कालीन रो ई अध्यक्ष इयान रिसले, ट्रस्टी चेयर पॉल नेटजेल, हमारे अपने ट्रस्टी सुशील गुप्ता और के आर रवींद्रन के साथ चर्चा की थी और योग्य पीडीजी को आमंत्रित कर एक पैनल की स्थापना की थी, जिन्हें अनुदान की देखरेख के लिए प्रतिनियुक्त किया जा सकता था और जो फाउंडेशन पर वित्तीय भार डाले बिना यात्रा कर सकते हों। मेरा विचार से यह पैनल अभी भी कार्यरत है। भारत में, क्लब क्या कर रहे हैं, पैसा कैसे खर्च किया जा रहा है और लाभार्थियों तक कैसे पहुंच रहा है और बची हुई राशि का क्या हो रहा है, इसके आंतरिक निरिक्षण के लिए इस तरह का एक पैनल बेहद जरूरी है।''

अगला सवाल रवींद्रन से, हमारे क्षेत्रों की प्रमुख चुनौतियों के सम्बन्ध में किया गया था जो वैसे तो बढ़िया काम कर रहे हैं, और इन चुनौतियों से कैसे निपटा जाए ताकि सद्भाव और सहयोग की भावना के साथ रोटरी को आगे बढ़ाया जा सके।

रवींद्रन ने जवाब दिया: ''अध्यक्ष शेखर ने कल इस विषय को विस्तार से संबोधित किया था ;

बाएं से: संस्थान के अध्यक्ष एम मुरुगानंदम, DGN वी आर मुत्तु, PDG के राजगोपालन, PRID पांड्या, PRIP रवींद्रन, PDG समीर हरियानी, PRIDs देसाई और भास्कर, PDG जॉन डैनियल और संस्थान के संयोजक RID ए एस वेंकटेश।

कई मायनों में हम दुनिया में शीर्ष पर हैं और अन्य देश या क्षेत्र हम से प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते, हमारे द्वारा दी जाने वाली सेवा की गुणवत्ता में, हमारी सदस्यता में, जिस तरह की परियोजनाएं और कार्यक्रम करते हैं, जितनी बड़ी संख्या में हम लोगों की सेवा करते हैं उसका कोई मुकाबला नहीं। हम सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि बांग्लादेश, श्रीलंका और इस क्षेत्र में आने वाले सभी देशों में सेवा करते हैं। सदस्यता की बात करें तो आंकड़े खुद बोलते हैं, इसलिए दुनिया में वहां भी हम शीर्ष पर हैं।''

लेकिन ''जिस क्षेत्र में समस्याएं हैं वो है चुनाव। मैंने इन्हें दूर करने की बहुत कोशिश की; लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। इसकी वजह से हमें बोर्ड में बड़ी शर्मिंदगी उठानी पड़ती है; लोग बोर्ड को लिखते हैं और मुझे लगता है कि उनके पास और कोई चारा नहीं है।'' पहले, इस क्षेत्र में फाउंडेशन और वित्तीय अनियमितताओं के मुद्दे प्रमुख होते थे लेकिन उन्हें काफी हद तक पर सुलझा लिया गया है। ''महज़ एक मुद्दे की वज़ह से हम पर दाग लगता है वह है चुनाव। मेरा विचार है कि जहां तक मंडलों की बात है तो पीडीजी को इससे दूर रहना चाहिए; उम्मीदवार को अपने स्वयं के चुनाव प्रचार का काम थोड़ा बहुत काम कर सकते हैं, लेकिन पीडीजी के बाहर रहने पर यह कभी भी बड़ी ऊंचाइयों तक नहीं पहुंचेगा। जोन के चुनावों में पूर्व निदेशकों और अन्य वरिष्ठ प्रमुखों को बाहर रहना चाहिए। यदि आप इसे केवल उम्मीदवारों पर छोड़ दें और अन्य लोग केवल प्रक्रिया की निगरानी करें तो इसे काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। अगर हम ये दोनों ठीक कर पाएं, तो वास्तव में रोटरी में हमारे समकक्ष कोई नहीं होगा।''

पिछले दिन उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए अध्यक्ष मेहता ने हमारे क्षेत्र में रोटरी द्वारा की गई अद्भुत सेवाओं के बारे में विशिष्टताओं सहित बताया था । लेकिन उन्होंने ये भी कहा था, ''कभी कभी जब रोटरी में भी लोग झूठी खबरें फैलाना शुरू कर देते हैं, बहुत तकलीफ होती है। वास्तविकता जाने बिना किसी पर आक्षेप लगाना या दोषारोपण करना बहुत आसान है। महज यही पहलू है जिस पर हमें आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है।'' और यह कोई अच्छी बात नहीं है, अगर कोई चीज भारत की छवि को धूमिल करती है, तो वो है रो ई में प्राप्त होने वाले ऐसे पत्र जिनका कोई आधार नहीं होता। उस वक़्त हमारा सिर शर्म से झुक जाता है, वो भी बिना किसी गलती के। हमें इस चीज का ध्यान रखने की काफी जरूरत है। लेकिन इसके अलावा, जो चीज हमारे दिलों को खुशी से लबरेज कर देती है वह है हमारे क्षेत्रों में हो रहे आश्चर्यजनक काम।''

उनके द्वारा लागू किये गए ई-वोटिंग पायलट प्रोजेक्ट के बारे में पूछने पर उन्होंने चिंता जताई कि ''डीजी, डीजीई और यहां तक कि पीडीजी भी, कभी-कभी लिहाज़ में या पारितोषिक प्राप्त करने या अन्य कारणों से, अध्यक्षों को अपने सामने वोट देने के लिए मजबूर करते हैं,'' PRID देसाई ने कहा कि यह प्रस्ताव उनके कार्यकाल में प्रस्तुत किया गया था क्योंकि बोर्ड को हेरा फेरी की कई शिकायतें मिल रही थीं। ई-वोटिंग शुरू होने के बाद शिकायतें कम हो गई फिर गायब भी हो गई थीं। ''लेकिन समय के साथ हमारे लोगों की चतुराई ने साबित कर दिया है कि ई-वोटिंग को भी प्रभावित किया जा सकता है। मैंने सुना है कि

हम स्वयंसेवक हैं और हम में से प्रत्येक का अपना व्यवसाय है; हम रिटायर्ड लोग नहीं हैं और न ही इस संगठन के कर्मचारी हैं। मैंने हमेशा अपने डीजीयों से कहा था कि रोटरी क्लबों में बसती है और जब अध्यक्ष और क्लब के पदाधिकारी रोटरी का आनंद नहीं उठाएंगे तो क्लब नीरस हो जाएंगे, उन क्लबों में कोई ऊर्जा नहीं रहेगी।

जो लोग शिक्षा संस्थान या कंप्यूटर सेंटर चलाते हैं, वे अलग-अलग कंप्यूटरों से वोट करते हैं। जब ये प्रस्ताव पेश किया गया था तो काफी प्रभावी था, लेकिन उसके बाद लोगों ने सिस्टम को मात देने के तरीके ईजाद कर लिए हैं।''

हस्तक्षेप करते हुए, अध्यक्ष मेहता बोले, ''यह बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है और जैसा कि मनोज ने बिलकुल ठीक कहा है, हर बार जब भी हम कोई नया तरीका ईजाद करते हैं तो कुछ अंतराल के बाद, समय के साथ हम उसका तोड़ भी निकाल लेते हैं, पहले जिसे एक बहुत बढ़िया व्यवस्था के रूप में देखा गया था मुझे याद है कि रवींद्रन ने ये प्रस्ताव पेश किया था और मनोज ने इसे एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया था और यह प्रभावी था। लेकिन अब, मैंने देखा है और सुना भी है कि बड़े पैमाने पर इसका दुरुपयोग किया जा रहा है। डीजीयों को इससे निपटना होगा और अगर यह एक बड़ा अभिशाप बनता जा रहा है, तो बेहतर है कि हम इस पर पुनर्विचार करें और ई-वोटिंग पायलट को रोक दें। हो सकता है कि निदेशकों को कोई नया रास्ता मिल जाए।''

जब पांड्या ने कहा कि सबसे ज्यादा सवाल इसी ई-वोटिंग के खिलाफ आये हैं और वोटिंग प्रक्रिया मंडल सम्मेलन में कराने के पक्ष में हैं, तो मेहता ने कहा: ''मैं इससे सहमत हूं।''

भास्कर से डीजी द्वारा मंडल के खातों का विवरण समय पर नहीं देने और दोषियों के खिलाफ कार्यवाही करने पर भी चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि वहां उपस्थित अध्यक्ष मेहता और पूर्व अध्यक्ष रवींद्रन इस पर चर्चा जारी रख सकते थे, ''मेरी व्यक्तिगत राय है कि भारत में हमें डिस्ट्रिक्ट ड्यूज़ को समाप्त कर देना चाहिए, मेरा विचार है कि जब मंडल अध्यक्ष के यात्रा सम्बंधित व अन्य खर्चे रो ई उठाता है तो फिर इस का क्या औचित्य है।

और रोटरी के सभी कार्यक्रम - पेट्स, सम्मेलन, सेमिनार, स्व-वित्त पोषित होते हैं। तो फिर हर रोटेरियन से मोटी रकम वसूलने की क्या जरूरत है? वे बड़ी मात्रा में धन एकत्रित करते हैं जिस पर कोई वित्तीय अनुशासन नहीं है। मंडल की वित्त समिति काम नहीं करती है, डिस्ट्रिक्ट असेंबली में कई गवर्नर ना तो आते हैं और ना

रणनीति के प्रमुख घटकों में से एक क्लबों का सहयोग करना और उन्हें सुदृढ़ करना था। हम पिछले 20 वर्षों से सदस्यता में एक ही जगह टिके हुए हैं; कुछ करने की जरूरत है और इसलिए सदस्यता आंतरिक रूप से हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पूर्व रो ई निदेशक **मनोज देसाई**

ही बजट की मंजूरी लेते हैं। हम सभी जानते हैं कि कार्यकाल के दौरान मंडल अध्यक्ष अत्यधिक व्यस्त रहते हैं और अंत में जब साल खत्म हो जाता है और वे हिसाब मिलाते हैं तब उन्हें मालूम चलता है की उसमें कई खामियां रह गई हैं। आगामी डीजी को मेरी सलाह है कि कृपया कोई पैसा जमा न करें। यदि आप जमा नहीं करेंगे, तो आप इसके लिए उत्तरदायी भी नहीं हैं। मेरी विनम्र राय - डिस्ट्रिक्ट ड्यूज़ की वसूली से बचें।''

एक जगह हस्तक्षेप करते हुए, रो ई निदेशक महेश कोटबागी ने कहा कि ''इस सम्बन्ध में एक उप-कानून का प्रावधान है कि मंडल के नाम पर एकत्र किया गया कोई भी फंड, डीजी को आवंटित राशि और मंडल अनुदान, ये सभी एक निर्धारित समय में मंडल के क्लबों के खातों में पहुँच जाने चाहिए। यहां तक कि पैनल के सदस्य जब निदेशक रहे थे, उस समय भी इस तरह की बातें उनके संज्ञान में आईं थीं लेकिन उस वक़्त भी उन मंडलों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई थी, और ऐसे कई डीजी हैं, जिनके खाते पारित नहीं होने के बावजूद, उन्हें इंस्टिट्यूट, जोन और यहां तक कि रो ई स्तर पर भी ज़िम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं।''

एक सवाल ''मेरी रोटरी में शामिल होने की वजह सेवा और फेलोशिप थी'' लेकिन अब कई लक्ष्य प्रात करने के लिए ऊपर से बहुत अधिक दबाव था, इतना अधिक कि ''रोटरी को पुनः परिभाषित किया जा रहा है,'' इसका जवाब देते हुए भास्कर ने कहा, ''यह बिलकुल सही सवाल है। हम स्वयंसेवक हैं और हम में से प्रत्येक का अपना व्यवसाय है; हम रिटायर्ड लोग नहीं हैं और न ही इस संगठन के कर्मचारी हैं। मैंने हमेशा अपने डीजीयों से कहा था कि रोटरी क्लबों में बसती है और जब अध्यक्ष और क्लब के पदाधिकारी रोटरी का आनंद नहीं उठाएंगे तो क्लब नीरस हो जाएंगे, उन क्लबों में कोई ऊर्जा नहीं रहेगी। पुरस्कारों और सम्मानों की चाह में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शावकों पर बहुत अधिक भार डाला जा रहा है ... और अक्सर PETS के आयोजन किसी कॉर्पोरेट के सेल्स टारगेट की तरह लगते हैं, जहां ऐसे सवाल पूछे जाते हैं- आप कितने सदस्य लाएंगे, टीआरएफ में आप कितना योगदान करेंगे, आदि।

आज मैं देखता हूँ कि हम अपना दृष्टिकोण नीचे से ऊपर रखने की बजाय ऊपर से नीचे के दृष्टिकोण का रुख अपना रहे हैं। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि क्लब स्थानीय समुदाय की जरूरतों को परखें, समझें और उन्हें संबोधित करें ताकि रोटरी की सार्वजनिक छवि में वृद्धि हो सके और लोग स्वेच्छा से रोटरी में शामिल हों। लेकिन हमारे नेतृत्व के विभिन्न स्तर, विशेष रूप से भारत में, अलग-अलग प्राथमिकताएं और लक्ष्य निर्धारित करते हैं और ले दे कर सब कुछ क्लब के जिम्मे आ जाता है। कभी-कभी हम डीजी, क्लब अध्यक्षों से भी बेरुखी से पेश आते हैं फिर उसमें रोटरी का खुशनुमा पहलू गायब हो जाता है। इस पर चर्चा होनी चाहिए, इस को बदलना चाहिए और हमें रोटरी की गतिविधियों में उत्साह के साथ ढेर सारी खुशियों का समावेश करना चाहिए।''

अपने समापन सम्बोधन में पांड्या ने कहा: कल शेखर ने कहा था कि कई मुद्दों की वजह से अंदर ही अंदर तनाव और दबाव बढ़ता जा रहा है, लेकिन इन समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द करना आवश्यक है। मैं एक सर्जन हूं और हीलिंग सहानुभूति में विश्वास करता हूं; यह बहुत महत्वपूर्ण है कि आज जब रोटरी में हमारे सभी जोन ऊंची उड़ान भरने के लिए तैयार है, हमारे सामने जो भी समस्याएं आ रही हैं, सहानुभूति पूर्ण रवैया अपनाते हुए आत्मीयता के साथ उन्हें हीलिंग टच दें। ■

ADVT.

Rotary DISTRICT 3231

SERVE TO CHANGE LIVES

ROTARY DISTRICT 3231
ZONE V

RTN. SHEKAR MEHTA
R.I. PRESIDENT

RTN. A S VENKATESH
R.I. DIRECTOR

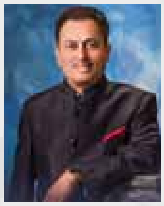
RTN. Dr. MAHESH KOTBAGI
R.I. DIRECTOR

RTN. GULAM VAHANVATY
TRF TRUSTEE

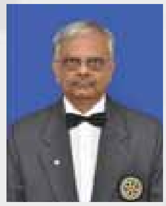
RTN. CHANDRA BOB
DISTRICT 3231 TRAINER

END POLIO NOW

District 3231 has donated to Polio fund, USD 25000 from the DDF which was matched by world fund and Bill & Melinda Gates which approximately is ₹ 83,25,000.

KURUNGAADU
PLANTATION DRIVE
1.2 crore seeds were sowed

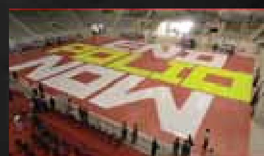

District 3231 has made a world record by placing 9020 notebooks over the text, which was recorded in three famous book of records.

RTN. NANDHINI NIRMAL
DISTRICT FIRST LADY

ANNET. W N NETHRA

RTN. W M NIRMAL RAGHAVAN
DISTRICT GOVERNOR

Ezhuchi
Ennuvathu uyarchi

DISTRICT 3231 CONFERENCE 21 - 22

MARCH
5&6
2022

CONFLUENCE
CONVENTION
CENTER
MAHABALIPURAM

districtgovernor3231@gmail.com

facebook.com/rotarydistrict3231

+917338737330

DGE यों के लिए नेतृत्व के पाठ

जयश्री

आपके कार्यकाल के एक वर्ष बाद आप भूतपूर्व गवर्नर होंगे मगर फिर भी अपने मंडल के कार्यक्रमों की अध्यक्षता करेंगे। लेकिन अगर आप समय की रेत पर अपने पदचिन्ह छोड़ना चाहते है तो अपने वर्ष के 365 दिनों को अपने जीवन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा मानें,'' महाब्स संस्थान के अंतर्गत आयोजित GETS सेमीनार में गवर्नर-निर्वाचितों को संबोधित करते हुए रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता ने कहा।

''हमारे अपने ज़ोनों के संस्थान में घर जैसा कुछ भी नहीं है,'' दुनिया भर के आभासी या व्यक्तिगत संस्थानों, जिसमें सबसे नवीनतम उस दिन सुबह 5 बजे जापान की आभासी बैठक थी, में भाग लेने के बाद उन्होंने टिप्पणी की। उन्होंने 40 वर्षों में GETS सत्र की अध्यक्षता करने वाली पहली महिला PDG गौरी राजन (रो ई मंडल 3220, श्रीलंका) की सराहना की।

नवनिर्वाचित गवर्नरों के लिए उनका मंत्र: बड़े सपने देखें और सकारात्मक दृष्टिकोण रखें। ''नेतृत्वकर्ताओं के रूप में आपको सबसे ऊंचा उठना चाहिए। यह एक साल आप सभी के लिए बहुत खास है क्योंकि आप अपने आसपास मौजूद हजारों लोगों को लाखों लोगों की जिंदगियाँ बदलने हेतु प्रेरित करेंगे,'' उन्होंने कहा और दुनिया से पोलियो को मिटाने के रोटेरियनों के 40 वर्ष पुराने सपने को याद किया। ''इतने विशाल कार्यक्रम पर काम करने के लिए बहुत साहस, विश्वास और दृढ़ संकल्प की आवश्यकता होती है। बड़े सपने देखने का साहस करने पर लोग आप पर हंस सकते है। लेकिन जब आप अपनी टीम को साथ लेकर उस लक्ष्य के लिए काम करेंगे, तो वह उनकी अंतिम हंसी होगी।''

नवनिर्वाचित नेतृत्वकर्ताओं से सकारात्मक दृष्टिकोण रखने का आग्रह करते हुए मेहता ने कहा, ''यह एक स्वैच्छिक संगठन है। आप अपनी इच्छा से रोटरी से जुड़े है। ऐसा करने के बाद यह कहना ठीक नहीं होगा कि यह असंभव है। मैं यह नहीं कर सकता आदि। एक स्वयंसेवक वह होता है जो कहता है, हाँ हम कर सकते है और हम करेंगे,'' उन्होंने दोहराया।

उन्होंने यह बात साझा की कि एक गवर्नर के रूप में उनका एक सपना गरीबों के लिए 500 घर बनाने का था और ''मैंने यह बात अपने अध्यक्षों को बताई। एक महीने में एक क्लब के अध्यक्ष ने मुझे बताया कि एक कंपनी जमीन दान करने के लिए तैयार है। क्लब ने एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित करके जमीन हासिल की। हमने 3H-अनुदान के लिए आवेदन किया था जिसे स्वीकृत होने में आम तौर पर दो साल लगते है। लेकिन मेरे कार्यकाल की समाप्ति से छह दिन पहले 24 जून को इसे ₹1.5 करोड़ की मंजूरी मिल गई। और हमने उस साल 300 घर बनाएं। इसी तरह, सुनामी प्रभावित अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की सात यात्राओं के बाद हमने 500 घर बनाएं। उनक लागत ₹3 करोड़ थी और हमने बिना किसी बैंक बैलेंस के परियोजना शुरू की। यह एक सकारात्मक दृष्टिकोण और अपने सपनों पर विश्वास करने की शक्ति है।''

मेहता ने DGEयों को स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने के लिए कहा और उनसे उनके प्रशिक्षक की एक सलाह साझा की जो उन्हें DGE रहते हुए मिली थी। ''उन्होंने कहा कि एक गवर्नर का काम क्लब अध्यक्षों के अहम को शांत करने का होता है। यही बात क्लब अध्यक्ष पर भी लागू होती है। उन्हें बस एक क्लब के सदस्य की पीठ थपथपाकर कहना होता है, 'बहुत बढ़िया।' और यह चमत्कार का काम करेगा।''

अपनी प्रसिद्ध अवधारणा, 'हर एक, लाए एक' पर जोर देते हुए, उन्होंने कहा, ''अपने दोस्तों को रोटेरियन बनने के लिए कहें। अपने साथियों से उनके दोस्तों को रोटरी में आमंत्रित करने के लिए कहें।''

DGEयों के साथ हुई रो ई अध्यक्ष की उत्साहवर्धक बातचीत में TRF के लिए योगदान और बड़ी साहसिक सेवा परियोजनाएं शामिल थी। ''राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में हमारी अहम भूमिका है। हमारे कार्यक्रम और पैमाने बेमिसाल है। भारत में हमारे पास 1.6 लाख रोटेरियन है। भारत सरकार के पास उनके उच्चतम स्तर पर इस क्षमता के अधिक लोग नहीं है। अपने आप को इतना मजबूत बनाओ कि मुख्यमंत्री आकर पूछें कि रोटरी के साथ मिलकर हम क्या कर सकते है?'' उन्होंने कहा।

***बाएं से:** RID ए एस वेंकटेश, रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता, RID महेश कोटबागी, अमिता कोटबागी, ट्रस्टी गुलाम वाहनवती, और विनीता वेंकटेश।*

अपने आप को इतना मजबूत बनाओ कि मुख्यमंत्री आकर पूछें कि रोटरी के साथ मिलकर हम क्या कर सकते है?

मेहता ने इस बात पर प्रकाश डाला कि ज़ोन 4,5,6 और 7 जिसमें 5 देश - भारत, श्रीलंका, नेपाल, मालदीव और भूटान - शामिल है, के योगदान बेमिसाल है और DGEयों से ऐसा काम करते रहने का आग्रह किया। उन्होंने समझाया, 'हम संस्थान को जितना पैसा देते है, ''अमेरिका उसका 10 गुना देती है। अगर भारत 20 मिलियन डॉलर देता है तो यूएस 200 मिलियन डॉलर देता है। लेकिन एक भारतीय रुपये की खरीद समता 22.5 LCU प्रति डॉलर है। इसका अर्थ है कि भुगतान किया गया प्रत्येक डॉलर भारतीय रुपए के 22 गुना के बराबर है। इसलिए यदि 20 मिलियन डॉलर को 22.5 से गुणा किया जाता है तो हम सही मूल्य के संदर्भ में अमेरिका की तुलना में बहुत अधिक दे रहे है,'' उन्होंने समझाया।

मेहता ने मंडल नेतृत्वकर्ताओं को सलाह दी कि वे अपनी मंडल समितियों में रोटरेक्टरों को शामिल करें और उनके साथ सम्मान से पेश आएं। ''हमारे संसाधन, अनुभव और ज्ञान उनकी ताजगी, ऊर्जा, उत्साह और प्रौद्योगिकी के साथ मिलकर रोटरी को आगे ले जाने के लिए एक विजयी संयोजन बनाएंगे।''

तेज, उच्च और मजबूत

संस्थान के संयोजक रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश ने DGEयों में उत्साह जगाने के लिए ओलंपिक के आदर्श वाक्य - *सिटियस, अल्टियस, फ़ोर्टियस* (जिसका अर्थ है तेज, उच्च और मजबूत) का उद्धरण दिया। ''इसका अर्थ यह नहीं है कि आपको किसी के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करनी चाहिए। प्रत्येक मंडल अपने तरीके से अनूठे है - आपका उछ-, संसाधन, सदस्यता प्रोफ़ाइल, भौगोलिक स्थिति, हर पहलू अलग है। 3240 जैसे मंडल में नौ राज्य है जबकि एक मंडल 3232 में मात्र एक शहर शामिल है - चेन्नई। इसलिए उनकी तुलना नहीं की जा सकती। मुकाबला अपने आप से होना चाहिए। यह सब कुछ एक साथ मिलकर

DGE पुबुदु डी ज़ोयसा (RID 3220) और DGE जया गौरी हडीगल (RID 3182)।

उससे बेहतर करने के बारे में है जो आपने कभी सोचा होगा कि आप कर सकते है।''

महाबलीपुरम मूर्तिकला में पत्थर पर एक हाथी की नक्काशी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, ''एक हाथी के लिए उस पत्थर में जो कुछ भी प्रासंगिक नहीं है उसे हटा दें, फिर आपका हाथी सामने आ जाएगा।'' DGEयों को अनावश्यक विचारों से दूर रहना सिखाया जाएगा ताकि ''आप उस पर ध्यान केंद्रित कर सकें जो आवश्यक है। तेजी के साथ ऊंचा और मजबूत होकर उठाने के लिए, आपको उन चीजों को छोड़ना होगा जो प्रासंगिक नहीं है।''

वेंकटेश ने क्लब स्तर पर विविधता, समानता और समावेश को बढ़ावा देने पर जोर दिया। ''मंडल के नेतृत्वकर्ताओं के रूप में आपको अपनी यात्रा में अपने जीवनसाथी की भूमिका की सराहना करते हुए उन्हें स्वीकार करना चाहिए। यदि आप अपने जीवनसाथी को शामिल करना चाहते है, तो गवर्नर के रूप में आपका वर्ष उन्नत और अधिक उत्पादक एवं सार्थक होगा। मैं अपने अनुभव से आपको बता सकता हूँ कि वे आपको जिस तरह का फीडबैक दे सकते है वैसा कोई और नहीं दे सकता। विनीता ने मुझे हमेशा ईमानदारी से प्रतिक्रिया दी है जब मैंने गवर्नर की और बाद में कई अन्य भूमिकाएं निभाई,'' उन्होंने आगे कहा।

मंडल के नेतृत्वकर्ताओं के रूप में आपको अपनी यात्रा में अपने जीवनसाथी की भूमिका की सराहना करते हुए उन्हें स्वीकार करना चाहिए। मैं अपने अनुभव से आपको बता सकता हूँ कि वे आपको जिस तरह का फीडबैक दे सकते है वैसा कोई और नहीं दे सकता।

RID ए एस वेंकटेश

विनीता वेंकटेश और PDG गौरी राजन।

रोटरी – एक स्वर समता

रोटरी नेता नेतृत्व के किसी भी पारंपरिक प्रारूप में फिट नहीं होते, ''बल्कि हम सभी स्वैच्छिक नेता है। हम इसे अपने दिल से करते है, संस्थान के सह-संयोजक रो ई निदेशक महेश कोटबागी ने कहा। नेतृत्व गुणों के आधार पर, उन्होंने व्यापक रूप से संगीत वाद्ययंत्रों के अंतर्गत नेतृत्वकर्ताओं को वर्गीकृत किया – सुषिर, ब्रास, तंत्रिका और तालवाद्य। जब आप एक दूसरे की तारीफ करते है, तो आप एक स्वर-समता बनाते है। अंततः, टीम वर्क ही मायने रखता है,'' उन्होंने कहा।

संस्थान के अध्यक्ष PDG मुरुगानंदम ने तमिल कवि अववय्यार की कुछ पंक्तियों जिसका अर्थ है : जो आप जानते है वह पानी की एक बूंद समान है, जानने के लिए महासागर बचा हुआ है, को उद्धृत करते हुए DGEयों से उनके पूरे वर्ष सीखते रहने का आग्रह किया। ''अपनी जिम्मेदारी से प्यार करें, जहाँ भी संभव हो सीखें, अपने भाग्य को जिएं और अपने मंडल की सेवा करके अपने वर्ष को यादगार बनाएं, यही उनके लिए उनका संदेश था।''

गौरी ने बताया कि जब दुनिया कोविड संकट से गुजर रही थी, तो रोटरी अपनी अत्याधुनिक परियोजनाओं और बैठक के नए तरीकों के साथ बदलती परिस्थितियों के लिए प्रासंगिक रही। ''इस प्रकार एक नई नेतृत्व शैली का जन्म हुआ जिन्होंने चुस्ती दिखाई वे टिके हुए है। आप एक विशेष टीम होंगे क्योंकि आप रोटरी की पहली महिला अध्यक्ष, जेनिफर जोन्स, के अधीन काम करेंगे।'' GETS अध्यक्ष के रूप में उनका चुनाव करने हेतु वेंकटेश को धन्यवाद देते हुए उन्होंने कहा, आप जो कहते है, उसे करते है। ''DEI की बस बात करने के बजाय आपने वास्तव में विविधता के मूल्य को चिह्नित किया है और श्रीलंका जैसे छोटे से द्वीप को एक अवसर प्रदान किया है।''

रो ई निदेशक भरत पांड्या ने सदस्यता, संस्थान में योगदान और सेवा परियोजनाओं के GETS प्रशिक्षकों का परिचय दिया।

चित्र: जयश्री

रोटरी के विकास के लिए DEI सिद्धांतों का होना आवश्यक है

किरण ज़ेहरा

ट्रस्टी निर्वाचित PRID भरत पांड्या ने कहा कि मानवता की समृद्धि के लिए रोटेरियनों को एक ऐसी दुनिया बनाने का प्रयास करना चाहिए जिसमें विभिन्न धर्म, संस्कृति, राष्ट्रीय सीमाओं और सामाजिक-आर्थिक स्थिति के लोगों के साथ विविधता का जश्न मनाया जाए। महाब्स 21 संस्थान में DEI सत्र में बोलते हुए उन्होंने नवनिर्वाचित गवर्नरों से आग्रह किया कि वे ''रोटरी के विविधता-निष्पक्षता-समावेशन (DEI) सिद्धांत के प्रत्येक तत्व को समझें ताकि आगामी वर्षों में इसे आगे ले जाया जा सकें।''

उन्होंने कहा ''पहला कदम इस बात का एहसास होना है कि विविधता का अर्थ केवल एक एजेंडा निर्धारित करना या महिलाओं के एक निश्चित प्रतिशत को रोटरी में लाने की बात करना या अधिक रोटरेक्टरों को शामिल करना नहीं है। DGEयों को मंडल के अंदर और आयु समूहों में मौजूद विविधता के बारे में और उनके क्लबों, मंडल और ज़ोन के व्यक्तियों के लिए DEI कैसे काम करेगा के बारे में पता होना चाहिए, उन्होंने कहा।

ग्रो रोटरी पहल की सफलता के लिए उत्रख महत्वपूर्ण है। ''इसका मकसद आपको सदस्यता पर रणनीतिक रूप से सोचने में मदद करने का है ताकि *हर एक, लाए एक* पहल वास्तव में प्रभावी हो सकें। क्लब के कार्यक्रमों और परियोजनाओं में DEI सिद्धांतों के पनपने के लिए जगह होनी चाहिए। हमारे अपने मतभेद है लेकिन हमें अधिक समानुभूतिपूर्ण और खुले विचारों वाला बनना सीखना होगा। उन लोगों के साथ काम करने की कोशिश करें जिनकी पृष्ठभूमि और दृष्टिकोण आपसे भिन्न है, और विविध नेतृत्व शैलियों वाले रोटरी नेतृत्वकर्ताओं से सीखें।''

उन्होंने कहा कि कभी-कभी ''निष्पक्षता को समानता समझ लिया जाता है। इक्विटी (निष्पक्षता) यह सुनिश्चित करने की प्रक्रिया है कि क्लब, मंडल और ज़ोन स्तर पर प्रत्येक प्रक्रिया और कार्यक्रम निष्पक्ष हो और क्लब के प्रत्येक सदस्य को समान संभावित परिणाम मिल सकें। सदस्यों को क्लब से अपनेपन की भावना महसूस होनी चाहिए और नेताओं के रूप में आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रत्येक रोटेरियन सहज और समर्थित महसूस करें।''

उत्पीड़न के प्रति रोटरी की पूर्ण असहनशीलता के मुद्दे पर, पांड्या ने वृद्धि प्रक्रिया पर एक प्रस्तुति दी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ''किसी निश्चित मुद्दे के बारे में शिकायत करने वाले सदस्य को किसी भी प्रकार के प्रतिशोध का सामना नहीं करना पड़े। आपको ईमानदारी के साथ काम करना होगा और हर स्थिति में निष्पक्ष रहना होगा,'' उन्होंने कहा।

रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश ने कहा कि DEI सिद्धांत को मंडल प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए और DGE इस विषय पर अधिक जानकारी एवं संसाधन सामग्री प्राप्त करने के लिए *www.rotary.org* पर लॉग इन कर सकते है। ''यदि आप वक्ता या प्रशिक्षक चाहते है तो निदेशक महेश और मैं आपके लिए इसकी व्यवस्था कर सकते है। DEI के बारे में सवाल पूछने से डरें नहीं। हम सभी यहाँ सीख रहे है।''

रोटरी नेतृत्वकर्ताओं से सुनने और सीखने के लिए DGEयों को प्रोत्साहित करते हुए GETS अध्यक्ष PDG गौरी राजन ने कहा, ''रोटरी एक इतिहास रचेगी जब इसकी पहली महिला अध्यक्ष (जेनिफर जोन्स) अगले साल जुलाई में अपना पदभार संभालेंगी और आप इस ऐतिहासिक टीम का हिस्सा होंगे। जब आप एक युगांतरकारी वर्ष का हिस्सा होंगे, तो याद रखिएगा कि आप हमेशा विनम्र रहे और जमीन से जुड़े रहे। ■

ट्रस्टी निर्वाचित
PRID *भरत पांड्या*

TRF समारोह

पाठ और चित्र: रशीदा भगत

दाएं से: टीआरएफ डिनर में रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता, संस्थान के संयोजक RID ए एस वेंकटेश, समीना और टीआरएफ ट्रस्टी चेयर प्रतिनिधि ट्रस्टी अज़ीज़ मेमन।

वी मुत्तुकुमारन

EMGA PDG जे बी कामदार और संस्थान अध्यक्ष PDG एम मुरुगानंदम।

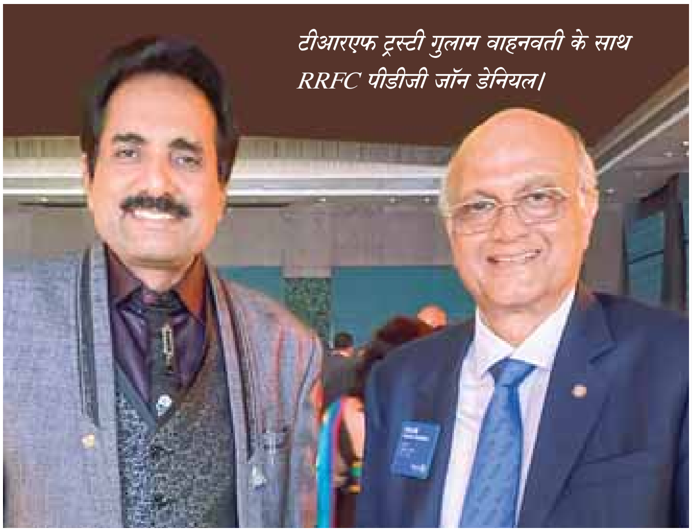

टीआरएफ ट्रस्टी गुलाम वाहनवती के साथ RRFC पीडीजी जॉन डेनियल।

AKS सदस्यों के साथ रो ई अध्यक्ष मेहता, ट्रस्टी वाहनवती और मेमन।

इस वर्ष ज़ोन इंस्टीट्यूट महाब्स 21 में, आर्च क्लम्फ़ सोसाइटी सेलिब्रेशन नामक TRF रात्रिभोज चेयर सर्कल और ट्रस्टी सर्कल दोनों के AKS सदस्यों को मान्यता देने और सम्मानित करने तक ही सीमित था।

AKS सदस्य धूमधाम से हॉल में दाखिल हुए। उनमें PDG सुरेश जैन (रोटरी क्लब दिल्ली साउथ ईस्ट, रो ई मंडल 3011) और उनकी दिवंगत पत्नी उषा; PDG विनय और रश्मि कुलकर्णी (रोटरी क्लब पुणे पार्वती, रो ई मंडल 3131) के साथ PDG सुरेश कुमार और किरण पोद्दार (रोटरी क्लब जयपुर मिड टाउन, रो ई मंडल 3052) शामिल थे। तीनों जोड़े चेयर सर्कल से संबंधित है और उनका TRF योगदान 500,000 डॉलर से अधिक है।

ट्रस्टी सर्कल से तालुक रखने वाले अन्य नए AKS सदस्यों में रोटरी क्लब विरुधुनगर, रो ई मंडल 3212, से वी आर मुथु और मलारविझी; रोटरी क्लब राजमुंदरी रिवर सिटी, रो ई मंडल 3020, से वी भास्कर राम और सुचित्रा; रोटरी क्लब मद्रास मिडटाउन, रो ई मंडल 3232, से एम अंबालावनन और गीतारानी; रोटरी क्लब कोयंबटूर, रो ई मंडल 3201, से नतनसबापति सुंदरवादिवेलु और मुरुगंबल; रोटरी क्लब अड्यार, रो ई मंडल 3232, से एस वी वीरमणि और राधा; रोटरी क्लब बॉम्बे एयरपोर्ट, रो ई मंडल 3141, से नितिन रतिलाल मेहता और हर्षा; रोटरी क्लब क्वीन्स नेकलेस, रो ई मंडल 3141, से कानन झावेरी और निकुंज; रोटरी क्लब कोयंबटूर सेंट्रल से सैंटियागो मार्टिन और रोटरी क्लब कोयंबटूर आकृति, रो ई मंडल 3201, से लीमा रोज़ शामिल है।

उदार दानदाताओं को धन्यवाद देते हुए और AKS क्लब में नए सदस्यों के शामिल होने का जश्न मनाते हुए, रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता ने कहा कि TRF को दिए गए उनके पैसों ने दुनियाभर के लोगों को दृष्टि देने, उनके दिलों का इलाज करने, जीवन बचाने और वंचितों के रहने की स्थिति में सुधार करने में मदद की। TRF और मानव जाति दोनों आप जैसे लोगों की वजह से ही समृद्ध है। आपकी उदारता, आपकी करुणा और मानवता के प्रति आपके प्रेम के लिए धन्यवाद।

2020-21 में एक बार फिर हमारे ज़ोन कुल 23.6 मिलियन डॉलर के साथ TRF को देने में दूसरे स्थान पर है, जिसमें अकेले भारत का योगदान 22.4 मिलियन डॉलर का है। सुनील मेहरा के नेतृत्व में रो ई मंडल 3141, 3.5 मिलियन डॉलर के योगदान के साथ दुनिया का सबसे शीर्ष मंडल बनकर सामने आया। TRF रात्रिभोज समारोह में मेहरा और उनकी टीम को सम्मानित किया गया।

EMGA जे बी कामदार, जो उनकी पत्नी मार्लीन (चेयर सर्कल) के साथ एक AKS सदस्य भी है, ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया, संयोजक और रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश, रो ई निदेशक महेश कोटबागी, TRF न्यासी प्रमुख के प्रतिनिधि न्यासी अजीज मेमन और TRF न्यासी गुलाम वाहनवती ने AKS सदस्यों को बधाई दी और उनको धन्यवाद दिया।

वर्तमान वर्ष के प्रमुख दानकर्ताओं और EMGA दीपक गुप्ता, EMGA जे बी कामदार, EMGA सुरेश हरि और EMGA डॉ प्रमोद सभी को सम्मानित किया गया।

ऊपर, बाएं से: टीआरएफ ट्रस्टी मेमन और समीना, RID महेश कोटबागी और अमिता; PRID भरत पांड्या और माधवी के साथ DG गौरीश धोंड; बाएं से: टीआरएफ ट्रस्टी वाहनवती, RID वेंकटेश, ट्रस्टी मेमन, रो ई अध्यक्ष मेहता और RID कोटबागी।

दाएं: रो ई अध्यक्ष मेहता, PRID पांड्या, ट्रस्टी मेमन और वाहनवती, RID 3141 के PDG सुनील मेहरा के साथ, PDG टी एन सुब्रमण्यम, DGE संदीप अग्रवाल और मंडल के AKS सदस्य।

वी मुत्तुकुमारन

श्रीधर भारती

वी मुत्तुकुमारन

बाएं से: संस्थान के संयोजक वेंकटेश और अध्यक्ष मुरुगानंदम और उनकी पत्नी सुमाती; बाएं से: PRID मनोज देसाई, शर्मिष्ठा, सुमाती, PDG मुर्गानंदम और PDG जॉन डेनियल की पत्नी मीरा।

(बाईं ओर से) DGE के बाबूमोन और पत्नी बीना, विनीता वेंकटेश के साथ।

रूपरेखा : कृष्णप्रतिश

Mahabs 21
FEEL THE HERITAGE

हलके फुल्के क्षण

रशीदा भगत

संस्थान के संयोजक RID ए एस वेंकटेश और विनीता। PRID पीटी प्रभाकर, PDG जॉन डेनियल और नलिनी प्रभाकर भी चित्र में शामिल हैं।

एक शॉक एब्जॉर्बर सहनशील विनीता

एक ज़ोन इंस्टिट्यूट का आयोजन, वो भी अत्यंत सूक्ष्म वायरस कोरोना द्वारा पूरी दुनिया पर थोपी गई इस भयानक महामारी के दौरान, निश्चित रूप से हतोत्साहित करने वाला कार्य था। 18 महीने से भी अधिक समय तक रो इ निदेशक ए एस वेंकटेश को इस भारी चुनौती का सामना करना पड़ा था, हर समय यही चिंता खाये जाती थी कि वह और इस इवेंट के अध्यक्ष, पीडीजी एम मुरुगनंदम, महाबलीपुरम में वैयक्तिक रूप से ज़ोन इंस्टिट्यूट का आयोजन कर भी पाएंगे अथवा नहीं।

अपने स्वागत उद्बोधन में, वेंकी, वो इसी नाम से लोकप्रिय हैं, ने कहा कि उन्होंने इंस्टिट्यूट के बारे में तब से सोचना शुरू कर दिया था ''जब मुझे निदेशक पद के लिए मनोनीत किया गया था, लेकिन हाँ, मुझे ज़रा भी अंदाजा नहीं था कि इंदौर इंस्टिट्यूट (PRID भारत पांड्या) के बाद अगली इंस्टिट्यूट मेरी ही होगी। इस बीच देखने और सीखने के लिए कुछ नहीं था।''

और उस समय, ''प्रतिनिधियों में ही नहीं बल्कि आयोजन समिति के सदस्यों में भी इतनी अधिक अनिश्चितता, आशंका, भय ... इतनी ज़्यादा दुविधा व्याप्त थी, अगर ऐसा हुआ तो, वैसा हुआ तो। पहले लॉकडाउन 1 हुआ फिर लॉकडाउन 2, और उसके बाद कोविड की दूसरी लहर इतनी भयानक आई जिसने भारत को तहस नहस कर के रख दिया। उन्होंने संशय व्यक्त किया कि किसी इंस्टिट्यूट की आयोजन समिति शायद ही इतनी सारी बैठकें ऑनलाइन करने के लिए मजबूर हुई हो। उन्होंने कहा, ''पहली बार आयोजन स्थल का निरिक्षण हमने लगभग 22 महीने पूर्व किया था और दुबारा सिर्फ दो महीने पहले ही देखा था क्योंकि इस बीच का अधिकांश समय लॉकडाउन में बीता था।''

''और उस वक़्त तकलीफें और बढ़ गई जब लगभग 11 दिन पहले, चेन्नई में बेतहाशा बारिश हुई। शहर में बाढ़ आ गई थी; मेरे पास कम से कम 40 कॉल आए, जो जानना चाहते कि इंस्टिट्यूट का आयोजन होगा या नहीं। खैर, मैंने अपनी टीम पर और उस सर्वशक्तिमान पर भरोसा किया और वह मेहरबान रहा; उनकी कृपा और आशीर्वाद के बिना हम सब यहां एकत्रित नहीं हो सकते थे।''

तो ये कठिनाइयाँ आई थीं ''हम इन परेशानियों से गुजरे तो ज़रूर लेकिन आखिरकार, इस बैठक में आप की 700 से ज़्यादा की तादाद यहां देखकर मुझे एहसास हुआ कि अध्यक्ष मुरुगन और मैं जिस चिंता से गुजरे वो जायज़ थी।''

लेकिन, वेंकी ने मुस्कुराते हुए स्वीकार किया, हालांकि उन्होंने अपनी पूरी टीम के सामने अपनी शांत और आत्मविश्वास से भरपूर तस्वीर पेश की थी, लेकिन वास्तव में वे जबरदस्त दबाव और तनाव में रहे थे, ''और यह सब विनीता (उनकी पत्नी) द्वारा आश्चर्यजनक रूप से अपने भीतर आत्मसात कर लिया गया। वह सदैव मेरी सारी परेशानियां अपने भीतर समाहित करती रही है, वो अत्यंत सहनशील हैं और एक जबरदस्त शॉक एब्जॉर्बर हैं, मैं तहे दिल से उनका शुक्रगुज़ार हूं!''

सबके चहेते कपिल देव

इंस्टिट्यूट में अपने सत्र में क्रिकेट की जानी मानी हस्ती कपिल देव मंच पर छा गए थे सभागार में बैठे सभी श्रोताओं को वस्तुतः अपनी ओर खींच लिया। जब रो इ निदेशक वेंकटेश ने उनके बार-बार हेयर स्टाइल बदल कर जैसे पोनी टेल बना कर या पगड़ी पहन कर सरदारजी लुक के बारे में चुटकी ली, तो उन्होंने कहा, ''बदलाव में, विविधता में मज़ा है। हाँ,कभी-कभी मेरी पत्नी भी कहती है 'तुम बहुत अजीब लग रहे हो' लेकिन कोई बात नहीं, चलता है। आखिर एक जैसा खाना आप रोज - रोज तो नहीं खा सकते।''

विनीता वेंकटेश की ओर देखते हुए, कपिल ने मजाक किया कि शायद उन्हें भी अपने पति का रूप बदलने की कोशिश करनी चाहिए!

जब उनसे पूछा कि जिम्बाब्वे के खिलाफ उनकी 175 रनों की ऐतिहासिक पारी (नाबाद) और अन्य महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों में खेलते हुए उन्हें किन दबावों का सामना करना पड़ा, उन्होंने कहा कि क्रिकेट खेलने से उन्हें हमेशा खुशी मिलती है और कभी तनाव नहीं होता। और जब एक बल्लेबाज चुनौतीपूर्ण स्थिति में मैदान पर उतरता है, तो उसके दिमाग में एक ही बात होती है कि ''अपने परिवार का ख्याल कैसे रखे, और उस वक़्त के लिए आपकी टीम ही आपका परिवार होती है। अपने देश के लिए कुछ भी करने के लिए मैं हमेशा तैयार हूं।''

साथ ही, मैदान पर तनाव महसूस करने की बात तो एक तरफ, ''मुझे तो 'डिप्रेशन' शब्द का मतलब भी नहीं मालूम। वो शायद इसलिए भी क्योंकि कि मैं एक संयुक्त परिवार में रहता हूँ और संयुक्त परिवार में आप उदास नहीं रह सकते। जब आप अकेले होते हैं और आपके पास बात करने के लिए कोई नहीं होता, तभी आप को निराशा और उदासी घेर सकती है।''

दर्शकों के साथ उन्मुक्त भाव से घुलना-मिलना, गले लगाना, अभिवादन, मस्ती और मुस्कुराहट का आदान-प्रदान कर उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि दुनिया में मुहब्बत भरे दिलों और दर्शक प्रेमियों के साथ बिताने के लिए उनके पास खूब समय है, कपिल देव एक उत्कृष्ट मनोरंजनकर्ता साबित हुए, इंस्टिट्यूट में उनके सत्र के लिए निर्धारित समय कब ख़त्म हो गया, पता ही नहीं चला लेकिन किसी ने शिकायत नहीं की!

TRF ट्रस्टी अज़ीज़ मेमन और समीना। PRID भरत पांड्या और माधवी भी चित्र में शामिल हैं।

रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता और राशि के साथ क्रिकेट के दिग्गज कपिल देव।

MMM क्लब

रो इ अध्यक्ष शेखर मेहता सहित महाब्स इंस्टिट्यूट के सभी वरिष्ठ नेताओं ने अध्यक्ष पीडीजी एम मुरुगानंद और उनके ऑफिस के सभी 30 सदस्यों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की जिन्होंने महाब्स 21 की योजना के निर्माण, व्यवस्थापन और क्रियान्वयन में भूमिका निभाई थी। जब उनकी बारी आई तो अपने समापन सम्बोधन में इंस्टिट्यूट में पधारे टीआरएफ के ट्रस्टी अध्यक्ष जॉन जर्म के प्रतिनिधि, ट्रस्टी अज़ीज़ मेमन ने कहा कि ये देखकर बहुत खुशी हुई की इंस्टिट्यूट को साकार करने के लिए पीडीजी के इतने सारे निजी सहकर्मी और सहयोगी उनकी मदद कर रहे हैं, और जो रोटरी की दुनिया में वो MMM नाम से जाने जाते हैं। ''वास्तव में, देखा जाए तो उनके पीछे एक पूरा रोटरी क्लब खड़ा था; और मेरा सुझाव है कि आप इन लोगों के साथ मिल कर एक MMM रोटरी क्लब की स्थापना कर सकते हैं।

मेमन, जिन्होंने भारत में उनका नाम 'मेनन' में बदलने के कई किस्से सुना कर श्रोताओं का मनोरंजन किया, उन्होंने कहा कि जब उन्होंने 'मेमन' के रूप में हस्ताक्षर किये तो लोगों ने कहा कि उन्होंने अपना नाम गलत लिखा था, उन्होंने इस अपरिहार्य परिस्थिति को स्वीकार कर लिया और चीजों को आसान बनाने के लिए, ''मैंने चुपचाप इसे मेनन में बदल दिया।''

चित्र: रशीदा भगत

महाब्स इंस्टिट्यूट के कुछ लम्हे

रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता और राशि।

PRID मनोज देसाई और शर्मिष्ठा।

के विश्वनाथन

PRID सी भास्कर और माला के साथ PRIP के आर रवींद्रन।

बाएं से: सुजाता, संस्थान के उपाध्यक्ष आर माधव चंद्रन, संस्थान के अध्यक्ष एम मुरुगानंदम और सुमति।

विनीता वेंकटेश और माधवी पांड्या।

विनीता वेंकटेश और अमिता कोटबागी।

रो ई अध्यक्ष मेहता और संस्थान संयोजक RID ए एस वेंकटेश।

वैज़ाग इंस्टिट्यूट का प्रचार करते हुए डीजीई के जीवनसाथी।

ऊपर से दक्षिणावर्त: कलाक्षेत्र के आत्मा फाउंडेशन के एक नृत्य मंडली द्वारा एक प्रदर्शन।

DGEs इंस्टिट्यूट का आनंद लेते हुए।

(बाएं से) RID गण महेश कोटबागी, वेंकटेश और ट्रस्टी अज़ीज़ मेमन।

रो ई निदेशक कोटबागी, PDG सी एच किशोर कुमार, शोबा किशोर और अमिता।

PDG रश्मि विनय कुलकर्णी (RID 3131) मंडल द्वारा जीते गए ज़ोनल टीआरएफ पुरस्कारों के साथ।

राशि, रो ई अध्यक्ष मेहता और PRIP रवींद्रन।

इंस्टिट्यूट में प्रवेश करते हुए रोटरी के वरिष्ठ नेता।

चित्र: रशीदा भगत और श्रीधर भारती

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

रोटरेक्टरों ने नीति परिवर्तन पर अपने विचार रखें

जयश्री

जुलाई आते ही रोटरेक्टर रो ई को वार्षिक सदस्यता देय राशि का भुगतान करना शुरू कर देंगे - संस्था आधारित रोटरेक्ट क्लबों के लिए 5 डॉलर और समुदाय आधारित रोटरेक्ट क्लबों के लिए 8 डॉलर। 2019 विधान परिषद के ऐतिहासिक निर्णय 'रोटरेक्ट को ऊपर उठाएं' में रोटरेक्टरों के लिए ऊपरी आयु सीमा को समाप्त करना और उन्हें मंडल समितियों में शामिल करना भी शामिल था।

विश्व रोटरेक्ट समिति के अध्यक्ष रवि वाडलमाणि ने रोटरेक्ट प्रतिनिधियों - रो ई के रोटरेक्ट इंटरेक्ट समिति के सदस्य PDRR रामकुमार राजू, RSA MDIO अध्यक्ष PDRR आरती, इसके उपाध्यक्ष PDRR नवीन सेना और SEARIC MDIO अध्यक्ष PDRR कौशल साहू - के साथ एक विशेष सत्र संचालित किया ताकि इस बात पर चर्चा की जा सकें कि रोटरेक्टर इन परिवर्तनों को कैसे देखते है।

सदस्यता बकाया जमा करने के निर्णय को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। ''समुदाय आधारित क्लबों के लिए यह कोई मुद्दा नहीं है। लेकिन कॉलेज-आधारित क्लबों के लिए यह एक चुनौती होगी,'' राजू ने कहा। 6000 सदस्यों वाले चेन्नई के RAC एथिराज कॉलेज और बेंगलुरु के RAC R V कॉलेज जैसे बड़ी सदस्यता वाले क्लबों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, ''हमारे पास हजारों की सदस्यता वाले क्लब है और हम उन्हें खोना नहीं चाहते।'' वाडलमाणि ने तर्क देते हुए कहा, ''यह सिर्फ एक पिज़्ज़ा की कीमत है। रोटरेक्ट जो मूल्य और परिवर्तन प्रदान करते है, उसके लिए 5 डॉलर केवल एक छोटी सी कीमत है।''

उनके विचारों को प्रतिध्वनित करते हुए सेना ने कहा, ''जिन रोटरेक्टरों के करियर बन गए है उनको कुछ फर्क नहीं पड़ेगा। यदि वे अपनी सदस्यता से प्राप्त होने वाले लाभों को समझेंगे तो वे भुगतान करने के लिए तैयार होंगे।'' उन्होंने बताया कि अगले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए 50 रोटरेक्टरों को आमंत्रित किया गया है जहाँ रोटरी उन्हें नेतृत्व का प्रशिक्षण देंगी। साहू ने कहा, ''मुफ्त में दी गई किसी भी चीज की कीमत नहीं होती।''

हालांकि ऊपरी आयु सीमा को समाप्त करने के विरोध में रोटरेक्ट प्रतिनिधि एकजुट थे। ''लोग एक रोटेरियन के रूप में एक मोटी फीस का भुगतान करने के बजाय रोटरेक्ट बने रहना चाहते है ताकि उन्हें कम शुल्क का भुगतान करना पड़े। वास्तव में मैं कुछ रोटेरियनों को जानता हूँ जो रोटरेक्टर बन

श्रीधर भारती

PDRR सुजीत कुमार (केंद्र) के साथ PDRR गण रामकुमार राजू, आरती गोस्वामी, कौशल साहू और नवीन सेना।

रशीदा भगत

रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता ने (बाएं से) वर्ल्ड रोटरेक्ट कमेटी के अध्यक्ष रवि वडलामाणि, संस्थान के संयोजक RID ए एस वेंकटेश, संस्थान के अध्यक्ष PDG एम मुरुगानंदम, PDRR रोटेरियन रामकुमार राजू, DGN (RID 3232) रवि रमन और PDRR आरती गोस्वामी की उपस्थिति में PDRR रोटेरियन नवीन सेना को पॉल हैरिस फेलो प्रमाण पत्र दिया।

गए है! इस निर्णय से अनेक प्रकार के भ्रम पैदा होते है,'' सेना ने टिप्पणी की।

रोटरी-रोटरेक्ट तालमेल के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा कि ''रोटरेक्टर युवाओं का एक बड़ा समूह है जो रचनात्मकता, ऊर्जा, दृष्टिकोण, तकनीक में अच्छे है और वे वर्तमान रुझानों को समझते है। हम रोटरी का उसके मिशन को पूरा करने में सहयोग करेंगे। TEACH या पोलियो जागरूकता की तरह आपको बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों की आवश्यकता होगी। रोटरेकटर काम करने के लिए तैयार होंगे। हमें अपनी योजना और मंडल समितियों में शामिल करें और एक साथ मिलकर हम महान कार्य कर सकते है। यदि रोटरी अनुभवों से भरी है तो रोटरेक्ट ऊर्जा से भरे है।''

हमें महिला कॉलेजों में रोटरेक्ट की स्थापना पर ध्यान देना चाहिए, उन्हें नेतृत्व की जिम्मेदारियां देनी चाहिए और मासिक धर्म स्वच्छता एवं कैंसर की जांच जैसी महिला कल्याण से जुड़ी परियोजनाओं को लागू करना चाहिए।

PDRR **आरती गोस्वामी**

इसके लाभ परस्पर है, राजू ने कहा। ''मेरे DG सी आर राजू जैसे रोटेरियनों ने मुझे वो बनाया जो आज में हूँ। रोटेरियनों द्वारा दिए जाने वाले समर्थन का उपयोग करके रोटरेक्टर सफल हो सकते है, उन्होंने कहा, और जब वह DRR थे उस समय के सम्मेलन अनुभव को याद किया। ''सिडनी सम्मेलन के एक पूर्ण सत्र में, 40,000 रोटेरियनों से बात करना एक सपने के सच होने जैसा था। उन्होंने *माई फ्लैग माई इंडिया* कार्यक्रम को भी याद किया जिसमें दुनिया के सबसे बड़े मानव ध्वज का सृजन करके चेन्नई में एक रिकॉर्ड बनाने हेतु 50,000 रोटरेक्टर और रोटेरियन एक साथ आए थे। ''हमारे लिए, रोटेरियन हमेशा मौजूद रहे है और हमें आगे ले गए है। यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि रोटेरियन रोटरेकटरों को कैसे देखते है - क्षमतावान व्यक्तियों के रूप में या 'सिर्फ रोटरेक्टरों' के रूप में।''

वाडलमाणि, संस्थान के अध्यक्ष मुरुगनंदम और परामर्शदाता वाई कुमानन, सभी पूर्व DRR, का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, ''इससे पता चलता है कि कैसे रोटरेक्ट ने इन रोटरी नेतृत्वकर्ताओं में नेतृत्व गुणों को विकसित किया है।''

आरती ने महिला रोटरेक्टरों की अल्प सदस्यता पर अफसोस जताया। ''यह केवल 30 प्रतिशत है। हमें महिला कॉलेजों में रोटरेक्ट की स्थापना पर ध्यान देना चाहिए, उन्हें नेतृत्व की जिम्मेदारियां देनी चाहिए और मासिक धर्म स्वच्छता एवं कैंसर की जांच जैसी महिला कल्याण से जुड़ी परियोजनाओं को लागू करना चाहिए।''

वाडलमाणि ने सुझाव दिया कि रोटरेक्ट की तरह ही रोटरी को भी ह्यूस्टन सम्मेलन में 10 बड़ी परियोजनाओं को मान्यता देनी चाहिए। उन्होंने प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे रोटरेकटरों को दोहरे सदस्य बनने हेतु प्रेरित करें और रोटरी एवं रोटरेक्ट दोनों की सदस्यता बढ़ाएं। रो ई ने 2029 तक पंजीकृत रोटरेकटरों की संख्या को 1 मिलियन तक बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित किया है और मेहता चाहते है कि 2022 तक रोटरेक्ट सदस्यता 200,000 से बढ़कर 300,000 हो जाए। ■

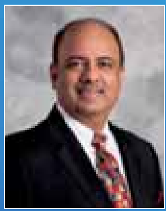

Rtn Shekhar Mehta
RI President

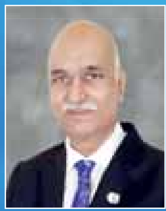

Rtn Ramesh Meher
District Governor

GLIMPSES OF DISTRICT 3030

जीवन RID 3030 RY 2021-22
LIVE LIFE.... GIVE LIFE

SERVE TO CHANGE LIVES

Blanket distribution to prisoners

One afternoon, District pleader Adv. Ketan Dhake was seated with District Legal Aid Service Authority Secretary Judge A A Shaikh to discuss a project in Jalgaon Central Jail as per the Supreme Court directive. They reached out to club president Umang Mehta of Rotary Club of Jalgaon Gold City to collaborate for the project.

Both of them were impressed with the project taken up and progress made by Rotary Jalgaon Gold City. The initial project was to provide counselling for the Under Trial Prisoners (UTP) lodged in the jail. However, following a discussion, the club felt the need for providing blankets to the inmates to protect against the winter cold. And so the project took shape.

The honorary guests Judge Shaikh and District Government pleader Advocate Ketan Dhake along with Umang Mehta were showed the barracks where they interacted with the inmates. Prior to providing the counselling, they wanted to understand whether the UTPs understood their rights while in jail. Surprisingly, 20 per cent of them were not aware of the concept of bail.

During the counselling session led by Judge Shaikh, Advocate Ketan Dhake and Rtn Umang Mehta they educated 200-300 inmates about their rights, medical assistance available and answered their questions.

The blankets that were distributed to all inmates was sponsored by Rahul Jain, a member of Rotary Club of Jalgaon Gold City. The project chairman Rtn. Rahul Kotecha, Prakhar Mehta, Rahul Kothari, Anand Gandhi and law students from the Maniyar college were present.

This project was a first-of-its-kind and was an impactful and successful event.

From mental illness to mental wellness

The District Action Group on Mental Health Initiatives (DAGMHI) in Rotary District 3030, India, is the first chapter of the Rotary Action Group on Mental Health Initiatives. RAGMHI was formed in 2015. DAGMHI's Board was formed in May 2021 but it has been working since May 2020, when COVID-19 struck the world. The pandemic saw the rise of mental health problems like never before.

DAGMHI shares the vision and mission of RAGMHI, as it promotes mental health and emotional wellbeing in society by generating awareness, removing stigma, and spreading the understanding that mental illness is treatable and preventable. Since last 19 months it has conducted 50 webinars for children, parents, Rotarians, Rotaractors, Interactors and school students, on different topics. It has conducted poster, slogan and video making competitions. It acts as a resource base for all clubs of the district and other districts too. It has encouraged and guided clubs to form mental health committees and work towards awareness.

It launched a 4-page monthly online newsletter — *Mind Matters* — in April 2021 which is shared with Rotary clubs across the globe.

Advisor
Rtn. Dr. Rita Aggarwal
District Chair, RAG MHI,
RC Nagpur

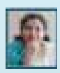
President
Rtn. Or. Aabha Pimprikar
RC Nasik Grapecity

Vice president
Rtn. Ann. Dr. Kalpana Date
RC Nagpur

Secretary
Rtn. Dr. Pratiksha Mayee
RC Nagpur Downtown

Treasurer
Rtn. Devang Shah
RC Amalner

Directors

Rtn. Dr. Shantala Bhole
RC Nagpur Vision

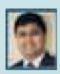
Rtn. Ad. Suraj Chaudhari
RC jalgaon West

Rtn. Murali Raghavan
RC Deolali

Rtn. Kirti Chande
RC Hirai Chandrapur

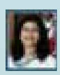
Rtn. Dr. Smita Hantodkar
RC Amravati

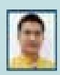
Rtn. Pankaj Agrawa
RC Achalpur

ADVT.

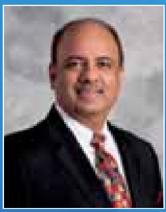

Rtn Shekhar Mehta
RI President

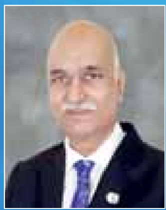

Rtn Ramesh Meher
District Governor

GLIMPSES OF DISTRICT 3030

जीवन RID 3030 RY 2021-22
LIVE LIFE.... GIVE LIFE

SERVE TO CHANGE LIVES

A hospice for terminally ill patients in Amravati

Shreemati Late Saraswatidevi Premchand Harwani Memorial Rotary Midtown Sukhant Palliative Care Center at the Dr Panjabrao Deshmukh Memorial Medical College is a project of Rotary Club of Amravati Midtown, RID 3030, Club ID 15486, implemented with strong giving culture and a generous approach to the local society.

Our Mission

To provide care and support to terminally ill patients right from the day of diagnosis to the end of life stage and bereavement. This shall be accomplished by providing

- Medical and nursing care of palliative nature
- Psychological, social, emotional, and spiritual support, and counselling through indoor, day-care and home-based palliative care services with the help of a vibrant generous approach and strong giving culture.

Our Vision

- People battling lifetime diseases and suffering from unbearable distress, pain and other symptoms must live a dignified life till their last breath
- The elderly suffering fourth stage distress and leading dependent life must live a dignified life till their last breath
- No close relative of terminally ill patients and old age persons leading dependent life should suffer from mental and physical stress of caring for their loved ones.

Services offered at Rotary Midtown Sukhant Palliative Care Center

- **Until death:** Palliative care for terminally ill patients until death
- **Short stay:** Terminally ill patients are also admitted for a short stay particularly when the caretakers have to leave home for some important work
- **Daycare:** Family members can drop their patient in the morning hours and take them back in the late evening hours.
- **Home-based palliative care:** Not every terminally ill patient is admitted to a palliative care centre, but for many patients medical, nursing, counselling facilities have to be delivered directly at their doorsteps. This is called home-based palliative care. In the second phase of this project, Sukhant Home-based Palliative Care Service will be started.

Facilities available at Rotary Midtown Sukhant Palliative Care Center

- 20-bed hospital with cubical arrangement for patients and caregivers, with all modern facilities
- Air cooled space with proper cross-ventilation
- Round-the-clock service of trained nurses and other healthcare workers, availability of doctors from time to time
- Centralised oxygen supply system and advanced firefighter system
- Dietary guidance and psychological counselling facilities
- Videoconferencing facilities for patients to communicate with relatives
- Beautiful garden attached to the ward for spending some time in pleasant environment and for prayer
- In addition to qualified healthcare workers, services of well-trained volunteer caregivers will be available.

Rotary Midtown Sukhant Palliative Care Center management team remains grateful to all donors, all members of Rotary Club of Amravati Midtown, management of Shree Shivaji Education Society, Dean and Director of Dr Panjabrao Deshmukh Memorial Medical College and particularly PDG Kishor Kedia, RID 3030, for encouraging, guiding and for all the support extended from time to time.

उन्होंने रोटरी को हिमालय की ऊंचाइयों तक पहुंचाया

राजेन्द्र साबू

मैं मई 1979 में आयोजित रोटरी अंतर्राष्ट्रीय सभा में क्लिफ डॉक्टरमैन से मिला। यह दोस्ती की एक लंबी यात्रा की शुरुआत थी। वह 1968-69 में मंडल गवर्नर थे और मैं 1976-77 में मंडल गवर्नर बना। लेकिन उन्होंने कभी अपनी वरिष्ठता के बारे में बात नहीं की और हम अपनी रोटरी सेवा के सफर में एक दूसरे के काफी करीब थे। मैं 1981-83 में रो ई निदेशक था और 1991-92 में रो ई अध्यक्ष था। वह 1983-85 में निदेशक और 1992-93 में अध्यक्ष बने। मैं उनका सम्मान एक ऐसे व्यक्ति के रूप में करता था जो हाजिरजवाबी और ज्ञान से परिपूर्ण थे। क्लिफ एक शिक्षाविद् थे, जो आगे चलकर पेसिफिक यूनिवर्सिटी के कार्यकारी उपाध्यक्ष बने। उस यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष स्टेन मैककैफ्री थे जो मेरे निर्देशन के प्रथम वर्ष में रो ई अध्यक्ष बने। वह न्यू होराइजन्स कमेटी के अध्यक्ष के रूप में क्लिफ को रोटरी नेतृत्व में लेकर आए। फिलीपींस में सफल पोलियो टीकाकरण के बाद, समिति ने रो ई निदेशकों से अनुशंसा की कि 2005 में रोटरी के शताब्दी वर्ष तक पूरी दुनिया के बच्चों का टीकाकरण किया जाए। मंडल ने प्रभावी कदम उठाया था। 3-क (स्वास्थ्य, भूख और मानवता) एक कॉर्पोरेट कार्यक्रम था जिसका कुछ पूर्व शीर्ष नेतृत्वकर्ताओं ने 1983 की विधान परिषद के जमकर विरोध किया था। मैं मंडल में था और क्लिफ निर्वाचित निदेशक थे। उन्हें मंडल के इस फैसले का बचाव करने का कार्यभार सौंपा गया था। विपक्ष की जोरदार हार हुई।

1979 में बोका रैटन में ऊषा और मैं क्लिफ और उनकी पत्नी डोरोथी के करीबी मित्र बन गए और सभी अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में हम एक साथ थे। डोरोथी ने हमेशा लोगों को खुश किया और क्लिफ ने भी ऐसा ही किया। उन्हें कैंसर हो गया जिसने 1987 में उनकी जान ले ली। क्लिफ ने मुझसे अपनी मन की बात करते हुए कहा कि डोरोथी की एक इच्छा जो पूरी नहीं होगी वह थी क्लिफ का रो ई अध्यक्ष बनना। उन्होंने आगे कहा कि जब भगवान डोरोथी से मिलते होंगे तो वह पूछते होंगे कि तुमने दुनिया में क्या किया और वह जवाब में कहती होगी कि उसने लोगों को खुश किया। जब क्लिफ को रो ई अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया, तो मैंने उनसे कहा था कि उनकी थीम में खुशी शामिल होगी और ऐसा ही हुआ। उनकी थीम थी ''असली खुशी दूसरों की मदद करने में है।''

जब मैं रो ई अध्यक्ष-निर्वाचित था, तब क्लिफ को मेरा उत्तराधिकारी बनने के लिए रो ई अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया और मैं यह सोचकर बहुत खुश था कि क्लिफ मेरे बोर्ड में ज्ञान का भंडार लाएंगे। क्लिफ ने अंतिम समय पर अपना नाम दर्ज करवाया क्योंकि उनका नाम रो ई में वरिष्ठ पदों के लिए खारिज कर दिया गया था। अपनी पत्नी को खोने देने के बावजूद भी उन्हें जबर्दस्त रूप से मनोनीत किया गया था। जब और जहाँ आवश्यकता होती थी वहाँ पर उनकी बेटी क्लाडिया उनके साथ होती थी। कई बार वह अकेले ही यात्रा करते थे। मैं क्लिफ को आगरा स्थित हमारे संस्थान में लाना चाहता था। दुर्भाग्य से ऐसा हो नही पाया क्योंकि उन्हें अपनी संक्रमित पित्ताशय की थैली की अचानक सर्जरी करवानी पड़ी। हालांकि वह अगले साल अध्यक्ष के रूप में भारत आए, मुख्य रूप से बैंगलोर में, जो रो ई निदेशक पांडुरंगा शेट्टी का गृह नगर है, और क्लिफ ने उन्हें मंडल की कार्यकारी समिति का अध्यक्ष बनाया। वह TRF अध्यक्ष के रूप में भारत आए थे और उन्होंने उल्लेखनीय रूप से 1998 में दिल्ली में विधान परिषद का दौरा किया। क्लिफ दो या तीन बार भारत आए, एक बार संस्थान के लिए और एक बार पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम के लिए जब वह TRF अध्यक्ष बने। तब तक मैरी एलेना, जिनसे उन्होंने 1994 में शादी की थी, उनकी जीवन साथी बन चुकी थी।

क्लिफ 1958 में रोटरी क्लब बर्कले से जुड़े और फिर 1971 में रोटरी क्लब स्टॉकटन में स्थानांतरित हो गए। अंततः, वह रोटरी क्लब मोरागा से जुड़े और अंत तक वहीं रहें। मैरी एलेना भी रोटरी क्लब मोरागा से जुड़ी और उसकी अध्यक्ष बनी।

क्लिफ ने 1992 की अंतर्राष्ट्रीय सभा में उन्हें शामिल करने के लिए मेरी बहुत सराहना की और उन्होंने एक-तिहाई चर्चा नेता मुझे सौंप दिए जो मेरे पास नहीं थे। यह उस प्रक्रिया की शुरुआत थी जो अब तक बनी हुई है... अंतर्राष्ट्रीय सभा पूरी तरह से नवनिर्वाचित रो ई अध्यक्ष के नियंत्रण में है। यहाँ तक कि बोर्ड की बैठकों में भी वह मेरा समर्थन करते थे और हम अपने बीच के किसी भी संवेदनशील मुद्दे को सुलझा लेते थे। एक प्रशासनिक मुद्दा यह था कि मुझे लगा अध्यक्ष-निर्वाचित के सेक्रेटरी को उनके अध्यक्ष बनने पर भी उनके साथ रहना चाहिए। जैसा

PRIP राजेन्द्र साबू और क्लिफ डॉक्टरमैन

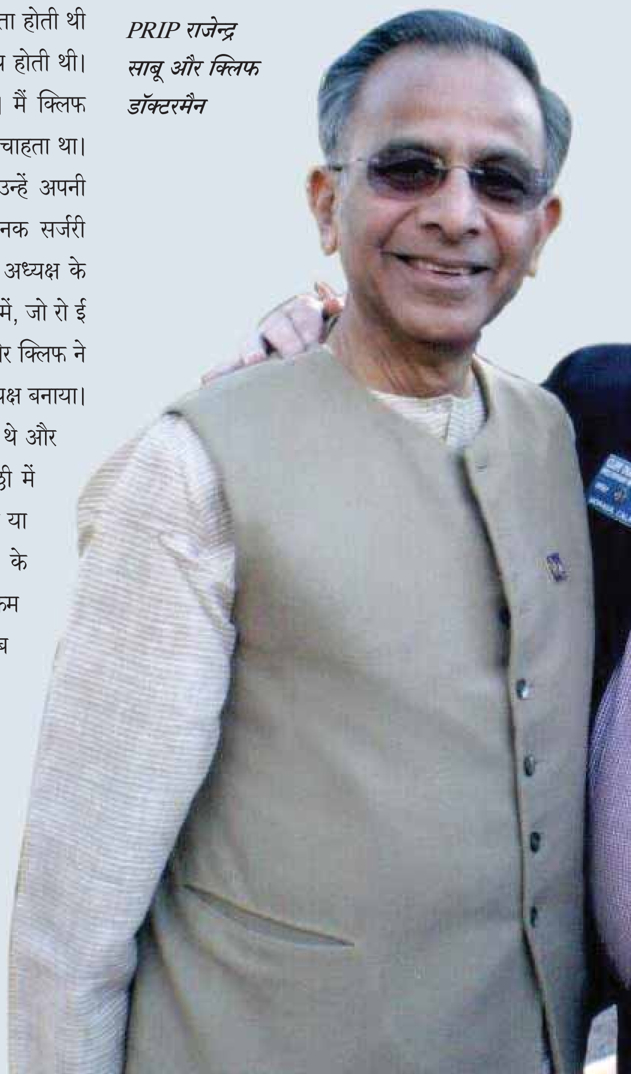

कि अब होता है। हालांकि, एन फ्लेमिंग अध्यक्ष-निर्वाचित के रूप में मेरी सेक्रेटरी थी, लेकिन जब मैं अध्यक्ष बना तो वह मेरी सेक्रेटरी के रूप में बने रहने के लिए तैयार नहीं थी। उन्होंने अपनी बात क्लिफ से कही और फिर क्लिफ ने मुझसे संपर्क किया और मैं सहमत हो गया। यह फैसला वह स्वयं भी ले सकते थे लेकिन उन्होंने इसे एक प्रोटोकॉल मानते हुए मुझसे पूछा ताकि मुझे ठेस न पहुंचे।

मार्च-अप्रैल 1995 में लुइस जियाए रो ई निर्वाचित अध्यक्ष थे और मैं न्यासी अध्यक्ष-निर्वाचित था। पॉल हैरिस की 50वीं पुण्यतिथि मनाने के लिए एक नया कार्यक्रम शुरू करने हेतु मैंने शांति और संघर्षों के समाधान के लिए एक उन्नत प्रशिक्षण का विचार रखा। लुइस मान गए और तत्कालीन TRF अध्यक्ष पाउलो कोस्टा के सौजन्य से मैंने इस प्रस्ताव को अप्रैल की न्यासी बैठक के समक्ष रखा। मुझे इसे आगे ले जाने की मंजूरी मिली और अगली बैठक, जिसकी अध्यक्षता मैं करने वाला था, में मैं अंतिम निर्णय ले सका। PRIP बिल स्केलिटन की सलाह पर, मैंने शिक्षाविद क्लिफ और दो अन्य रोटरी नेतृत्वकर्ताओं की अध्यक्षता में इस समिति का गठन किया। क्लिफ ने इसे अच्छी तरह से संभाला और न्यासियों की अगली बैठक में इसे रो ई अध्यक्ष जियाए और उनके मंडल द्वारा का अनुमोदन एवं समर्थन प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम की घोषणा ग्लासगो सम्मेलन की एक उप-समूह बैठक में की गई थी जिसकी अध्यक्षता क्लिफ ने की और जिसमें लगभग 400 रोटेरियनों ने भाग लिया था। इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। इसके बाद क्लिफ, मैंने और लुइस ने इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाया।

क्लिफ ने एक पुस्तिका *ABC ऑफ रोटरी* निकाली। इसे बहुत पसंद किया गया और प्रत्येक नए रोटेरियन या संभावित रोटरी सदस्य को यह पुस्तक मिलती। क्लिफ एक लेखक थे जिन्होंने अनेक किताबें लिखी थी या किताबों का अनुबोधन किया था। उनके पास दूरदृष्टिता थी और साथ ही उन्होंने व्यावहारिक सेवा भी की क्योंकि वो एक स्वयंसेवक के रूप में मेक्सिको या पनामा जाते रहते थे। वह एक उत्साही स्काउट थे, एकता के साथ काम करते थे और स्काउट्स के अनुशासन के बारे में सब कुछ जानते थे। वह एक जबरदस्त विचार वाले, विनोदी और चतुर व्यक्ति थे। मुझे याद है कि जब वह अध्यक्ष के रूप में मेलबर्न सम्मेलन में शामिल हुए तब वहाँ पर 12 साल से कम उम्र के लगभग 150 बच्चों की एक गायक-मंडली मौजूद थी। कुछ मिनटों के लिए बिजली चली गई और फिर जब वह वापस आई, क्लिफ ने सहज रूप से टिप्पणी की ''ओह, ये सभी तो बड़े हो गए है।''

क्लिफ के भाषणों में कई कहानियाँ होती थी और उनमें से कुछ बहुत मज़ेदार भी होती थी। मैंने क्लिफ से कहा कि जो लोग आपके भाषणों को सुन रहे है, वे उन्हें लिख भी रहे है और उन्होंने मुझसे कहा: ''राजा, वे मेरे भाषण के संदेश पर ध्यान नहीं दे रहे है बल्कि वे केवल मेरी प्रस्तुति में मेरे चुटकुलों पर ध्यान दे रहे है।'' उनमें वो संवेदनशीलता थी। वे पैदाइशी चतुर व्यक्ति थे और यह चतुराई उन्हें विरासत में अपनी मां से मिली थी। उनकी मां केलॉग्स के टेलीविजन विज्ञापनों में आती थी जिसमें उन्हें खिचड़ी खानी पड़ती थी। मैं क्लिफ की मां से मिला और उनकी तारीफ की कि उन्होंने क्लिफ को हास्य कौशल प्रदान किया एवं टीवी विज्ञापन की सराहना की। उन्होंने हंसते हुए कहा कि अगर रिहर्सल सही नहीं होती थी तो उन्हें कई बार खिचड़ी खानी पड़ती थी।

बोर्ड की बैठकों में भी वह मेरा समर्थन करते थे और हम अपने बीच के किसी भी संवेदनशील मुद्दे को सुलझा लेते थे।

मैंने क्लिफ को उनके उत्कृष्ट सम्बोधन और अभिविन्यास के लिए बधाई दी और कई बार उनके एक विशेष स्तर के वक्ता होने का उल्लेख किया। और उन्होंने प्रतिक्रिया दी कि मैं भी एक अच्छा वक्ता हूँ। वह विनम्र थे और वह हमेशा दूसरे व्यक्ति का सम्मान करने के बारे में सोचते थे। नेतृत्व पर उनकी उत्कृष्ट कृति बिल्कुल ऑर्केस्ट्रा के संवाहक जैसी थी। यह अंतर्राष्ट्रीय सभा में दोहराया जाने वाला एक कार्यक्रम बन गया और नवनिर्वाचित मंडल गवर्नरों ने इस प्रस्तुति को शुरू करने से पहले और बेशक इसे पूरा करने के बाद क्लिफ के लिए खड़े होकर तालियाँ बजाई।

उषा और मैं मैरी एलेना और क्लिफ के बहुत करीब हो गए। मैरी ऐलेना रोटरी के ज्ञान से परिपूर्ण क्लिफ और उनके व्यक्तित्व का एक अभिन्न हिस्सा बन गई।

जैसे-जैसे साल बीतते गए, क्लिफ किसी बीमारी की वजह से ज्यादा समय तक खड़े नहीं रह पाते थे, और जब मैरी एलेना का कैंसर से निधन हुआ, तो इस दोहरे झटके ने क्लिफ को तोड़ दिया। उसके बाद वह हमेशा अंतर्राष्ट्रीय सभा में आने से बचते रहे। जितना मुझे याद है वह 2018 में आखिरी बार अंतर्राष्ट्रीय सभा में शामिल हुए।

हमारी अक्सर बातचीत हुआ करती थी और क्लिफ मैट कैपरस, फ्रैंक डेवलिन और लुइस जियाए के निधन के बारे में बात करते थे। और जब 23 नवंबर को उनका निधन होने की सूचना मुझे मिली, तो मुझे एहसास हुआ कि वह एक ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने अपना पूरा जीवन जिंदादिली से जिया। वह एक लेखक, वक्ता, दार्शनिक एवं दूरदर्शी थे और वास्तव में उन्होंने अपनी प्रतिभा से रोटरी को हिमालय की ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

लेखक पूर्व रो ई अध्यक्ष है

TRF Star Performers (2020–21)

Trophy	Zone 4	Zone 5
Highest Contribution to Annual Fund	Sunnil Mehra (3141)	Jose Madhavassery (3201)
Highest Contribution to Endowment Fund	Sunnil Mehra (3141)	S Muthu Palaniappan (3232)
Highest Contribution to Polio Fund	Sunnil Mehra (3141)	P N B Murugadoss (3212)
Highest Per Capita APF Contribution to TRF	Sunnil Mehra (3141)	Ajith Weerasinghe (3220)
Highest Total Contribution to TRF	Sunnil Mehra (3141)	S Muthu Palaniappan (3232)
Highest Donor Participation	Sunnil Mehra (3141)	Jose Madhavassery (3201)
Highest Club Participation	Dr Sandeep Kadam (3142)	S Muthu Palaniappan (3232) Ajith Weerasinghe (3220)

ALL INDIA TROPHIES	RI District
Nitish Laharry Trophy for All India Highest Total Contribution to TRF	3141
Binota and Kalyan Banerjee Trophy for All India Highest Endowment Fund Contribution	3141
Usha and Raja Saboo Trophy for All India Highest Annual Fund Contribution to TRF	3141
Highest All India Polio Fund Contribution to TRF	3020
District with highest number of new AKS members	3141

RI President Shekhar Mehta and Trustee Aziz Memon present an award to RID 3170 PDG Sangram Patil and spouse Utkarsha; **From L:** Trustee-elect PRID Bharat Pandya, RID 3240 PDG Subhasish Chatterjee, RI President Mehta, Trustee Memon, DGN Nilesh Agarwal, PDG Debashish Das and DGE Dr Kushanava Pabi.

RID 3131 PDG Rashmi Kulkarni with (from L) RRFC Lakkaraju Satyanarain, PDG Dr Girish Gune, Vinay Kulkarni, Trustee Memon and President Mehta.

— Zones 4, 5, 6 and 7

Trophy	Zone 6	Zone 7
Highest Contribution to Annual Fund	Rajib Pokhrel (3292)	Sangram Vishnu Patil (3170)
Highest Contribution to Endowment Fund	Sudip Mukherjee (3291)	Nagendra Prasad (3190)
Highest Contribution to Polio Fund	Subhasish Chatterjee (3240)	M Satish Babu (3020)
Highest Per Capita APF Contribution to TRF	Subhasish Chatterjee (3240)	Rashmi Vinay Kulkarni (3131)
Highest Total Contribution to TRF	Rajib Pokhrel (3292)	Rashmi Vinay Kulkarni (3131)
Highest Donor Participation	Rajib Pokhrel (3292)	M Ranganath Bhat (3181) N V Hanmanth Reddy (3150)
Highest Club Participation	Subhasish Chatterjee (3240)	Rajarama B Bhat (3182) Rashmi Vinay Kulkarni (3131)

RID 3232 PDG S Muthu Palaniappan receives award from Trustee-elect Pandya in the presence of (from L) PDG E K Sagadhevan, DGE Dr N Nandakumar, RRFC John Daniel, President Mehta, PDG Babu Peram, Trustee Memon, PDGs V Raja Seenivasan, I S A K Nazar, AKS members S V Veeramani and Radha, PDG Rekha Shetty, DGN Ravi Raman and AKS members M Ambalavanan and Geetharani.

Below: RID 3291 PDG Sudip Mukherjee receives the award from President Mehta in the presence of (from L) RRFC Basu Dev Golyan, PDG Shyamashree Sen, PRID Pandya, Trustee Memon, PDGs Anirudha Roy Chowdhury, Angsuman Bandyopadhyay and Trustee Gulam Vahanvaty; **From L:** Institute Convener RID A S Venkatesh, Trustee Memon, RID 3060 PDG Prashant Jani, his spouse Hita, President Mehta and RID Mahesh Kotbagi.

Next issue: Membership and PI Awards. Pictures: Sridhar Bharathy

सावधानी और सतर्कता के साथ CoL के कर्तव्यों का निर्वाह करें: भरत पांड्या

वी मुत्तुकुमारन

एक मंडल गवर्नर बनने के बाद, रोटेरियनों का सबसे महत्वपूर्ण कार्य शिकागो में रोटरी की संसद में एक विधान परिषद प्रतिनिधि की जिम्मेदारी का निर्वाह करना है। न्यासी निर्वाचित PRID भरत पांड्या ने कहा कि अपने मंडलों और ज़ोनों की एक बढ़िया छवि पेश करने के साथ ही वे रोटरी के भविष्य को भी आकार देंगे।

चेन्नई के महाब्स 21 संस्थान में विधान परिषद सेमिनार में बोलते हुए उन्होंने PDGयों से बाइंडर्स के सभी अधिनियमों को पढ़कर विस्तृत गृह कार्य करने का आग्रह किया क्योंकि ''विधान परिषद रोटरी को आगे ले जाने, इसे विकसित करने और इसे एक अधिक जिम्मेदार, चुस्त, फुर्तीली और पारदर्शी इकाई बनाने के लिए बड़ी उम्मीद और अवसर प्रदान करती है।'' रोटरी को फिर से आकार देने के लिए प्रतिनिधियों को रो ई के संविधान नियमों, अधिनियमों (प्रस्तावित विधान) और विधान परिषद प्रक्रियाओं का अध्ययन करना होगा।

इतिहास पर एक नज़र घुमाते हुए पांड्या ने कहा, ''विधान परिषद की शुरुआत 1933 में रो ई के एक पूर्ण सत्र के अंतर्गत हुई थी; 1972 में रोटरी की संसद के रूप में इसे आधिकारिक तौर पर मान्यता प्राप्त हुई; 1977 में यह एक स्वतंत्र निकाय बना और हर तीसरे वर्ष परिषद आयोजित की जाने लगी; और 2001 से सभी परिषद शिकागो के रो ई मुख्यालय में आयोजित की जाती है।''

विधान परिषद के सत्रों में ''आप एक विद्युतीय उत्साह को महसूस करेंगे, नए अधिनियमों और संशोधनों को अपनाने में सक्रिय भागीदारी दिखते हुए सीखिए, भूलिए और फिर से दोबारा सीखिए,'' उन्होंने कहा। जब तत्कालीन रो ई अध्यक्ष बैरी रैसिन (2018-19) ने विधान परिषद 2019 के पहले दिन रोटरी में रोटारेक्ट को एक समान साझेदार का दर्जा देने का प्रस्ताव पेश किया, ''इसे बुरी तरह से अस्वीकार किया गया। लेकिन अगले दिन रो ई मंडल में इसपर चर्चा हुई और अंतिम दिन प्रचंड बहुमत से इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया।''

अच्छी तरह से तैयारी करें

पांड्या ने कहा कि अगले चार महीनों में विधान परिषद के सदस्यों को अधिनियमों का अध्ययन करना है, यह तय करना है कि किसका समर्थन या विरोध किया जाए, रोटरी नेतृत्वकर्ताओं से परामर्श करके भाषण मंच से 3 मिनट का प्रभावशाली भाषण देने की तैयारी करनी है। ''आपको यह तय करना होगा कि कब बोलना है क्योंकि समय महत्वपूर्ण है। याद रखें कि आप अपने मंडल, ज़ोन का प्रतिनिधित्व कर रहे है और अधिनियमों या संशोधनों के माध्यम से आपका प्रभाव रोटरी को आगे ले जाएगा,'' उन्होंने कहा।

रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश ने कहा, ''विधान परिषद के प्रतिनिधियों के कंधों पर एक बड़ी जिम्मेदारी होती है क्योंकि वे अधिनियमों, संशोधनों और प्रस्तावों पर चर्चा, बहस और मतदान करते है।

बाएं से: ट्रस्टी निर्वाचित भरत पांड्या, PDG मुकेश अर्नेजा, PDG जवाहर वडलामणि और PRID डॉ मनोज देसाई।

प्रारूप अधिनियमों को पढ़ें, उन पर चर्चा करें और विधान परिषद में मतदान के बारे में सोचिए। आज की तारीख में विधान परिषद के सलाहकार मंडल में 93 अधिनियम है, उनमें से कुछ बहुत महत्वपूर्ण है, जिन्हें यदि अपना लिया जाए तो वे रोटरी को हिलाकर रख देंगे। वेंकटेश ने प्रतिनिधियों से रोटरी विधान परिषद के उपाध्यक्ष PDG टी एन सुब्रमण्यम की अध्यक्षता में इस संस्थान के सत्र का पूरा उपयोग करने का आग्रह किया क्योंकि उससे इस बात का अनुभव मिलेगा कि आप विधान परिषद से क्या उम्मीद कर सकते है।

वोट के लिए प्रचार न करें

पांड्या की अध्यक्षता में हुई एक पैनल चर्चा के दौरान PDG जवाहर वाडलमानी ने कहा कि विधान परिषद में वोट के लिए प्रचार करने या किसी अधिनियम के लिए समर्थन मांगने पर सख्त पाबंदी है। यहाँ तक कि हॉल में अपील का एक पत्र या समर्थन मांगने वाला विज्ञापन पत्र भी विधान परिषद प्रमुख की अनुमति से ही प्रसारित किया जा सकता है। उन्होंने कहा, ''आपका भाषण तात्कालिक नहीं होना चाहिए बल्कि उसे अच्छी तरह से तैयार किया जाना चाहिए और इसे एक तैयार स्क्रिप्ट की मदद से धीरे-धीरे एवं स्पष्ट रूप से पढ़ा जाना चाहिए क्योंकि लगभग 50 प्रतिशत दर्शक गैर-अंग्रेजी भाषी देशों से होंगे,'' उन्होंने कहा।

विधान परिषद के प्रतिनिधियों को सभी सत्रों में भाग लेना चाहिए, रोटरी के विधायी निकाय की बारीकियों को समझने के लिए कार्यक्रम पुस्तिकाएं और दिशानिर्देश किट एकत्र करना चाहिए, वाडलमाणि ने कहा। ''प्रतिनिधियों के लिए सभी अधिनियमों पर मतदान करना अनिवार्य नहीं है। लेकिन एक बार जब आप सभी प्रस्तावित विधानों का अध्ययन कर लेते है, तो फिर आपसे पक्ष या विपक्ष में मतदान करने की अपेक्षा की जाती है।''

लेकिन अगर आप ज्यादातर प्रस्तावों पर मतदान करने से बचने की सोच रहे है तो फिर वहाँ जाने का क्या अर्थ है, PRID डॉ मनोज देसाई ने पूछा। यह कहते हुए कि सभी क्षेत्रों के रो ई निदेशकों के बीच उनके अधिनियमों को पारित करने के लिए प्रतिस्पर्धा होती है, उन्होंने कहा, ''वापस आने के बाद आप अपने DG को रिपोर्ट कर सकते है और क्लबों को विधान परिषद प्रस्तावों के बारे में सूचित करने के लिए पुस्तिकाएं वितरित कर सकते है।''

PDG मुकेश अर्नेजा ने कहा कि मतदान प्रक्रिया के दौरान हरे, लाल और पीले झंडों का प्रभावी ढंग से उपयोग करें। ''तय करें कि आप विधान परिषद सत्रों में क्या करना चाहते है, सभी अधिनियमों को बाइंडर्स या आईपैड में लेकर जाए; और एक प्रभाव लाने हेतु किसी संकल्प के पक्ष या विपक्ष में स्पष्ट, प्रभावी भाषण दें।'' कोई भी व्यक्ति येलो कार्ड (या झंडा) उठाकर अधिनियमों पर स्पष्टता प्राप्त करने के लिए प्वाइंट ऑफ ऑर्डर बना सकता है।

विधान परिषद में केवल उन अधिनियमों पर ही सुनवाई की जाएगी जिन्हें 20 प्रतिशत मतदान प्राप्त होगा; और जिन्हें 80 फीसदी वोट मिलेंगे उन्हें पास कर दिया जाएगा, PDG सुब्रमण्यम ने कहा। ''विधान परिषद के लगभग 30 प्रतिशत सदस्य कुछ भी नहीं बोलते है। लेकिन जब आप कोई अधिनियम, व्यवस्था या संशोधन पेश करें तो उसे उल्लेखनीय और प्रभावी रूप से करें,'' उन्होंने कहा। अपने प्रस्तावों के शब्दों पर अतिरिक्त ध्यान दें और दुनिया भर में रोटरी पर पड़ने वाले उनके प्रभाव का आकलन करें, ''सिर्फ अपने मंडल या ज़ोन के हितों की सेवा करने के बारे में न सोचें।'' PDG शरत जैन की सह-अध्यक्षता वाले सत्र में लगभग 60 PDGयों ने भाग लिया।■

मंडल प्रशिक्षण का महत्व

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी की प्रभावी कार्य शैली के लिए मंडल प्रशिक्षण को क्लब स्तर तक पहुंचना चाहिए और DTयों (मंडल प्रशिक्षकों) को उनके DGयों द्वारा चुना जाता है ताकि वे उनके कार्यकाल के दौरान उनके मित्र, सलाहकार और मार्गदर्शक बन सकें,'' PRID भरत पांड्या ने कहा।

महाब्स 21 संस्थान में DT संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''रोटेरियन समान मूल्यों को साझा करते है लेकिन दुर्भाग्य से DTयों और उनके गवर्नरों के बीच अक्सर सुर्खियों में रहने को लेकर मतभेद रहता है। यदि DG अपना काम अच्छी तरह से करता है तो DT को अपने अच्छे कार्य के लिए मंडल में लंबे समय तक याद किया जाएगा। यदि आपका मंडल महान परियोजनाएं, कार्यक्रम कर रहा है, तो आपको बधाई। अपनी विशेषज्ञता और अनुभव को अपने गवर्नर और उनकी टीम तक पहुंचाएं।''

क्लबों के लिए साल भर के प्रशिक्षण सत्र की रूपरेखा तैयार करने और उन्हें संचालित करने के लिए प्रत्येक मंडल में मंडल प्रशिक्षण समितियाँ होनी चाहिए। ''हमें मंडल स्तर पर PETS और अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए अधिक ब्रेक-आउट सत्र आयोजित करने की आवश्यकता है। सभी ज़ोनों में एक समान जानकारी और प्रशिक्षण प्रक्रिया को प्रसारित करने की आवश्यकता है।''

रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश ने कहा कि DTयों को ''प्रशिक्षण मॉडल तैयार करने चाहिए। यहाँ हमारे पास निपुण प्रशिक्षक है, इसलिए उनका सर्वोत्तम उपयोग करें। हालांकि रोटरी निरंतरता में विश्वास करती है, हमारे क्षेत्रों के रोटेरियन निरंतरता के विभिन्न रूपों में विश्वास करते है। भावी गवर्नरों की आवश्यकताओं एवं सुझावों के प्रति सहानुभूति रखें। अल्पकालिक लक्ष्यों या व्यक्तिगत एजेंडे के बजाय संगठन के बारे में सोचें। और गवर्नर के दिए गए सुझाव के साथ आपके द्वारा लिए गए सभी निर्णयों में रोटरी की जीत होना चाहिए।'' PDG आर रघुनाथ की अध्यक्षता में आयोजित एक दिवसीय संस्थान संगोष्ठी में लगभग 30 DT (जोन 4, 5, 6 और 7 के 41 DTयों में से) मौजूद थे। ■

गवर्नर सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं को साझा करते है

जयश्री

जयश्री

RID महेश कोटबागी के साथ गवर्नर्स।

रोई अध्यक्ष शेखर मेहता ने गवर्नरों के मध्य-वर्षीय समीक्षा सत्र में उन्हें संबोधित करते हुए कहा, इस साल 4,000 सदस्यों की मासिक वृद्धि के साथ हम पिछले दस वर्षों की तुलना में काफी बेहतर कर रहे है क्योंकि तब 4,000 सदस्यों की वार्षिक शुद्ध वृद्धि हुआ करती थी। चारों जोनों ने उनकी EOBO अवधारणा को महत्व देते हुए जुलाई और दिसंबर के बीच सदस्यता में वृद्धि करते हुए उसे 15,553 पर ले आए है।

लेकिन मेहता इस बात से भी नाखुश थे कि भारत के 400 रोटरी क्लबों ने समय सीमा निकल जाने के बाद भी अपने बकाया का भुगतान नहीं किया। इन क्लबों के प्रभारी सहायक गवर्नरों को बर्खास्त करें। अगर कोई AG 2-3 क्लबों पर भी ध्यान नहीं दे सकता तो यह बहुत ही शर्म की बात है। इस बात से दिल को बहुत ठेस पहुँची जब रो ई ने बताया कि भारत के 400 क्लब डिफॉल्टर है, उन्होंने कहा और आगे बोला कि किसी भी मंडल मान्यता के लिए ऐसे क्लबों के प्रभारी AGयों पर विचार नहीं किया जाना चाहिए।

मेहता रो ई की सदस्यता समिति के अध्यक्ष PRID कमल संघवी की जगह बोल रहे थे क्योंकि दुर्भाग्य से संघवी ने तब अपनी मां को खो दिया था। सदस्यता वृद्धि, TRF योगदान, CSR साझेदारी लाने और समुदाय-उन्मुख सेवा परियोजनाओं के लिए अपने सर्वोत्तम अभ्यासों को साझा करने वाले गवर्नरों के साथ यह सत्र सहभागितापूर्ण था।

मेहता ने गवर्नरों से अपने मंडल में रोटरी डेज़ ऑफ़ सर्विस, लड़कियों को सशक्त बनाने वाली परियोजनाओं को बढ़ावा देने और यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि कार्यक्रमों को रोटरी शोकेस वेबसाइट पर तुरंत अपलोड किया जाए। केवल तभी आपके मंडल का मान्यता हेतु विचार किया जाएगा।

सत्र में साझा की गई सफलता की कहानियों में रो ई मंडल 3053 के DG संजय मालवीय के सुझाव पर HDFC बैंक की एक शाखा के अधिकारियों के साथ जोधपुर में एक क्लब का गठन होना शामिल है। रो ई मंडल 3262 के DG शांतनु कुमार पाणि ने बताया कि कैसे उन्होंने मध्य पूर्व में काम करने वाले NRIयों के साथ एक ई-क्लब का गठन करने में मदद की। यह उन्हें हमारे देश में सेवा परियोजनाओं को करने हेतु एक साथ आने का अवसर प्रदान करता है, उन्होंने कहा। मेहता ने कॉरपोरेट रोटरी क्लबों के गठन का सुझाव दिया क्योंकि रोटरी परियोजनाओं में CSR की साझेदारी और परिसर वाले समुदायों में रोटरी क्लब सराहनीय है।

''इस साल सदस्यता के एक ऐतिहासिक आँकड़े के निर्माण से अधिक कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं होगा। 10 साल की अवधि में 40,000 सदस्यों को जोड़ना हमारी क्षमता को सही नहीं ठहराता। 1.3 बिलियन की आबादी वाले देश में हम 1.7 लाख से अधिक सदस्यता कर सकते है,'' संस्थान के संयोजक रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश ने कहा।

उन्होंने रोटरी क्लब मद्रास कैपिटल सिटी की चर्चा की जिसमें 94 पूर्व राउंड टेबलर्स की सदस्यता थी। क्लब जल्द ही 60 पूर्व राउंड टेबलर्स के साथ एक और रोटरी क्लब का गठन करेगा। उन्होंने सदस्यता वृद्धि को संबोधित करते हुए पूर्व रोटरेक्टरों, रोटेरियनों के बच्चों को आमंत्रित करने एवं रोटरेक्टरों की दोहरी सदस्यता को प्रोत्साहित करने जैसे अन्य सुझाव दिए।

सत्र की अध्यक्षता करने वाले रो ई निदेशक महेश कोटबागी ने मंडल 3190, 3054 और 3170 के विभाजन की घोषणा की। रोटरेक्ट समिति अध्यक्ष रवि वाडलमानी और TRF न्यासी अज़ीज़ मेमन ने भी बात की। ■

रोटरी ने मुझे एक बेहतर इंसान बनाया: PDRR सुजीत कुमार

संस्थान के अध्यक्ष एम मुरुगानंदम (दाएं) और PDG के पी नागेश PDRR सुजीत कुमार का अभिनंदन करते हुए।

किरण ज़ेहरा

रोटारेक्ट ने रो ई मंडल 3232 के PDRR सुजीत कुमार को "एक बेहतर व्यक्ति के रूप में विकसित होने का अवसर दिया, इसके नेतृत्व सत्रों और अन्य कार्यक्रमों के लिए धन्यवाद।" गरीब छात्रों को शिक्षा प्रदान करनेवाली गैर-सरकारी संगठन 'मातरम फाउंडेशन' के संस्थापक ने रोटारेक्ट क्लब के अध्यक्ष के रूप में अपने वर्ष को याद किया जब उन्होंने एक रोटरी परियोजना के लिए खाद्यान्न एकत्र किया था।

अपेक्षा से अधिक अनाज एकत्र करने के बाद, उन्हें क्लब के अध्यक्ष ने एक 'कुष्ठ रोग घर' जाने के लिए कहा, जहां एकत्र किया हुआ अनाज दिया जाना था। विशेष घर में रहने वालों की दुर्दशा से बौखलाकर उन्होंने कहा, "मैं वहां से भागना चाहता था।" पर उनके लिए जीवन बदलने वाला क्षण तब आया, जब ट्रैफिक सिग्नल पर एक कुष्ठ रोगी "जिसके हाथों में कोई भी उँगलियाँ नहीं थीं, मेरे पिता के स्कूटर की तरफ दौड़ता हुआ आया और मुझे आशीर्वाद देने के लिए अपना हाथ उठाया। उसने मेरे पिता से कहा कि उन्होंने एक बच्चे की अच्छी परवरिश की है। तभी मैंने महसूस किया कि रोटारेक्ट और रोटरी के माध्यम से मैं जीवन बदल सकता हूँ।"

उनके फाउंडेशन ने लगभग 1,500 वंचित छात्रों को विभिन्न कॉलेजों में प्रवेश दिलाने में मदद की है। न केवल मुफ्त प्रवेश प्रदान करने के लिए शैक्षणिक संस्थान फाउंडेशन के साथ साझेदारी कर रहे हैं, बल्कि शिक्षण शुल्क, परिवहन शुल्क, छात्रावास शुल्क और भोजन व्यय भी माफ कर रहे हैं। वे छात्रों के लिए किताबों और स्टेशनरी का खर्च भी उठाते हैं।

रेलवे स्टेशन पर कैंडी बेचने वाली दृष्टिबाधित सुगुना जो कि बीए और बीएड तक पढ़ाई की हुयी थी, की तस्वीर साझा करते हुए, कुमार ने कहा कि वह अपने नेत्रहीन पति के साथ रहती थी जो कि खुद भी बेरोजगार थे, "लेकिन उन्हें अपने बच्चों का पालन-पोषण करना था।" कुमार की टीम के एक सदस्य ने उन्हें स्टेशन पर कैंडी बेचते हुए देखा, जबकि उनका बेटा और बेटी अपना होमवर्क कर रहे थे। फाउंडेशन ने सुगुना को महिंद्रा वर्ल्ड स्कूल, चेन्नई की प्रिंसिपल निर्मला कृष्णन से मिलने में मदद की। इस बात से अनजान कि वह एक साक्षात्कार में भाग ले रही थी, उसने सभी प्रश्नों के सही उत्तर दिए; लेकिन एकमात्र समस्या यह थी कि वह अंग्रेजी में नहीं बोल सकती थी। लेकिन वह भाषा सीखने के लिए तैयार थी।

उनके लिए जीवन बदलने वाला क्षण तब आया, जब ट्रैफिक सिग्नल पर एक कुष्ठ रोगी जिसके हाथों में कोई भी उँगलियाँ नहीं थीं, मेरे पिता के स्कूटर की तरफ दौड़ता हुआ आया और मुझे आशीर्वाद देने के लिए अपना हाथ उठाया। उसने मेरे पिता से कहा कि उन्होंने एक बच्चे की अच्छी परवरिश की है।

आज सुगुना 'महिंद्रा वर्ल्ड स्कूल' में एक तमिल शिक्षिका के रूप में काम करती हैं और चेन्नई के 'सत्यभामा विश्वविद्यालय, में तमिल में पीएचडी भी कर रही हैं। वह एक मोटिवेशनल स्पीकर भी हैं। अपनी प्रस्तुति के अंत में पीडीआरआर ने कहा, "मैं सुगुना जैसे कई लोगों से मिला हूं और रोटरी ने मुझमें जिन मूल्यों को स्थापित किया है, इसकी वजह से मैं उनके जीवन को बदलने में सक्षम हो पाया हूँ।" रोटरी ने उन्हें जीवन के प्रति अपने अलग दृष्टिकोण के लिए प्रशिक्षित किया। "जब आप रोटेरियन को काम करते हुए देखते हैं, तब सहानुभूति और निस्वार्थ रूप से देने की कला विकसित करते हैं," उन्होंने कहा। ■

साल के अंत तक पाकिस्तान को पोलियो मुक्त होने की उम्मीद

वी मुत्तुकुमारन

पाकिस्तान में 320 दिनों में पोलियो का कोई नया मामला सामने नहीं आया है और ''हमें अगले 45 दिनों में भी ऐसा ही रहने की उम्मीद है। रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता ने हमें आश्वासन दिया कि यदि पूरे वर्ष में पोलियो का कोई भी मामला सामने नहीं आया तो वह इस देश को पोलियो मुक्त घोषित करेंगे,'' महाब्स इंस्टीट्यूट में संस्थान के अध्यक्ष जॉन जर्म का प्रतिनिधित्व करते हुए रो ई मंडल 3271, पाकिस्तान, के TRF न्यासी अज़ीज़ मेमन ने कहा। ''लेकिन थोड़े समय के बाद इस खतरनाक पोलियोवायरस की वापसी को रोकने के लिए इसकी निगरानी करना महत्वपूर्ण है। क्योंकि नाइजीरिया को पोलियो मुक्त घोषित किए जाने के 18 महीने के अंतराल के बाद पोलियो के मामले सामने आए थे।''

TRF संगोष्ठी को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''हमें सावधान रहना होगा क्योंकि हमारे पड़ोसी अफगानिस्तान, जिसके साथ हम 2,400 किमी की एक झरझरी सीमा साझा करते है, में अब तक पोलियो के दो मामले दर्ज किए गए है और हमारा वजीरिस्तान प्रांत सीमा पार से पोलियो संक्रमण की चपेट में है क्योंकि सीमा के दोनों तरफ के परिवारों के लोग अक्सर एक दूसरे के यहाँ आते-जाते है।''

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान सरकार इस बात की अतिरिक्त सावधानी बरत रही है कि अफगान सीमा के पार के लोग उनके देश में दाखिल होने से पहले पोलियो के टीके लगवा चुके हो। ''जहाँ OPV (ओरल पोलियो वैक्सीन) दो बार दी जाती है वहीं IPV (निष्क्रिय पोलियो वैक्सीन) जन्म के समय एक बार दी जाती है। जब तक पर्यावरण और पानी के नमूनों से वायरस का सफाया नहीं हो जाता तब तक हमें अपने टीकाकरण प्रयासों को जारी रखना होगा।''

मेमन ने पोलियो उन्मूलन राष्ट्रीय कार्य बल के अध्यक्ष और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के साथ अपनी हालिया मुलाकात को याद किया और कहा कि वह पोलियोप्लस कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रांतों के सभी चार मुख्यमंत्रियों से संपर्क में है।

वी मुत्तुकुमारन

टीआरएफ ट्रस्टी और पाकिस्तान नेशनल पोलियोप्लस कमेटी के अध्यक्ष अज़ीज़ मेमन।

अफगानिस्तान संकट

अफगानिस्तान के स्वास्थ्य मंत्री डॉ कलंदर इबाद के साथ उनकी बातचीत के दौरान उन्होंने जाना कि उस देश में वैक्सीन की कोई कमी नहीं थी, ''लेकिन लॉजिस्टिक्स अपर्याप्त है क्योंकि अस्पताल और औषधालय बंद है। साथ ही चिकित्सीय सेवाएं प्रदान करने के लिए कोई नर्स या डॉक्टर मौजूद नहीं है।'' मेमन ने कहा कि अगर दुनिया को पोलियो से पूरी तरह छुटकारा पाना है तो उसे सबसे पहले अफगानिस्तान की उसके स्वास्थ्य संकट से निपटने में उसकी मदद करनी होगी।

जब कोविड ने बिना किसी चेतावनी के अपने पैर पसारे तो रोटरी संस्थान चुनौती के लिए तैयार था। ''इसने दुनिया भर के क्लबों को महामारी से लड़ने के लिए 46 मिलियन डॉलर का कोविड अनुदान दिया; पोलियो की कोल्ड चेन सुविधाओं को कोविड से लड़ने के लिए इस्तेमाल किया गया; रोटेरियनों ने खाने के पैकेट और किराने के थैले बांटे; और हम उन दैनिक वेतन भोगियों तक पहुंचे जिन्होंने अपनी आजीविका खो दी थी।''

410 मिलियन डॉलर के लक्ष्य के मुकाबले TRF ने भारत के 23 मिलियन डॉलर के योगदान की मदद से 2020-21 में 441 मिलियन डॉलर का संग्रह किया। उन्होंने कहा, ''वर्तमान वर्ष के लक्ष्य (410 मिलियन डॉलर) को भी पार कर लिया जाएगा क्योंकि भारत 30 मिलियन डॉलर के अपने लक्ष्य को प्राप्त करेगा,'' उन्होंने कहा। वैश्विक अनुदान की बड़ी मांग की वजह से DDF तेजी से समाप्त हो रहे है इसलिए रोटेरियनों और क्लबों को वार्षिक कोष में उदारतापूर्वक दान करना चाहिए, उन्होंने आग्रह किया।

उन्होंने आगे कहा कि 2025 तक 2.05 बिलियन डॉलर के अक्षय निधि संग्रह के भव्य दृष्टिकोण के साथ रोटेरियनों को और अधिक दान करना होगा ताकि TRF दुनिया में और अधिक अच्छा कर सकें।

रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश याद करते है कि रोटरी में शामिल होने से पहले वे गरीब लड़कियों और बच्चों की स्कूल फीस का भुगतान करते थे। ''लेकिन एक रोटेरियन बनने के बाद, मैंने एक स्कूल या कक्षा का निर्माण करने और यहाँ तक कि एक क्लिनिक स्थापित करने या एक अस्पताल खोलने के बारे में भी सोचना शुरू कर दिया। इस संस्थान की वजह से, हम अच्छा करने के अपने दृष्टिकोण को आगे ले जा पाए। रोटरी की धर्मार्थ शाखा, ढळ्ऋ दुनिया को रहने लायक एक बेहतर जगह बनाने हेतु जो करती है उस पर हमें गर्व होना चाहिए,'' उन्होंने कहा।

जोन 5 के RRFC जॉन डेनियल ने कहा कि रोटेरियन वैश्विक नागरिक है और संस्थान उनका

2020-21 म TRF

- मंडल अनुदान - 467; 31.1 मिलियन डॉलर का निधीयन
- आपदा प्रतिक्रिया अनुदान - 55; 3.1 मिलियन डॉलर का निधीयन
- वैश्विक अनुदान - 2,066; 143 मिलियन डॉलर का निधीयन
- इस संस्थान ने दुनिया भर में परियोजनाओं और सामुदायिक कार्यक्रमों के लिए 5.5 बिलियन डॉलर से अधिक एकत्रित किए और निवेश किए।
- 2025 तक 2.05 बिलियन डॉलर का एक अक्षय निधि संग्रह तैयार किया जाएगा जो रोटरी को बड़े पैमाने और अधिक प्रभाव वाली विशाल परियोजनाओं को करने में सक्षम बनाएगा

सर्व-धर्म मंदिर है। उन्होंने भगवद् गीता, कुरान और बाइबिल का हवाला देते हुए कहा ''भगवान हम सभी के भीतर है। रोटेरियनों के रूप में हम प्रार्थनाओं को क्रिया में बदलते है। दुनिया को अब पहले से कहीं ज्यादा रोटरी की आवश्यकता है क्योंकि बीमार और गरीब इस इंतजार में है कि हम उनके आंसू पोंछेंगे।'' उन्होंने कहा कि संस्थान को मजबूत बनाने के लिए रोटेरियनों को TRF में उदारतापूर्वक देने की जरूरत है ताकि रोटरी दुनिया के सबसे बड़े सेवा संगठन के रूप में मजबूती से खड़ी रहे। ■

Mahabs 21
FEEL THE HERITAGE
ROTARY INSTITUTE 2021

TRF को दान करने के मामले में उदार बनें: वाहनवती

टीम रोटरी न्यूज़

महामारी से जन्मी चुनौतियों के बावजूद दुनिया भर के मंडल गवर्नरों ने पिछले साल आभासी सत्रों के माध्यम से 441 मिलियन डॉलर जुटाने का कार्य किया। TRF न्यासी गुलाम वाहनवती ने महाब्स 21 संस्थान में DGEयों के लिए आयोजित 'TRF के साथ कार्य' सत्र में कहा, ''इससे यह समझ आता है कि कठिन समय के दौरान रोटेरियन और अधिक देने के लिए तैयार रहते है।''

TRF को देने के मामल में बाकी मंडलों से आगे निकलने के लिए रो ई मंडल 3141 को बधाई देते हुए उन्होंने कहा, ''केवल रो ई मंडल 3141 ही सूची में शीर्ष स्थान पर नहीं है बल्कि छह अन्य मंडल (3131, 3232, 3190, 3201, 3060 और 3011) देने में शीर्ष 50 रो ई मंडलों में शामिल है।'' अपने पसंदीदा खेल पोलो से एक शब्द का प्रयोग करते हुए वाहनवती ने कहा, ''देने में भारत अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर है, वो भी बहुत मामूली अंतर से।'' DGEयों को याद दिलाते हुए कि हम पोलियो के अंत की शुरुआत देख सकते है, उन्होंने कहा कि पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम में योगदान देने से इस बीमारी को धरती से मिटाने में मदद मिलेगी। आज

TRF ट्रस्टी गुलाम वाहनवती

पोलियो केवल दो देशों में मौजूद है और ''हम एक पोलियो मुक्त दुनिया की ओर अग्रसर है। इसलिए हमारे वार्षिक और पोलियो कोष में उदारतापूर्वक दान करें।''

वाहनवती ने रोटेरियनों के निस्वार्थ भाव के लिए उनको धन्यवाद दिया क्योंकि वे एक बेहतर दुनिया के लिए दान कर रहे है और चैरिटी नेविगेटर द्वारा TRF को लगातार 4-स्टार रेटिंग दिए जाने के पीछे का कारण है। TRF सामुदायिक परियोजनाओं को वित्त पोषित करती है, कभी-कभी WHO, UNICEF, सेंटर्स फॉर डिज़ीज़ कंट्रोल, यूएस और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन जैसे अन्य हितधारकों के साथ साझेदारी में भी। ''एक दिन में हर पल हजारों रोटेरियन स्वेच्छा से अपना समय और प्रयास देते है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ढळ्ऋ को दिए गए सभी योगदान बुद्धिमानी से उन गुणवत्तापूर्ण रोटरी परियोजनाओं पर खर्च हो जिनसे अनगिनत ज़िंदगियाँ बदल रही है,'' उन्होंने आगे कहा। ■

वैज़ाग में अगला रोटरी संस्थान

टीम रोटरी न्यूज़

वैज़ाग संस्थान के संयोजक RID महेश कोटबागी, अमिता, अध्यक्ष पीडीजी किशोरकुमार Ch (अंतिम पंक्ति, बाएं), उनकी पत्नी शोबा (बीच में) और समिति के सदस्यों ने एक तेलुगु गाने पर नृत्य करते हुए संस्थान का प्रचार किया।

महाब्स 21 इंस्टीट्यूट में मौज-मस्ती और उत्साह के बाद चकित महसूस कर रहे हैं? फिर इस तरह के और मनोरंजन के लिए अपनी बैटरी को 'विशाखा विस्टा 22' पर रीचार्ज करें। पीडीजी चौधरी किशोर कुमार की अध्यक्षता में अगले संस्थान की घोषणा करते हुए रो ई निदेशक महेश कोटबागी ने कहा, वैज़ाग के बंदरगाह शहर में आगामी ज़ोन संस्थान, दिसंबर 9-11 से, सभी चकाचौंध से भरा हुआ है, जिसे आप कभी नहीं भूलेंगे। उन्होंने कहा, "हमने वैज़ाग को इसलिए चुना क्योंकि शहर में रोटेरियन्स का प्रभाव कम है, लेकिन यह विरासत में समृद्ध है और इसमें तलाशने और सीखने के लिए कई दिलचस्प स्थान हैं।"

अपनी प्रस्तुति में, पीडीजी कुमार और उनकी पत्नी शोभा ने रोटेरियन्स को आंध्र प्रदेश की व्यावसायिक राजधानी में अपने प्रसिद्ध मंदिरों, सुंदर समुद्र-तटों, अपनी तरह की अनूठी पनडुब्बी, विमान संग्रहालयों और एक पूर्व डच कॉलोनी (भीमुनिपट्टनम) जो कि बंदरगाह शहर के पास पर्यटकों को आकर्षित करने वाला गांव और एक दर्शनीय स्थल है, का आनंद उठाने के लिए आमंत्रित किया। "2.5 मिलियन की आबादी वाला वैज़ाग आंध्र का सबसे बड़ा शहर है और आयल ड्रिलिंग, स्टील और रासायनिक संयंत्रों जैसे कई उद्योगों वाला एक स्मार्ट सिटी है। यहां तक कि कोविड महामारी के दौरान, शहर का हवाई अड्डा एक दिन में 30 उड़ानें और 10,000 यात्रियों को संभालता है," उन्होंने समझाया।

स्वर्णिम चतुर्भुज राजमार्ग देश के सभी छह प्रमुख महानगरों को जोड़ता है और "कोई भी कोलकाता या चेन्नई दोनों दिशाओं में आसानी से पहुंच सकता है, क्योंकि वैज़ाग विशाल सड़क संपर्क प्रदान करता है," उन्होंने कहा। हाल ही में, यहां से संचालित होने वाली पूर्वी नौसेना कमान द्वारा आयोजित एक प्रमुख कार्यक्रम में दुनिया की 62 नौसेनाओं ने भाग लिया था। बंदरगाह शहर, सुंदर समुद्र-तटों और पर्यटकों के लिए कई सेवाओं की पेशकश करने वाले होटलों के साथ संपन्न आतिथ्य क्षेत्रवाला एक शानदार पर्यटन-स्थल है। धार्मिक लोगों के लिए, सिंहाचलम और अन्नावरम मंदिर आकर्षण हैं; जबकि अराकू घाटी अपनी लहरदार पहाड़ियों, बीहड़ों और आदिवासी बस्तियों से युक्त घाटियों के साथ हमें दूसरी दुनिया में ले जाती है। शोभा ने कहा, "हमारे पास एक साथ सीखने और नेटवर्किंग के अवसरों के साथ-साथ कई मजेदार सत्र भी होंगे।"

रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता ने 'विशाखा विस्टा' लोगो जारी किया, ऑनलाइन पंजीकरण की सुविधा के लिए अपनी वेबसाइट और यूआरएल लॉन्च किया। पारंपरिक पोशाख अर्थात *वेष्टी* (धोती), अंगवस्त्रम और प्लीटेड साड़ी पहने हुए आयोजन समिति के सदस्यों ने कोटबागी और किशोर कुमार के नेतृत्व में एक हिट तेलुगु गाने पर डांस भी किया।

चित्र: के विश्वनाथन

Visakha Vista 22 Committee

RI President Shekhar Mehta (Advisor)
RI Director Mahesh Kotbagi (Convener)
RI Director AS Venkatesh (Co-Convener)
PDG Ch Kishore Kumar (Chairman)
PRID Kamal Sanghvi (Counsellor)
PDG Ravi Vadlamani (Counsellor)

डीजीई जीवनसाथी प्रशिक्षण सत्र

किरण ज़ेहरा

बुद्धिमत्ता के साथ सुंदरता का मिलन दुर्लभ होता है, पर मुझे खूबसूरत महिलाओं से भरे इस पूरे कमरे को देखकर खुशी हो रही है जिन्होंने निस्संदेह अपने जीवनसाथियों को आज यहाँ तक पहुँचाने के लिए अपने दिल, दिमाग और आत्मा का प्रयोग करके उनका साथ दिया है। लेकिन यह तो यात्रा की बस एक शुरुआत है और एक रोटेरियन के जीवनसाथी के रूप में आपको और भी बहुत कुछ करना है,'' रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश की पत्नी विनीता ने महाब्स 21 संस्थान में जीवनसाथी सत्र में कहा। उन्होंने उनसे दुनिया भर के अपने समकक्षों से मिलने का कोई भी अवसर न चूकने को कहा।

रो ई निदेशक महेश कोटबागी की पत्नी अमिता ने कहा, ''विभिन्न लोगों की संस्कृति और परंपराओं को जानने का यह जीवन में एक बार मिलने वाला अवसर है। रोटरी आपको अवसर प्रदान करती है। सुनिश्चित करें कि आप ऑरलैंडो, यूएस, के सभी IA कार्यक्रमों में भाग लें। DGEयों की पत्नियाँ अध्यक्षीय थीम और प्राथमिकताओं, उनकी भूमिका को समझने और अंतर्राष्ट्रीय असेंबली (IA) में सीखे गए पाठों का उपयोग करके अपने मंडल सम्मेलन में मूल्य जोड़ने हेतु दिनभर चली बातचीत और गतिविधियों में लिप्त रहीं। रो ई मंडल 3141 के PDG टी एन सुब्रमण्यम की पत्नी विद्या ने कहा, एक मजबूत सकारात्मक आत्म-छवि का निर्माण IA के लिए सबसे अच्छी तैयारी होती है। जिन लोगों को अंग्रेजी में बातचीत करना मुश्किल लगता है उन्हें शर्मिंदगी महसूस नहीं करना चाहिए। ''अपनी टीम के किसी ऐसे व्यक्ति की मदद लें जो अंग्रेजी समझता हो और बातचीत भी कर सकता हो।'' विद्या ने जोर देकर कहा कि IA का उद्देश्य, अपने जीवनसाथी का समर्थन करने के लिए उन्हें ज्ञान और कौशल प्रदान करना था।

IA में जीवनसाथी के काउंटर पर आदान-प्रदान करने हेतु साधारण उपहार ले जाना बेहतर होता है। ''एक बेहतर विचार प्राप्त करने के लिए अपने मंडल के वर्तमान DGयों की पत्नियों के साथ चर्चा करें, उन्होंने कहा। 170 देशों के 540 DGEयों और उनके जीवनसाथियों से मिलने एवं बातचीत करने का एक उत्कृष्ट अवसर होने के साथ ही, आपके पास अपनी मंडल परियोजनाओं के बारे में उनसे बात करने का एक शानदार अवसर होगा। इसलिए ब्रोशर साथ रखें। कभी-कभी ऐसी मुलाकातें वैश्विक अनुदान प्राप्त करने के लिए अच्छे अवसर में बदल सकती है,'' PRID मनोज देसाई की पत्नी शर्मिष्ठा ने कहा।

रो ई निदेशक भरत पांड्या की पत्नी माधवी ने कहा, ''आपको अपने स्वास्थ्य और कल्याण का ध्यान रखते हुए अपने मंडल की सभी गतिविधियों में अधिक सक्रिय रूप से भाग लेने की आवश्यकता होगी। उन्होंने एक DGN की पत्नी के रूप में अपने अनुभव को याद किया जब मुझे एक झुग्गी में पोलियो टीकाकरण अभियान में स्वयंसेवकों के लिए खाद्य पैकेजिंग का प्रभार सौंपा गया था, तो जीवनसाथी उनका काम द्वारा शानदार तरीके से कर रही थी और मैं वहाँ यह सुनिश्चित कर रही थी कि हर बच्चे को एक खुराक मिले। उन्होंने जीवनसाथियों से विभिन्न रो ई और TRF कार्यक्रमों के बारे में पढ़ने के लिए कहा। PDG रवि वाडलमानी की पत्नी राजी; PDG समीर हरियानी की पत्नी रूपा; PDG संदीप नारंग की पत्नी अनु नारंग और PDG जॉन डेनियल की पत्नी मीरा ने भी साथियों को शिष्टाचार, सांस्कृतिक मानदंडों और परंपराओं, योजना और संचार कौशल विकसित करने पर बहुमूल्य सुझाव प्रदान किए। ■

डीजीई के जीवनसाथीयों के साथ विनीता वेंकटेश, शर्मिष्ठा देसाई, माधवी पांड्या और अमिता कोटबागी।

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटरी क्लब नॉर्थ मद्रास ने चेन्नई बाढ़ पीड़ितों को राहत पहुंचाई

रशीदा भगत

इस दिसंबर में,ताबड़ तोड़ बारिश की वजह से जब चेन्नई शहर तहस - नहस हो गया था, जिसकी वजह से हजारों परिवार बेघर हो गए और कई लोगों ने अपनी रोजी - रोटी का ज़रिया भी खो दिया था, उस समय भारत के विभिन्न हिस्सों से और अन्य देशों से रोटेरियन आगे आये तथा पीड़ित परिवारों को भोजन, सूखे राशन और अन्य राहत सामग्री के लिए दिल खोल कर दान दिया, पीडीजी जी ओलिवन्नन ने बताया।

उन्होंने बताया कि नवंबर महीने के सिर्फ एक ही दिन में चेन्नई में इतनी अधिक वर्षा हुई कि 100 वर्षों के रिकॉर्ड ध्वस्त हो गए जिसके फलस्वरूप कई निचले इलाके पानी में डूब गए और बाढ़ जैसी स्थिति बन गई। इन क्षेत्रों में रहने वाले और हाशिए पर रहने वाले गरीब लोग सबसे अधिक प्रभावित और बर्बाद हुए थे।

उन्होंने कहा कि जैसे ही तमिलनाडु सरकार ने मदद के लिए एनजीओ से संपर्क करना शुरू किया, ''रोटरी क्लब मद्रास नॉर्थ चैरिटेबल ट्रस्ट तुरंत हरकत में आया और सिर्फ एक सप्ताह के अंतर्गत, हमारे आसपास रहने वाले पीड़ित लोगों की मदद के लिए लगभग ₹10 लाख जुटा लिए।'' यह उस दिन की बात है जब तमिलनाडु के मुख्य मन्त्री एम के स्टालिन ने उनकी एक पुस्तक का विमोचन किया था। ''जैसे ही हम कमरे से बाहर आए, कुछ सरकारी अधिकारी मेरे पास आये और बोले कि अपनी सरकार को चेन्नई में बाढ़ प्रभावितों को राहत उपलब्ध कराने में गंभीर स्थिति से निपटना पड़ रहा है और उन्होंने एक स्वैच्छिक संगठन के रूप में हमसे मदद के लिए अनुरोध किया था,'' ओलिवन्नन ने कहा।

जैसे ही वो अपनी कार में बैठे, उन्हें स्थानीय विधायक का फोन आया और प्रभावित नागरिकों को बाढ़ राहत सामग्री उपलब्ध कराने में सरकार के साथ रोटरी की भागीदारी करने के लिए कहा। ''जैसा कि रो इ अध्यक्ष शेखर मेहता अक्सर कहते हैं, अब केंद्र और राज्य दोनों की सरकारें रोटरी से समाज सेवा में सहायता और सहयोग की अपेक्षा कर रही हैं और हम सरकार के साथ भागीदारी करने के लिए सदैव तत्पर हैं,'' वे बोले।

परियोजना की शुरुआत में भोजन के 5,000 पैकेट उन लोगों में वितरित किए गए जिनके पास स्वयं भोजन की कोई व्यवस्था नहीं थी। इसके बाद आठ अलग-अलग स्थानों पर चावल, गेहूं, रवा, चीनी, तेल, चाय आदि सहित राशन के 1,700 राशन किट बांटे गए। ''परियोजना की कुल लागत लगभग ₹10 लाख की राशि हमने एकत्रित की थी। रोटेरियनों के अलावा, कई गैर-रोटेरियनों ने भी इस परियोजना में रोटरी की सहायता की और बढ़ चढ़ कर सहयोग किया।''

PDG जी ओलिवन्नन रोटरी क्लब मद्रास नार्थ के अध्यक्ष जॉन फ्रेडरिक की उपस्थिति में बाढ़ राहत सामग्री वितरित करते हुए।

हमेशा की तरह, क्लब के सदस्यों ने व्यक्तिगत रूप से न

केवल परियोजना का संचालन और निगरानी की बल्कि जलभराव वाले क्षेत्रों में राहत सामग्री का उचित वितरण सुनिश्चित करने के लिए स्वयं भी गए ताकि ज़्यादा से ज़्यादा ज़रूरतमंद लोगों तक राशन किट पहुँच सके। क्लब के अध्यक्ष जॉन फ्रेडरिक, सचिव जूलियन, रोटेरियन शबीर, बानूमूर्ति, दुरई पांडियन, वेंकटेश, जोसेफ, मैरी अमुधा, जयप्रकाश, कुमार राजेंद्रन और अन्य सदस्य विभिन्न वितरण केन्द्रो पर मौजूद थे और उन्होंने खुद अपने हाथों से किट का वितरण किया।

ऐसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान तीन स्वयंसेवक विक्रम, हेमवती और अशोक, अपने स्थानीय समुदाय के लिए हमेशा काम करते रहे हैं, लाभार्थियों की पहचान करने में उन्होंने हीरोटरी नॉर्थ की सहायता की थी। दो वर्तमान विधायक परंथमन और डॉ एझिलान (जो रोटेरियन हैं और फाउंडेशन के पूर्व सदस्य भी रह चुके हैं) ने भी अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में लोगों तक पहुंचने के लिए रोटरी का सहयोग लिया।

ऑलिवन्नान ने कहा कि इस परियोजना ने न केवल बुरी तरह प्रभावित पीड़ितों की समय पर सहायता की वरन रोटरी की सार्वजनिक छवि की वृद्धि में भी बहुत योगदान किया है क्योंकि स्थानीय मीडिया ने रोटेरियनों के स्वैच्छिक सेवा कार्यों को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। बाढ़ पीड़ितों को अतिरिक्त सहायता की ज़रुरत के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि ''स्थिति अब नियंत्रण में है और काफी बेहतर है। हमारे पास कुछ पैसा बचा भी है और सरकार जब भी कहेगी हम मदद के लिए तैयार हैं।''

कोविड के दौरान ₹150 करोड़ की परियोजना

रोटरी क्लब मद्रास नॉर्थ ही वो क्लब है जिसने कोविड महामारी के सबसे बुरे दौर में अभूतपूर्व भूमिका निभाई थी, विशेकर दूसरी लहर के दौरान जब देश ऑक्सीजन की कमी से जूझ रहा था, पूरे देश में सरकारी और धर्मार्थ अस्पतालों में क्लब ने 150 करोड़ रुपये के ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर और सिलेंडर वितरित किये थे।

ओलिवन्नन ने जानकारी देते हुए कहा कि भारत में एक पंजीकृत संस्था है ACT, जो आपदा प्रबंधन और संकट के समय सहायता करती है और इसके पास दुनिया भर से दान आता है। कोविड के चलते जब भारत को ऑक्सीजन सिलेंडरों की भारी कमी का सामना करना पड़ा था, ''वे ₹150 करोड़ के ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर और सिलेंडर देना चाहते थे,'' लेकिन उनके पास लाभार्थियों की पहचान करने और उन तक ये उपकरण तक पहुंचाने के साधन नहीं थे। ''अमेरिका में उस संस्था के प्रमुख व्यक्तियों में से एक, मेरे से ठीक पहले रहे अध्यक्ष (IPP) के नज़दीकी दोस्त हैं और जब उन्होंने उनसे संपर्क किया तो अध्यक्ष मेरे पास आये और कहा कि वे सम्पूर्ण भारत के अस्पतालों में उपकरण पहुंचाना चाहते थे, मैंने रो ई अध्यक्ष मेहता से सलाह की और वितरण की व्यवस्था की। वितरित किए गए ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर और सिलेंडर में से ₹23 करोड़ के उपकरण तमिलनाडु में आए थे,'' उन्होंने कहा। ■

पुणे के पास आदिवासियों के लिए एक चिकित्सा शिविर

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी मंडल 3131 के तहत, पुणे स्पोर्ट्स सिटी रोटरी क्लब ने पुणे के पास पानशेट बांध के पिछवाड़े स्थित तट पर, एक दूरदराज के गांव ताव में एक चिकित्सा जांच और उपचार शिविर का आयोजन किया। क्लब के सदस्य डॉ माधव कंकावले और डॉ राजेश पवार ने शिविर का नेतृत्व किया, जिसमें 180 आदिवासी लोगों की स्क्रीनिंग और इलाज में मदद की गयी। स्क्रीनिंग में अन्य सभी नियमित परीक्षणों के अलावा मैमोग्राफी और पैप स्मीयर शामिल थे। क्लब के सदस्य बृज सेठी द्वारा प्रायोजित चश्मा 80 दृष्टि दोष वाले लोगों को प्रदान किया गया और शिविर के एक सप्ताह बाद मोतियाबिंद से पीड़ित 21 ग्रामीणों का इलाज किया गया। ''लगभग सभी लोगों में विटामिन की कमी पाई गई और 80 लोग एनीमिक थे। इसलिए हमने मल्टी-विटामिन टॉनिक और टैबलेट भी वितरित किए,'' क्लब अध्यक्ष किरण राव ने कहा। ■

Rotary at a glance

Rotary clubs	:	37,049
Rotaract clubs	:	10,778
Interact clubs	:	16,872
RCCs	:	11,917
Rotary members	:	1,201,314
Rotaract members	:	232,273
Interact members	:	388,102

As on December 16, 2021

Membership Summary

As on December 1, 2021

RI District	Rotary Clubs	No of Rotarians	Women Rotarians (%)	Rotaract Clubs	Interact Clubs	RCC
2981	132	6,152	7.53	46	52	238
2982	76	3,563	7.33	47	98	73
3000	137	5,455	9.09	92	259	213
3011	125	4,654	26.99	72	118	36
3012	137	4,135	26.96	65	77	61
3020	77	4,772	7.33	30	166	350
3030	96	5,162	15.19	118	245	359
3040	102	2,604	14.52	54	81	196
3053	71	2,831	18.47	34	49	118
3054	184	7,469	20.34	104	177	563
3060	110	5,165	15.00	62	71	146
3070	124	3,305	15.67	46	36	59
3080	98	4,161	13.31	136	159	115
3090	90	2,313	5.58	39	72	123
3100	106	2,395	11.15	10	21	146
3110	137	3,739	11.53	14	17	106
3120	90	3,671	16.34	62	32	55
3131	140	5,566	23.75	109	232	131
3132	90	3,618	10.95	31	122	166
3141	117	6,463	26.95	137	184	102
3142	102	3,798	20.88	79	143	80
3150	115	4,311	13.55	76	138	118
3160	78	2,640	8.79	29	20	82
3170	139	6,335	14.87	83	241	169
3181	87	3,510	8.80	33	194	115
3182	85	3,500	9.54	42	124	104
3190	161	6,752	18.45	159	206	70
3201	153	6,022	9.45	105	93	66
3203	93	4,796	7.96	74	233	36
3204	62	2,071	6.37	21	24	13
3211	146	4,870	7.82	7	24	133
3212	143	5,284	12.87	75	204	153
3231	99	3,760	8.46	28	81	419
3232	154	7,562	17.32	116	212	99
3240	102	3,576	15.94	62	405	216
3250	108	4,017	19.89	63	73	185
3261	92	3,237	18.13	15	24	44
3262	123	4,137	14.58	69	73	101
3291	168	4,272	23.08	133	95	647
India Total	**4,449**	**171,643**		**2,577**	**4,875**	**6,206**
3220	76	2,391	16.39	88	131	75
3271	130	2,253	17.53	92	185	25
3272	161	1,961	17.13	70	22	47
3281	311	8,413	18.28	264	148	208
3282	179	3,991	11.55	197	47	47
3292	153	6,062	17.30	169	129	128
S Asia Total	**5,459**	**196,714**		**3,457**	**5,537**	**6,736**

Source: RI South Asia Office

रोटरी क्लब धारवाड़ ने पूरे किये 80 साल

किरण ज़ेहरा

मुझे यह देखकर खुशी हुई कि आपका क्लब मेरे दिल के करीबवाली परियोजनाओं पर काम कर रहा है। मेरा ध्यान लड़कियों को सशक्त बनाने और शिक्षा, संसाधनों, सेवाओं और अवसरों तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करने पर है, ताकि उनके पास वे सारे उपकरण हों, जिनकी उन्हें आवश्यकता है। मैं इस सार्थक उत्सव का हिस्सा बनकर खुश हूं।'' रो ई मंडल 3170 के, रोटरी-क्लब धारवाड़ के 80 वें चार्टर समारोह में भाग ले रहे, रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता ने रो ई निदेशक महेश कोटबागी की उपस्थिति में कहा। मेहता ने 26 लड़कियों के साथ बातचीत की, जिनकी शिक्षा को क्लब द्वारा उनके मील के पत्थर वर्ष स्मरणोत्सव के हिस्से के रूप में प्रायोजित किया जाना था। क्लब के अध्यक्ष विजयकुमार कट्टिमणि ने कहा कि क्लब स्कूल फीस का भुगतान करेगा, और इन लड़कियों को उच्च माध्यमिक शिक्षा पूरी करने तक वर्दी, स्कूल बैग, जूते और स्टेशनरी किट प्रदान करेगा।

रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता ने DG गौरीश धोंड, RID महेश कोटबागी, अमिता, क्लब अध्यक्ष विजयकुमार कट्टिमणि और पीडीजी रवि देशपांडे की उपस्थिति में धारवाड़ में स्कूली छात्रों के साथ बातचीत की।

कोटबागी ने 60 सदस्यीय मजबूत क्लब में पांच नए सदस्यों को शामिल किया और टीआरएफ (TRF) को उदार दान देने वाले प्रमुख दाताओं और अन्य लोगों को सम्मानित किया।

कट्टिमणि ने 1982 से क्लब द्वारा संचालित 'पॉल हैरिस मेमोरियल रोटरी इंग्लिश मीडियम स्कूल' के लिए एक नए परिसर के निर्माण के लिए एक एकड़ जमीन दान की। इसमें अभी 492 छात्र हैं। क्लब वर्ष के दौरान सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय को 'हैप्पी स्कूल' में भी बदलेगा।

'पॉल हैरिस मेमोरियल स्कूल' के अध्यक्ष पीडीजी रवि देशपांडे ने अपने समय पर और मूल्यवान भूमि के उपहार के लिए क्लब अध्यक्ष को धन्यवाद देते हुए कहा, ''हमने इस स्कूल को वंचित बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और उन्हें निजी स्कूल के छात्रों की बराबरी पर खड़ा करने की उम्मीद के साथ शुरू किया था। आज हमारा स्कूल अत्याधुनिक कक्षाओं, योग्य शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों और अन्य सुविधाओं के साथ धारवाड़ के सबसे अच्छे स्कूलों में से एक है, जिसमें प्रवेश सभी के लिए खुला है। आप एक गरीब छात्र को बाकी छात्रों से अलग नहीं पहचान सकते हैं और हमें इस उपलब्धि पर गर्व है।''

डीजी गौरीश धोंड ने विभिन्न मानवीय परियोजनाओं के लिए क्लब की सराहना की।

धारवाड़ रोटरी क्लब, 1940 में बैंगलोर रोटरी क्लब द्वारा प्रायोजित, रो ई मंडल 3170 के तहत चार्टर्ड होने वाला पहला और कर्नाटक में दूसरा क्लब है। इसने अब तक 11 रोटरी, 12 इंटरैक्ट क्लब और एक प्रोबस क्लब को प्रायोजित किया है। इसकी कुछ उल्लेखनीय परियोजनाओं में सिविल अस्पताल, धारवाड़ में एक रोगी-वार्ड, नवजात आईसीयू, और पेयजल भंडारण टैंक सुविधा की स्थापना भी शामिल है; निगम अस्पताल में प्रसूति वार्ड का उन्नयन; धारवाड़ और उसके आसपास के श्मशान घाटों में बुनियादी ढांचे का विस्तार करना; 'लूर्डेस अस्पताल' के लिए एक्स-रे मशीन उपलब्ध कराना; और स्कूलों को बोरवेल, पीने के पानी की सुविधा, फर्नीचर और कंप्यूटर उपलब्ध कराना; क्लब की योजना कस्बे में बस टर्मिनस पर एक स्तनपान केंद्र स्थापित करने की है।

पूर्व अध्यक्ष ए सी तहसीलदार इस आयोजन के अध्यक्ष थे और पीडीजी डॉ राजन देशपांडे और पीडीजी रवि एन देशपांडे संयोजक थे। ■

एक मानवीय स्पर्श से कैंसर का मुकाबला

रशीदा भगत

जब मैंने उनसे उनके क्लब, रोटरी क्लब मद्रास मिडटाउन द्वारा चलाए जा रहे रोटरी कैंसर रिसर्च फाउंडेशन में अपनी व्यक्तिगत भागीदारी का वर्णन करने के लिए कहा तो उनकी आँखें भर आई। यह क्लब की एक चिन्हक परियोजना है जिसमें स्वर्गीय हबीबुल्लाह बादशाह और 1995 में इस परियोजना के शुरू होने के दौरान क्लब अध्यक्ष रहे कैलाशमल दुगर जैसे क्लब के दिग्गजों की करीबी भागीदारी देखी गई। उसी वर्ष क्लब के एक अन्य सदस्य डॉ सी एस रामचंद्रन मंडल गवर्नर थे।

इसके वर्तमान प्रबंधन न्यासी शंकर दुरईस्वामी मुझे इस परियोजना का विवरण देने का कष्ट उठाते हुए कहते है कि यह केवल पैसा नहीं है जो यह संस्थान कैंसर रोगियों पर खर्च करता है - लगभग ₹6 से 7 लाख प्रति वर्ष - बल्कि देखभाल, भागीदारी और सतत कार्यवाही भी है जो इस संस्थान में शामिल लोग उन रोगियों को देते है जिससे यह परियोजना इतनी खास है।

वह समझाते है कि यह संस्थान ''कैंसर से पीड़ित गरीब लोगों का इलाज कराने हेतु आर्थिक मदद देने के उद्देश्य से शुरू किया गया था। यह निर्णय लिया गया कि जो मरीज महंगे इलाज का विकल्प चुनते है उन्हें हमारी मदद नहीं मिलेगी। हम केवल उन्हीं लोगों की मदद करेंगे जो कम लागत वाले उपचार, सरकारी अस्पताल और कैंसर संस्थान, अड्यार, चेन्नई का विकल्प चुनते है और वो भी केवल एक संभावित हद तक,'' वह कहते है।

1990 के दशक में, चिकित्सा उपचार की लागत तुलनात्मक रूप से कम थी और प्रत्येक रोगी पर खर्च की अधिकतम सीमा कीमोथेरेपी के लिए ₹50,000 और सर्जरी के लिए ₹1 लाख थी, जो उन दिनों बहुत बड़ी रकम थी। इलाज ज्यादातर कैंसर संस्थान में किया जाता था। संस्थान का अधिकांशतः वित्तपोषण हमारे क्लब सदस्यों द्वारा किया गया; पीपी बादशाह काफी सक्रिय थे और अपने संपर्कों के माध्यम से बहुत अधिक धन एकत्रित करते थे। इस संस्थान में ज्यादातर गैर-रोटेरियन न्यासी थे; प्रथम न्यासियों में से एक अपोलो अस्पताल के अध्यक्ष डॉ पी सी रेड्डी थे। जहाँ छह न्यासी रोटरी क्लब मद्रास मिडटाउन के थे, वहीं अन्य पांच गैर-रोटेरियन थे। 2017 में उनका निधन होने तक हबीबुल्लाह बादशाह प्रबंधन न्यासी थे पर अब दुरईस्वामी इस पद पर पदस्थ है।

हालाँकि शुरूआत में इस कैंसर संस्थान ने केवल चिकित्सा उपचार के लिए धन उपलब्ध कराया, लेकिन धीरे-धीरे इसने उपचार के बाद का

यह केवल पैसा नहीं है जो यह संस्थान कैंसर रोगियों पर खर्च करता बल्कि देखभाल, भागीदारी और सतत कार्यवाही भी है जो इस संस्थान में शामिल लोग उन रोगियों को देते है जिससे यह परियोजना इतनी खास है।

पोषण और अन्य सहायता भी प्रदान करना शुरू कर दिया। अब तक इसने लगभग 700 कैंसर रोगियों के जीवन को प्रभावित करके उनकी मदद की है।

दुरईस्वामी, जो पहले इंडोनेशिया और मलेशिया में एक रोटेरियन थे, 2013 में रोटरी क्लब मद्रास मिडटाउन में शामिल हुए और वह एवं उनकी पत्नी, जिन्होंने भारत के बाहर इसी तरह की परियोजनाओं पर काम किया था, इस संस्थान के काम में शामिल हो गए।

मैं उनसे एक किस्सा सुनाने के लिए कहता हूँ जिससे यह पता चले कि कैसे पैसे से ज्यादा न्यासियों एवं अन्य रोटेरियनों की व्यक्तिगत भागीदारी और देखभाल इस सुविधा को अन्य चिकित्सीय संगठनों से अलग करती है।

अपनी साँस थामते हुए, वह एक 17 वर्षीय युवक सैयद का किस्सा सुनाते है जिसे चौथे चरण का टर्मिनल बोन कैंसर था। ''उसका इलाज कर रहे डॉक्टरों ने कहा कि हमने उसकी मदद करने की पूरी कोशिश की पर अब सबकुछ भगवान के हाथ में है। सैयद एक गरीब परिवार से था और उसके पिता का स्वर्गवास हो चुका था। मैं उससे 2018 में मिला था और उसका चार साल से कैंसर का इलाज चल रहा था।'' कैंसर वार्ड के प्रशासक जो उस युवक का इलाज कर रहे थे ने जैविक उर्वरकों के निर्माण का

मैं किसी और की तुलना में रोटरी को अधिक पसंद करती हूँ क्योंकि मुझे पता है कि आप इसे एक परीक्षण के रूप में करेंगे और अगर यह सफल रहा तो आप इसे देश भर में ले जाएंगे।

डॉ वी शांता

कैंसर इंस्टीट्यूट,चेन्नई की स्वर्गीय निदेशक

डॉ शांता नामक एक फरिश्ता

शंकर दुरईस्वामी के पास चेन्नई के कैंसर संस्थान की दिवंगत निदेशक डॉ वी शांता द्वारा कैंसर रोगियों के लिए दिखाई जाने वाली देखभाल और भावुकता का वर्णन करने के लिए कोई शब्द नहीं है। कैंसर संस्थान के चिल्ड्रन वार्ड, जहाँ अधिकांश बच्चे ग्रामीण क्षेत्रों और चेन्नई के बाहर के इलाकों से थे, के प्रशासक के साथ हुई एक आकस्मिक बैठक ने उन्हें इन बच्चों की मदद करने के लिए दृढ़ संकल्पित किया। ''हमने यहाँ बच्चों को खुशी-खुशी इधर-उधर भागते हुए देखा क्योंकि वे शायद ही अपने छोट से शरीर पर कैंसर से पड़ने वाले प्रभाव को समझते है। लेकिन उनकी देखभाल करने वाले, जिनमें ज्यादातर उनकी मां और दादी होती है, चिंताग्रस्त होकर घूमते है।'' बच्चों को व्यस्त रखना एक बड़ा कार्य है और रोटेरियनों ने वित्तीय सहायता देने के अलावा भी कुछ करने का फैसला किया। रोटरी क्लब मद्रास मिडटाउन की एन ललिता कला और शिल्प को लेकर उत्साहित है और वह हफ्ते में दो बार बच्चों को चित्रकला और ओरिगेमी जैसे शिल्प के पाठ में व्यस्त रखती है, जिसके लिए रोटेरियन किताबें और अन्य सामग्री प्रदान करते है।

2018 में, ''हमें डॉ शांता से मिलने का निमंत्रण प्राप्त हुआ। एक सरल और मुस्कुराती हुई महिला होने के नाते, उन्होंने बच्चों के लिए हमारे द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की जिसमें आवश्यकतानुसार उपचार के बाद के भोजन की खुराक और दवाएं उपलब्ध कराना भी शामिल था। जब मैंने उन्हें अपना काम समझाया तो उन्होंने सुझाव दिया कि हमें ल्यूकेमिया से पीड़ित बच्चों की जांच करनी चाहिए और हमें समझाया कि अगर इसका पता जल्दी चल जाए तो ऐसे बच्चों के ठीक होने की संभावना 100 प्रतिशत होती है,'' दुरईस्वामी समझाते है।

यह रोटेरियन रोटरी के लिए डॉ शांता के विनम्र शब्दों को कभी नहीं भूल सकते। ''उन्होंने कहा कि रोटरी एक ऐसा संगठन है जिसके पास बड़े पैमाने पर ऐसा करने की ताकत और प्रतिबद्धता है क्योंकि आप इसे प्रारंभिक परीक्षण कार्यक्रम के बाद भारत के हर कोने में ले जा सकते है। वह इंफोसिस सहित बड़े कॉरपोरेटों द्वारा चलाए जा रहे संस्थानों से बात कर रही थी लेकिन उन्होंने कहा, 'मैं किसी और की तुलना में रोटरी को अधिक पसंद करती हूँ क्योंकि मुझे पता है कि आप इसे एक परीक्षण के रूप में करेंगे और अगर यह सफल रहा तो आप इसे देश भर में ले जाएंगे। मैंने पोलियो उन्मूलन में रोटरी के काम को देखा है इसलिए मैं आपसे दृढ़ता से आग्रह करूंगी कि आप कैंसर जांच की चुनौती को भी स्वीकार करें।'' 2020 में उनका निधन हो गया लेकिन यह संस्थान उनसे किए गए अपने वादे को निभाने के लिए प्रतिबद्ध है।

भविष्य की योजनाओं के बारे में दुरईस्वामी का कहना है कि न्यासी अब कैंसर की जांच पर अधिक ध्यान केंद्रित करना चाहते है, खासकर बच्चों में, क्योंकि अगर हमें इसका पता जल्दी चल जाता है तो पूर्ण इलाज की संभावना अधिक बेहतर होती है। ''हम एक *पेन नलम* (जिसका अर्थ है महिलाओं का कल्याण) नामक गैर सरकारी संगठन के साथ काम कर रहे है जिसमें मैमोग्राफी मशीन के साथ एक स्क्रीनिंग बस है। अब हमारा अपना रोटरी मंडल (3232) एक बस लेकर आ रहा है, हमारे DGE, डॉ नंदकुमार, उस परियोजना पर काम कर रहे है और हमारा क्लब इसमें साझेदार बनने जा रहा है क्योंकि जांच के माध्यम से बीमारी पता चलने के बाद इलाज करना होता है।''

उसकी सास को यकीन हुआ कि अगर उसकी स्वास्थ्य स्थिति जानने वाले अजनबी ऐसा कर सकते है तो कैंसर एक छूत की बीमारी नहीं हो सकती। इस तरह उस माँ और उसके बच्चे का पुनर्मिलन हुआ।

व्यवसाय करने वाले दुरईस्वामी को बुलाया और कहा: ''अंकल, उसका इलाज पूरा हो गया है और अब हम और कुछ नहीं कर सकते पर क्या आप परामर्श के माध्यम से उसकी मदद कर सकते है? तब तक मैंने सलाह देना शुरू कर दिया था। वह मुझसे मिलने एक मोटरसाइकिल पर आया था और काफी खुश एवं ज़िंदादिल लग रहा था कि मैं बस उसे देखता रह गया। उसने कहा कि मुझे दर्द हो रहा है लेकिन मैं स्वयं को संभाल रहा हूँ।''

उसने रोटेरियनों को बताया था कि उसके पिता का छह महीने पहले निधन हो गया और अगले साल उसकी बहन की शादी होने वाली है; ''मैं कुछ कमाकर उसे पैसे देना चाहता हूँ। क्या आप मुझे कोई काम दिलवा सकते है? उसकी भाषाओं में पकड़ बहुत अच्छी थी। इसलिए मैंने उससे कहा कि मैं तुम्हें एक टैबलेट लाकर दूंगा और तुम्हें सिखाऊंगा कि जो काम मैं तुम्हें सौंपूंगा उसे कैसे करना है। तुम घर से काम कर सकते हो और मैं तुम्हें हर माह ₹10,000 का भुगतान करूंगा। वह बहुत खुश था।'' दुरईस्वामी ने इस युवक के घर का दौरा किया, उसकी मां और बहन से मुलाकात की और अगले सप्ताह लौटने का वादा किया। एक हफ्ते बाद प्रशासक ने उन्हें इस कैंसर से बचे युवक को इतना खुश करने हेतु धन्यवाद दिया लेकिन दुर्भाग्यवश दो सप्ताह के अंदर सैयद की तबीयत खराब हो गई और उसका निधन हो गया। अपने आंसुओं को रोकते हुए यह रोटेरियन आगे कहते है: ''लेकिन मुझे खुशी है कि मैंने उसे खुश किया और ऐसा करने में हमारे कैंसर संस्थान ने मेरी मदद की।''

पिछले साल उसकी माँ ने उन्हें सैयद की बहन की शादी के लिए आमंत्रित किया और इतना ही नहीं उसके एक साल बाद उन्हें उसके बच्चे की एक तस्वीर भी भेजी।

विशेष संबंध

वह इस बात से बेहद खुश है कि इस काम की वजह से उनके अनूठे रिश्ते जुड़ते है और वह कैंसर को लेकर गंभीर भ्रांतियों से छुटकारा दिलाने में मदद करते है जिसमें यह भ्रांति भी शामिल है कि लोग सोचते है कि कैंसर संक्रामक है। वह करीब 4 साल की धनिया का एक किस्सा सुनाते है जिसकी मां फेफड़ों के कैंसर से पीड़ित थी। ''उसकी सास बच्चे को अपनी मां के साथ खेलने से रोक रही थी। और उसका पति इस बारे में कुछ नहीं कर पा रहा था।'' दुरईस्वामी अपने साथ एक मनोवैज्ञानिक को लेकर गए और उस परिवार से मिले और उन्होंने कैंसर रोगी के साथ खुलकर बातचीत की। तब उसकी सास को यकीन हुआ कि अगर उसकी स्वास्थ्य स्थिति जानने वाले अजनबी ऐसा कर सकते है तो कैंसर एक छूत की बीमारी नहीं हो सकती। इस तरह उस माँ और उसके बच्चे का पुनर्मिलन हुआ।

दुरईस्वामी चेन्नई में कैंसर देखभाल प्रदान करने वाले उन दोनों संस्थानों की प्रशंसा करते है। कैंसर के लिए सबसे अच्छे अस्पतालों में से एक सरकारी रोयापेट्टा जनरल हॉस्पिटल है जिसमें एक समर्पित कैंसर खंड है ''जिसमें इतनी देखभाल करने वाले स्वास्थ्य पेशेवर है... मैं इसे भारत में सर्वश्रेष्ठ कैंसर उपचार सुविधाओं में से एक के रूप में चिन्हित करूंगा। डॉ सुब्बैया प्रमुख है; किसी भी निजी स्वास्थ्य केंद्र में जाकर वह आसानी से

एक महीने में लाखों रुपये कमा सकते है। हम वहाँ बहुत से लोगों को इलाज के लिए भेजते है जो बिल्कुल नि:शुल्क है लेकिन हम जरूरत पड़ने पर भोजन एवं परामर्श और यहां तक कि दवाएं भी उपलब्ध कराते है और वहाँ पर इलाज करा रहे लोगों के साथ मिलकर काम करते है।''

मरीज को रोजाना ₹2,000 की दवाओं की जरूरत पड़ती थी। रोयापेट्टा अस्पताल ने हमें निर्माताओं तक पहुंचने में मदद की, हमने उनसे बात की और ₹8,000 प्रति माह के हिसाब से हमें दवाई प्राप्त हो पाई।

रोयापेट्टा अस्पताल के कर्मचारी कैंसर रोगियों की मदद करने में कितने सक्रिय है इसका एक उदाहरण देते हुए वह कहते है कि हाल ही में रोटरी क्लब तंजावुर कॉसमॉस द्वारा उनके पास एक कैंसर का मामला भेजा गया था। उस मरीज के पास कोई नौकरी नहीं थी और उसे रोजाना ₹2,000 की दवाओं की जरूरत पड़ती थी। क्लब भी उसका समर्थन नहीं कर सका; रोयापेट्टा अस्पताल ने हमें निर्माताओं तक पहुंचने में मदद

कैंसर इंस्टीट्यूट, चेन्नई की स्वर्गीय निदेशक डॉ वी शांता के साथ रोटरी करियर रिसर्च फाउंडेशन के मैनेजिंग ट्रस्टी शंकर दुरईस्वामी।

की, हमने उनसे बात की और ₹8,000 प्रति माह के हिसाब से हमें दवाएं प्राप्त हो पाई।'' तंजावुर में रहने वाली वो रोगी जेनिफर है: उसे अपने बच्चों की शिक्षा के लिए भी मदद की आवश्यकता थी और हमने उसमें भी मदद की।

फिर जेनिफर ने रोटरी संस्थान से उन्हें नौकरी दिलवाने का अनुरोध किया; उसने कहा कि अगर आप मुझे नौकरी दिलवा देंगे तो मेरी कमाई शुरू हो जाएगी और फिर मैं अपनी दवा के लिए ₹8,000 का भुगतान कर सकती हूँ और आप किसी और की मदद कर सकते है। तो इस तरह अच्छाई फैलती है। रोटेरियनों ने उसे एक माइक्रोफाइनेंस कंपनी में एक कलेक्शन एजेंट की नौकरी पाने में मदद की और वह अच्छा काम कर रही है।

इस परियोजना के बारे में मुझे जो सबसे ज्यादा पसंद है वह रोटेरियनों द्वारा इसके लिए दिया जाने वाला पैसा नहीं है, बल्कि उनके द्वारा दी जाने वाली देखभाल, स्नेह, उनका साथ देना

अब यह परियोजना वित्तीय संकट का सामना कर रही है; इसके पास ₹48 लाख का संग्रह है लेकिन ब्याज दरों में कमी होने के कारण न्यासी धन के लिए संघर्ष कर रहे है क्योंकि पिछले दो वर्षों से मिलने वाले योगदानों में गिरावट आई है।

अगर आप मुझे नौकरी दिलवा देंगे तो मेरी कमाई शुरू हो जाएगी और फिर मैं अपनी दवा के लिए ₹8,000 का भुगतान कर सकती हूँ और आप किसी और की मदद कर सकते है।

जेनिफर, एक मरीज़

और कैंसर रोगियों को परामर्श के माध्यम से अपने पैरों पर खड़े होने का आत्मविश्वास प्रदान करना, उनके आत्म-सम्मान को बढ़ाना और उनके साथ समय बिताना है क्योंकि कैंसर जैसी बीमारी से लड़ने के बाद लोग हताश और निराश हो जाते है।

''यह हमारे क्लब की एक चिन्हक परियोजना है और इसमें हमारे क्लब के कई सदस्य शामिल है और अपनी सहायता प्रदान करते है और आज भी यह परियोजना किसी विशेष वर्ष के क्लब नेतृत्व से परे है,'' दुरईस्वामी कहते है। यह मरीजों को रेफर करने वाले अन्य रोटरी क्लबों के साथ भी काम करता है। ''जब किसी क्लब द्वारा एक मरीज को रेफर किया जाता है तो हम उनसे पूछते है कि आप कितना योगदान देंगे और फिर हम उस कैंसर रोगी की मदद करने के लिए उस राशि में मिलान करते है।''

लेकिन अब यह परियोजना वित्तीय संकट का सामना कर रही है; इसके पास ₹48 लाख का संग्रह है लेकिन ब्याज दरों में कमी होने के कारण न्यासी धन के लिए संघर्ष कर रहे है क्योंकि पिछले दो वर्षों से मिलने वाले योगदानों में गिरावट आई है।

वह रोटेरियनों एवं अन्य परोपकारी लोगों से कैंसर संस्थान की संरक्षक दाताओं नामक योजना में शामिल होने की अपील करते है जिसके तहत दाताओं को 12 वर्षों तक प्रति वर्ष केवल ₹25,000 देना होता है। इसके लिए पहले ही 12 लोगों ने अपना नाम दर्ज करवाया है लेकिन और लोगों की आवश्यकता है। ■

झुमरीतलैया के रसिकों, धन्यवाद

वी रामनारायण

आनंद अकेला मारवाड़ मुण्डवा से। अल्लाह राखा झुमरीतलैया से। शरद अग्रवाल राजनांदगाव से। और अनगिनत कई यवतमाल, मनचेरियल, नांदेड, करीम नगर, नेपा नगर, इंदौर, राजकोट, बीड, उज्जैन और धनबाद से भी। हिंदी फिल्मों के कई महानतम गीतों से परिचय कराने के लिए मैं इन लोगों का सदैव ऋणी रहूँगा। जहां आकाशवाणी के *आप की फरमाइश* कार्यक्रम में मैंने कई सदाबहार तराने सुने हैं जहां इन श्रोताओं के नाम नियमित रूप से सुनाई पड़ते थे, तो *संगीत सरिता* कार्यक्रम में न केवल राग आधारित फ़िल्मी गीत बजाये गए बल्कि व्याख्या के साथ उसी राग के शास्त्रीय संगीत का प्रस्तुतिकरण भी किया और इस तरह श्रोताओं ने उत्कृष्ट संगीत का भरपूर आनंद लिया।

दूर दराज स्थित इन जगहों का नाम आपने रेडियो से बाहर शायद ही सुना हो। इन नामों में शीर्ष पर रहा झूमरीतलैया। विकिपीडिआ के अनुसार झूमरीतलैया, झारखंड स्थित एक छोटा सा कसबा है जो 1950 के दशक में रेडियो सिलोन और आल इंडिया रेडियो के विविध भारती कार्यक्रम के कारण अचानक प्रसिद्ध हो गया था। इन कार्यक्रमों में फिल्म गीतों की सबसे ज्यादा फरमाइश झूमरीतलैया से ही आती थी।

इसका प्रचलन 1950 के दशक की शुरुआत में हुआ था, जब माइका के व्यापारी रामेश्वर प्रसाद बरनवाल ने रोजाना रेडियो सिलोन पर 20 - 25 गीतों के अनुरोध की चिट्ठियां भेजनी शुरू कर दीं। रेडियो पर बरनवाल का नाम नियमित रूप से सुन कर पान की दुकान के मालिक गंगा प्रसाद मगधिया और इलेक्ट्रॉनिक्स

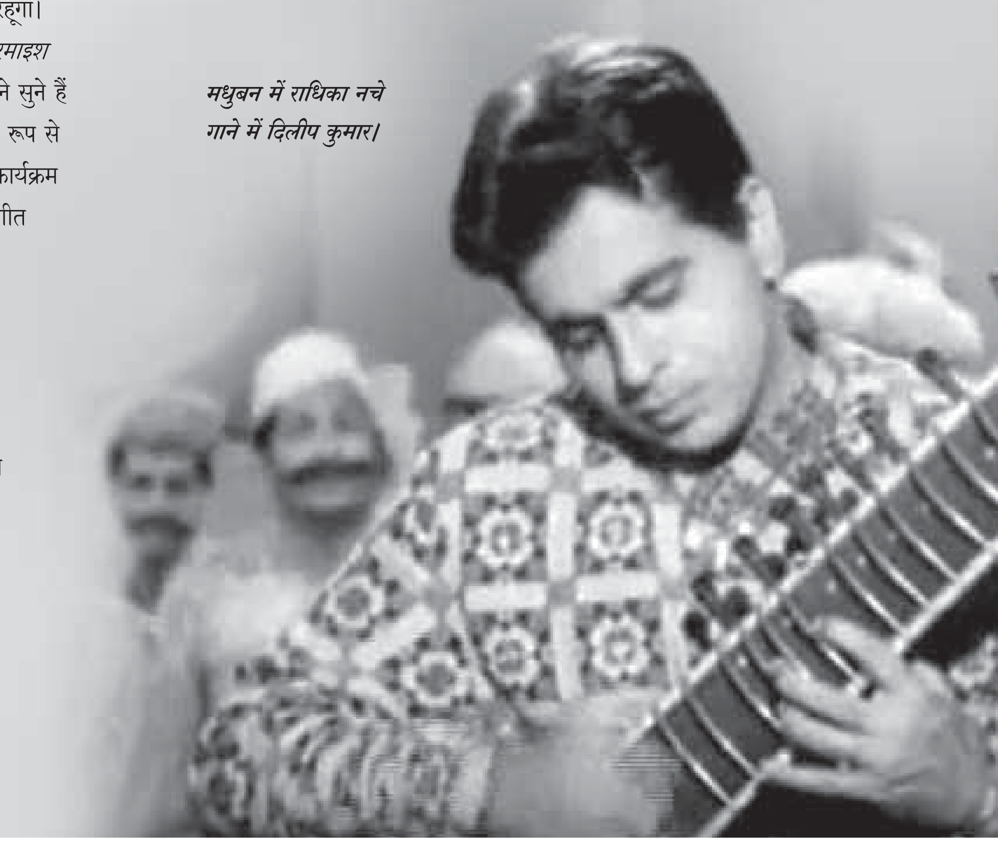

मधुबन में राधिका नचे गाने में दिलीप कुमार।

की दुकान के मालिक नंदलाल सिन्हा भी इसी तरह एक बड़ी संख्या में गीत अनुरोधों की चिट्ठियां भेजने के लिए प्रेरित हुए। इन तीनों की बढ़ती प्रसिद्धि की वजह से शहर के लोगों में भी गीत-अनुरोध भेजने की सनक लग गई। शहर के युवा श्रोताओं में ज़्यादा से ज़्यादा अनुरोध भेजने की होड़ मच गई। फिर क्या था, देखते ही देखते अन्य शहरों ने भी बड़ी संख्या में गीत अनुरोध भेजकर झूमरीतलैया के साथ प्रतिस्पर्धा शुरू कर दी। 1980 के दशक में, शहर में रेडियो श्रोताओं का क्लब भी बनाया गया था।

मुझे याद है जब शास्त्रीय संगीत-पर आधारित सर्वकालिक प्रसिद्द गीतों को सुना करता था - *मन तड़पत हरि दर्शन को आज, पूछो ना कैसे मैनें रैन बिताई, ज्योति कलश छलके, मनमोहना बड़े झूठे, मधुबन में राधिका नाचे रे* या *ज़िंदगी भर नहीं भूलेगी ये बरसात की रात,* हर गाना एक ब्लॉकबस्टर था - लेकिन ऐसी कई धुनें थीं जिन्होंने बॉक्स ऑफिस की भाषा में भले ही जैकपॉट हिट नहीं किया था, फिर भी श्रोताओं की पूरी पीढ़ी के दिल को ज़रूर छू के गुजरे थे।

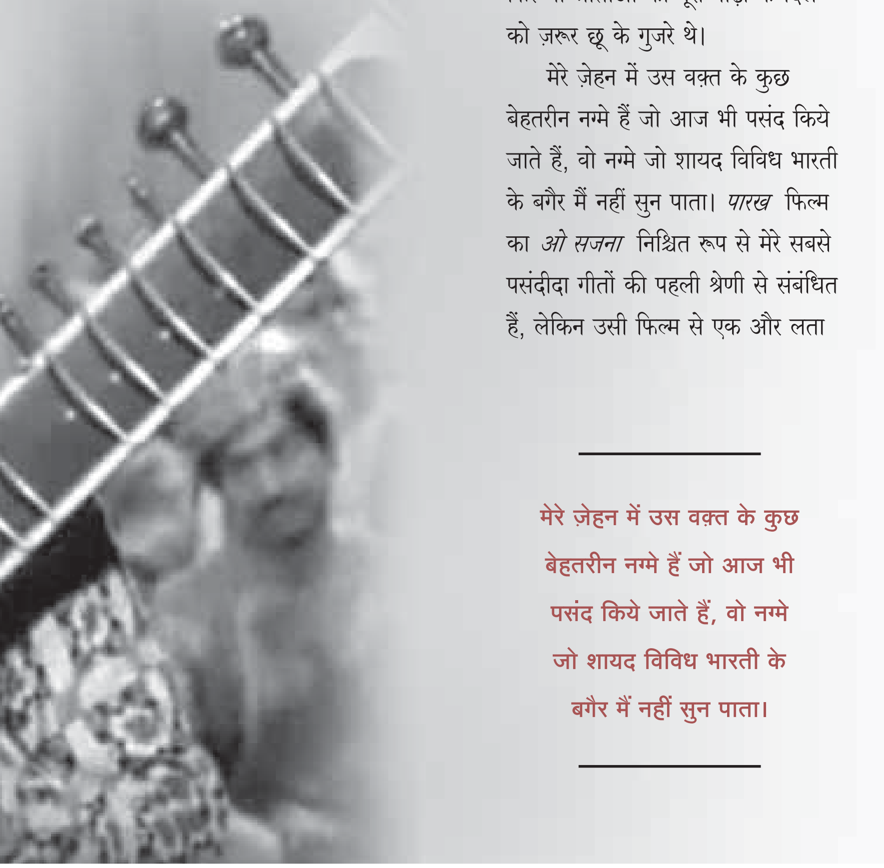

मेरे ज़ेहन में उस वक़्त के कुछ बेहतरीन नग्मे हैं जो आज भी पसंद किये जाते हैं, वो नग्मे जो शायद विविध भारती के बगैर मैं नहीं सुन पाता। *पारख* फिल्म का *ओ सजना* निश्चित रूप से मेरे सबसे पसंदीदा गीतों की पहली श्रेणी से संबंधित हैं, लेकिन उसी फिल्म से एक और लता मंगेशकर की आवाज़ में खूबसूरत गीत, *मिला है किसी का झुमका,* सलिल चौधरी की विशिष्ट शैली में प्रस्तुत एक दिलकश गीत है और पहली बार इसे सुनने का श्रेय मैं अजमेर या श्रीगंगानगर के कुछ अनजान श्रोताओं को देता हूँ।

मेरे ज़ेहन में उस वक़्त के कुछ बेहतरीन नग्मे हैं जो आज भी पसंद किये जाते हैं, वो नग्मे जो शायद विविध भारती के बगैर मैं नहीं सुन पाता।

फिल्म *छोटी बहन* में मुकेश-शंकर जय किशन रचित अत्यंत मार्मिक प्रस्तुति है, *जाऊँ कहाँ बता ऐ दिल* , जिसका संगीत निर्देशक मैं गलती से कई वर्षो तक सरदार मलिक को समझता रहा था, जिन्होंने सारंगा फिल्म में मुकेश की आवाज़ में जादुई संगीत रचा है, *सारंगा तेरी याद में* और *हाँ दीवाना हूँ मैं* गीत अलसाई दोपहर के उन दिनों की याद ताज़ा कर देता है जब एक हाथ में किताब और बगल में ट्रांजिस्टर रेडियो दबा रहता था।

रेडियो पर सुने जाने वाले गाने कभी-कभी गलतफ़हमी भी पैदा कर सकते हैं। 1960 के दशक में रिलीज़ हुई फ़िल्म *कोहिनूर* में राग पर आधारित धुनों की भरमार थी। *मधुबन में राधिका नाचे रे, दो सितारों का ज़मीं पर है मिलन आज की रात* या *ढल चुकी शामे गम,*

गानों को सुन कर ऐसा लगता था कि हर गीत गंभीर होगा या भावुकता और रोमांस से भरपूर होगा, लेकिन स्क्रीन पर देखा तो बिलकुल ही अलग था। फ़िल्म में मीना कुमारी के साथ शानदार हास्य प्रतिभा के धनी दिलीप कुमार ने जबरदस्त अभिनय किया है और साथ में मोहम्मद रफी - लता मंगेशकर की आवाज़ में, नौशाद-शकील बदायूनी की जोड़ी ने अत्यंत मादक संगीत दिया है।

संगीत की इसी चौकड़ी ने *बैजू बावरा* में भी संगीत का परचम लहराया था जिसमें भारत भूषण और मीना कुमारी ने मुख्य भूमिका निभाई थी। अविश्वसनीय

शुक्रिया, झुमरीतलैया के रसिकों, फ़िल्मी संगीत में आपकी बेहतरीन पसंद के लिए और धन्यवाद है लाखों भारतीय श्रोताओं को दशकों तक महान हिंदी गीत सुनवाने की आपकी श्रद्धा और आपके समर्पण को।

रूप से - इतना अविश्वसनीय भी नहीं, क्योंकि यह हिंदी फिल्म संगीत की परंपरा बन चुकी थी - एक श्रेष्ठ रचना *मन तड़पत हरि दर्शन को आज,* मुसलमान तिकड़ी शकील बदायुनी, नौशाद और मोहम्मद रफी, तीनों के आपसी संयोजन का परिणाम था, इसी प्रकार *कोहिनूर* के गाने थे, जिस में दोनों प्रमुख अभिनेताओं में प्रतिभा के नए आयाम नज़र आये थे और वे दोनों भी मुस्लिम थे।

भले ही भारत भूषण को उनकी अभिनय क्षमता के लिए नहीं जाना जाता पर *बैजू बावरा* में वो एक विश्वसनीय *बैजू* साबित हुए, लेकिन बरसात की रात में

ऑल इंडिया रेडियो में एक आर जे।

अपेक्षाकृत सपाट प्रदर्शन दिया, जिसमें उन्हें सदाबहार गीत, *ज़िंदगी भर नहीं भूलेगी* के लिए लिप-सिंक करना पड़ा था। ग़ालिब फिल्म में मिर्जा ग़ालिब की भूमिका के साथ वे न्याय नहीं कर पाए, विशेषकर इस दृश्य का उल्लेख करना चाहूंगा, जब एक भटकता हुआ फ़कीर बेमिसाल ग़ालिब की तारीफ में गीत गाता है, तो कवि अजीबोगरीब व्यवहार करता नज़र आता है, हालांकि वह उसे पहचानता नहीं है:

हैं और भी दुनिया में
सुख़नवर बहुत अच्छे
कहते हैं के ग़ालिब का
है अंदाजे बयां और

हदी सिनेमा के कुछ महान गीत एक सामान्य कलाकार पर सितारा हैसियत के प्रदीप कुमार पर फिल्माए गए थे, जिसे संगीत निर्देशक रोशन ने अपनी अविस्मरणीय धुनों में पिरोया था, शास्त्रीय रागों पर आधारित उस संगीतकार की खूबसूरत और मौलिक रचनाओं में मेरा पसंदीदा गीत है, *चित्रलेखा* का *मन रे तू काहे ना धीर धरे*।

हालांकि *विविध भारती* के इन अद्भुत प्रसारणों पर मैंने नौशाद सृजित

हदी सिनेमा के कुछ महान गीत एक सामान्य कलाकार पर सितारा हैसियत के प्रदीप कुमार पर फिल्माए गए थे। जिसे संगीत निर्देशक रोशन ने अपनी अविस्मरणीय धुनों में पिरोया था।

रचनाएँ सबसे अधिक सुनीं हैं, इनमें सचिन देव बर्मन भी पीछे नहीं थे - यहां भारतीय सेना के जवानों के लिए प्रसारित *जय माला* कार्यक्रम का उल्लेख भी करना चाहूंगा और हाँ, आकाशवाणी पर दोपहर 3 बजे प्रसारित किया जाने वाला उर्दू कार्यक्रम भी - जबकि मदन मोहन, सी रामचंद्र, जयदेव, रोशन, चित्रगुप्त, गुलाम मोहम्मद, रवि, और शंकर-जयकिशन अपनी दिलचस्प संगीत रचनाओं से आपको निरंतर आनंद देते रहे हैं, हर संगीतकार के गीतों में उनकी विशिष्ट शैली की छाप रहती थी।

और ख़ैयाम! उनके जैसा सम्पूर्ण मौलिक संगीत निर्देशक शायद ही हुआ हो। विशेषकर उनका पंजाबी लोकगीत, पहाड़ी धुनों और ग़ज़लों का प्रयोग लाजवाब था। *विविध भारती* को धन्यवाद है जिसकी वजह से मैं रफ़ी और सुमन कल्याणपुर की आवाज़ में पहली बार वो बेहतरीन युगल गीत सुन पाया, *ठहरिये होश में आ लूँ*, जिसे फिल्म *मोहब्बत इसको कहते हैं* के लिए संगीत से खैयाम ने सजाया था। पहाड़ी धुनों से प्रभावित उनके गीतों में शामिल है, लता मंगेशकर की आवाज़ में *आख़री खत* का *बहारों मेरा जीवन भी संवारो* और फिल्म *शगुन* से उनकी पत्नी जगजीत कौर की आवाज़ में *तुम अपना रंज-ओ-गम* और मुकेश की आवाज़ में *कभी कभी* फिल्म का शीर्षक गीत।

शुक्रिया, झुमरीतलैया के रसिकों, फ़िल्मी संगीत में आपकी बेहतरीन पसंद के लिए और धन्यवाद है लाखों भारतीय श्रोताओं को दशकों तक महान हिंदी गीत सुनवाने की आपकी श्रद्धा और आपके समर्पण को - पहले तो जिसे, टेलीविजन ने निगल लिया और बाद में, यूट्यूब और अन्य कई तकनीकें आ गई, जहां आज हमारी फरमाइश पूरी करने के लिए हमें सिर्फ माउस की एक क्लिक या मोबाइल फोन पर मात्र एक स्वाइप की ज़रुरत है।

लेखक श्रुति पत्रिका के पूर्व संपादक हैं।

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

आपके गवर्नर्स

मुकेश सिंघल

प्रिंटिंग और पैकिंग, रोटरी क्लब अलीगढ़ सिटी, रो ई मंडल 3110

शिक्षकों के लिए एक विशाल प्रशिक्षण कार्यक्रम

एक बड़ी पहल के अंतर्गत, उनके मंडल ने सरकारी स्कूलों के 6,150 शिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए RILM और टेक महिंद्रा के साथ एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया। इस प्रशिक्षण से उन्हें अपने शिक्षण कौशल को उन्नत करने में मदद मिलेगी। ''अब तक हमने उत्तराखंड और यूपी के कुछ हिस्सों के शिक्षकों को 500 राष्ट्र निर्माता पुरस्कार दिए है,'' मुकेश सिंघल कहते है। मंडल के क्लब वैश्विक अनुदानों, मंडल अनुदानों और सदस्य योगदानों के मिश्रण के माध्यम से 30 हैप्पी स्कूलों को क्रियान्वित करेंगे।

उन्होंने इस रोटरी वर्ष के अंत तक 1,000 नए सदस्यों को जोड़ने की योजना बनाई है ताकि कुल संख्या को 4,400 के पार ले जाया जा सकें। मैंने अब तक 280 नए रोटेरियनों को शामिल किया है। हम कुल संख्या को 150 तक ले जाने के लिए 10 नए क्लब जोड़ेंगे। TRF को देने के लिए उनका लक्ष्य 200,000 डॉलर का है।

2000 में, ''मैं अपने दोस्त और एक पूर्व रोटेरियन पंकज अग्रवाल की वजह से रोटरी में शामिल हुआ। लेकिन एक विशाल पोलियो शिविर को देखने के बाद मेरी मानसिकता बदल गई और मैं सामुदायिक परियोजनाओं में शामिल होने लगा,'' सिंघल कहते है। अपनी व्यक्तिगत क्षमता का उपयोग करते हुए उन्होंने अलीगढ़ के उचज के सहयोग से 40 पोलियो टीकाकरण शिविर आयोजित किए है। लेकिन उनकी एक चिंता है। ''हम नए सदस्यों की योग्यता को परखें बिना बड़ी तेजी से उन्हें जोड़े जा रहे है लेकिन हमें ध्यान रखना होगा कि रोटेरियनों की गुणवत्ता में कोई कमी न हो।''

समर राज गर्ग

वाहन सहायक उपकरण, रोटरी क्लब ग्रेटर लखनऊ, रो ई मंडल 3120

लड़कियों का सशक्तिकरण, वयस्क साक्षरता

समर गर्ग का कहना है कि रोटरी की सदस्यता में वृद्धि करने के लिए बिज़नेस नेटवर्किंग को मजबूत करें और रोटेरियनों के बीच फेलोशिप को बढ़ाएं। 1989 में एक रोटरेकटर बनने के बाद वह अपने पिता रोटेरियन सज्जन कुमार गर्ग से प्रेरित हुए और 1998 में रोटरी में शामिल हो गए जिन्होंने उनके ''विचारों और दृष्टिकोण को आकार दिया।''

उनकी 500 नए रोटेरियनों को जोड़ने की योजना है ताकि साल के अंत तक मंडल सदस्यता लगभग 3,900 तक पहुँच जाएं। छह नए क्लब पहले ही गठित किए जा चुके है और चार को अधिकृत किया जाना है जिससे क्लबों की कुल संख्या 94 हो जाएगी। उनका लक्ष्य जून के अंत तक 10 नए रोटरेक्ट क्लब गठित करने और 100 से अधिक रोटरेकटरों को जोड़कर कुल संख्या को 600 के पार ले जाने का है। ''लेकिन नए रोटरेकटरों को बनाए रखना मुश्किल होगा क्योंकि उन्हें अगले साल से वार्षिक बकाया का भुगतान करना होगा: संस्था-आधारित क्लबों के लिए 5 डॉलर प्रति व्यक्ति और सामुदायिक क्लबों के लिए 8 डॉलर प्रति व्यक्ति,'' वह कहते है।

अब तक, क्लबों द्वारा लड़कियों के लिए आत्मरक्षा तकनीकों पर 100 कार्यशालाओं का आयोजन किया जा चुका है। ''हम ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूली छात्राओं को साइकिल दान करने के लिए एक वैश्विक अनुदान पर काम कर रहे है। लड़कियों के सशक्तिकरण और वयस्क साक्षरता पर हम अनेक परियोजनाएं कर रहे है,'' गर्ग कहते है। आगामी महीनों में पचास और वयस्क साक्षरता सत्र आयोजित किए जाएंगे। TRF को देने का उनका लक्ष्य 200,000 डॉलर का है।

से मिलिए

वी मुत्तुकुमारन

डॉ मयूरेश वारके

सर्जन, रोटरी क्लब अंबरनाथ, रो ई मंडल 3142

पश्चिमी भारत में रोटरी के विकास की अपार संभावनाएं

मयूरेश वारके कहते है कि सदस्यता, परियोजनाओं और TRF को देने के मामले में रो ई मंडल 3142 एक विस्फोटक वृद्धि हेतु तैयार है। उन्हें 1,000 की शुद्ध सदस्यता वृद्धि का भरोसा है जिससे जून के अंत तक कुल संख्या 4,300 से अधिक हो जाएगी।

PKC अस्पताल, नवी मुंबई, को उनके धर्मार्थ कार्य में सहयोग प्रदान करने के लिए तीन डायलिसिस मशीनें (₹21 लाख) दान की गई जिसे एक कॉर्पोरेट और रोटरी क्लब न्यू बॉम्बे सीसाइड के दो रोटेरियनों द्वारा वित्त पोषित किया गया। ठाणे के श्री महावीर जैन अस्पताल में तीन और डायलिसिस मशीनें लगाई जाएंगी जिसमें छह इकाईयां है। रोटरी दिव्यांग केंद्र में आयोजित एक कृत्रिम पैर (जयपुर फुट) और कैलीपर शिविर में लगभग 50 लाभार्थियों को सम्मानित जीवन प्राप्त हुआ।

पिछले 20 वर्षों से, मंडल मस्कुलोस्केलेटल विकृति सर्जरी के लिए विशेष शिविर आयोजित कर रहा है। ''अब तक हम 5,000 सुधारात्मक सर्जरियाँ कर चुके है लेकिन कोविड ने इस पहल को रोक दिया। हालांकि उस्मानाबाद मंडल के सस्तूर गांव में फरवरी-मार्च में एक विशाल शिविर आयोजित किया जाएगा,'' वह कहते है। TRF को देने का उनका लक्ष्य 500,000 डॉलर का है। वार्के 2000 में पूर्व रोटेरियन सुनील कवाठे से प्रेरित होकर रोटरी से जुड़े। ''मेरे आदर्श स्वर्गीय रोटेरियन डॉ जॉय पाटनकर है जिन्होंने मुझे अत्यधिक प्रभावित किया।'' रो ई अध्यक्ष रॉन डी बर्टन (2013-14) द्वारा उन्हें स्वयं से ऊपर सेवा पुरस्कार भी दिया गया था।

प्रतिम बेनर्जी

औद्योगिक प्रबंधन, रोटरी क्लब जमशेदपुर वेस्ट, रो ई मंडल 3250

हैप्पी स्कूल, PPH शिविर

हैप्पी स्कूल और प्रोजेक्ट पॉजिटिव हेल्थ शिविर इस मंडल के अंतर्गत आने वाले बिहार और झारखंड के क्लबों की सबसे पसंदीदा परियोजनाएं हैं। ''अब तक कम से कम 250 PPH शिविर आयोजित किए जा चुके है जबकि 60-70 हैप्पी स्कूल परियोजनाएं कार्यान्वियन के विभिन्न चरणों में है। हैप्पी स्कूल परियोजनाओं को सदस्य योगदान द्वारा वित्त पोषित किया जाता है,'' प्रतिम बेनर्जी कहते है। उन्होंने अब तक 400 नए सदस्यों को जोड़ा है और 30 जून तक 400 अन्य सदस्यों को शामिल करके उनका लक्ष्य मंडल सदस्यता को 4,800 के पार ले जाने का है। छह नए क्लबों का गठन किया जा चुका है, हम 4-5 क्लब और जोड़ेंगे और अगले कुछ महीनों में कुल संख्या को 112 क्लबों तक ले जाएंगे। मंडल निधि की मदद से शासकीय विद्यालयों, जन स्वास्थ्य केन्द्रों, सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षित पेयजल सुविधा की स्थापना की जाएगी। मैंने क्लबों को इस वर्ष कम से कम एक या दो पेयजल परियोजना शुरू करने के निर्देश दिए है। इस परियोजना में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए फिल्ट्रैशन उपकरणों के साथ एक भंडारण टैंक शामिल है, वह समझाते है।

TRF को देने के लिए उनका लक्ष्य 300,000 डॉलर का है। अपने स्कूल के मित्र रोटेरियन राजीव तलवाल से प्रेरित होकर वह 2006 में रोटरी से जुड़े। ''मेरी रोटरी अवधारणा को स्वर्गीय रोटेरियन कंवल मिधा ने आकार दिया जिनसे मैंने जीवन की अनेक मूल्यवान चीजें सीखीं।'' बेनर्जी ने रोटेरियनों को प्रेरित करने के लिए रो ई अध्यक्ष मेहता के पसंदीदा नारे अधिक करें, आगे बढ़ें में परिवर्तन करते हुए उसे अधिक करें, अधिक दें में बदल दिया है।

Advertise in Rotary News

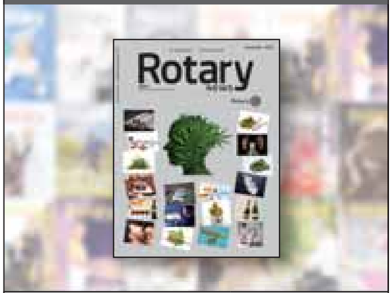

Tariff	
Back cover	₹1,00,000
Inner Front Cover	₹60,000
Inner Back Cover	₹60,000
Inside Full Page	₹30,000
Half Page	₹20,000
Specifications	
17 x 25 cm	Full page
17 x 12 cm	Half page

Advertisements in colour only

Phone: 044 42145666
e-mail: rotarynews@rosaonline.org

Rotarians!

Visiting Chennai for business?

Looking for a compact meeting hall?

Use our air-conditioned Board Room with a seating capacity of 16 persons at the office of the Rotary News Trust.

Tariff:

₹2,500 for 2 hours
₹5,000 for 4 hours
₹1,000 for every additional hour

Phone: 044 42145666
e-mail: rotarynews@rosaonline.org

District Wise TRF Contributions as on November 2021

(in US Dollars)

District Number	Annual Fund	PolioPlus Fund	Endowment Fund	Other Funds	Total Contributions
India					
2981	71,727	1,044	0	151,814	224,585
2982	27,143	5,633	0	2,449	35,225
3000	3,630	11	0	3,311	6,951
3011	7,622	3,672	0	81,879	93,174
3012	19,993	3,811	25,041	228,613	277,458
3020	33,551	5,955	22,596	4,620	66,721
3030	18,732	267	22,027	10,067	51,093
3040	28,779	250	0	21,361	50,391
3053	3,052	311	27	0	3,390
3054	2,902	816	0	189,811	193,529
3060	38,082	1,201	0	74,982	114,264
3070	8,495	0	0	27,600	36,095
3080	7,966	4,086	0	6,018	18,070
3090	13,766	0	28,000	0	41,766
3100	17,320	0	0	2,484	19,803
3110	7,719	355	0	0	8,074
3120	46,899	1,000	0	0	47,899
3131	233,688	28,444	5,000	303,613	570,744
3132	20,340	1,169	5,000	9,619	36,129
3141	232,851	4,073	64,865	283,381	585,170
3142	195,484	1,654	8,145	24	205,307
3150	22,646	7,138	15,000	43,120	87,905
3160	17,803	2,387	17,264	0	37,454
3170	29,324	9,553	1,710	30,007	70,593
3181	9,627	4,031	0	0	13,658
3182	14,273	6,033	0	5,232	25,538
3190	108,993	11,888	30,411	0	151,291
3201	45,508	54,401	0	204,222	304,130
3203	16,333	16,223	6,086	145,938	184,579
3204	2,191	422	0	1,036	3,649
3211	14,880	280	0	15,463	30,623
3212	13,428	1,575	1,036	588	16,627
3231	7,811	7,679	0	2,851	18,341
3232	40,144	51,564	31,601	234,855	358,164
3240	33,750	11,373	0	63,379	108,502
3250	9,132	2,737	1,036	15,118	28,023
3261	4,415	304	0	30,854	35,573
3262	2,812	431	0	0	3,242
3291	69,309	1,751	11,171	10,936	93,166
India Total	**1,502,120**	**253,519**	**296,014**	**2,205,243**	**4,256,896**
3220 Sri Lanka	34,911	6,393	1,510	1,000	43,814
3271 Pakistan	3,342	316	0	5,990	9,648
3272 Pakistan	16,732	10,623	0	2,117	29,472
3281 Bangladesh	33,333	4,121	13,000	97,894	148,347
3282 Bangladesh	25,608	4,506	1,000	500	31,615
3292 Nepal	49,285	5,698	0	82,347	137,330
South Asia Total	**1,665,330**	**285,175**	**311,524**	**2,395,091**	**4,657,121**
World Total	**45,290,466**	**11,056,190**	**19,773,816**	**7,477,848**	**83,598,320**

Annual Fund (AF) includes SHARE, Areas of Focus, World Fund and Disaster Response.
Source: RI South Asia Office.

RI President meets District 3232 club presidents

Team Rotary News

Grabbing the opportunity provided by the Mahabs 21 zone institute, RID 3232 DG J Sridhar hosted an event to enable his club presidents to meet RI President Shekhar Mehta in Chennai. The event was attended by RI director A S Venkatesh, TRF Trustee Aziz Memon, PDGs, the "changemaker" presidents and their spouses.

"Despite a long day of over 13 hours of back-to-back visits to projects and clubs across District 3232, President Shekhar delivered an inspirational address to make the event a grand and memorable evening. The District Annettes Council presented a splendid invocation dance curated specially for the RI president," said Sridhar.

The DG, who is recovering from a surgery after a recent fall, welcomed the gathering, DGN Ravi Raman and DGND N S Saravanan participated.

DG Sridhar announced that he had created a sustainable proactive process for RID 3232 to set up a comprehensive disaster management process in Chennai under the chairmanship of Rtn Haricharan. A disaster management manual was released by President Mehta, who urged the presidents to make full use of their leadership positions to grow Rotary and do meaningful and big service projects.

District counsellor PDG Abirami Ramanathan presented a report on the impact of the Kuilkuppam village project by RC Madras Central along with over 40 clubs of RID 3232, which is creating a huge impact on the members of the Irular tribe — snake charmers — who have been displaced after a recent policy change. The project transforms lives by giving tribals access to quality shelter, better education for their children and livelihood opportunities.

DRFC Ambalavanan presented a cheque to President Mehta for $30,000 for the RI President Shekar Mehta and Rashi Mehta Endowment Fund, and thanked the Rotarians who had contributed. PDG J B Kamdar introduced the man of the moment — RI President Shekhar Mehta. District RYLA chair Vidya Ragu was the master of ceremonies and district secretary R Ravi Shankar delivered a vote of thanks. ■

हरित नव वर्ष संकल्प

प्रीति मेहरा

2022 के लिए संकल्प तैयार करने का यह सही समय है। आइए हम अपनी पृथ्वी को हरा-भरा रखने के लिए अपना योगदान देने का संकल्प लें। सामूहिक रूप से हम एक महत्वपूर्ण अंतर ला सकते हैं। भारत में यह शीर्ष 20 प्रतिशत संपन्न परिवार हैं, जो उच्चतम कार्बन उत्सर्जन उत्पन्न करते हैं। पिछले साल 'रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमैनिटी एंड नेचर' द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि कम खर्च वाले परिवार, जिन्हें उन लोगों के रूप में परिभाषित किया गया है, जो एक दिन में लगभग 150 रुपये से कम खर्च करते हैं, की तुलना में अधिक खर्च करने वाले परिवार सात गुना अधिक उत्सर्जन करते हैं।

सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, अधिकतम संभव सीमा तक पांच र का पालन करने का संकल्प लें। इसका मतलब है कि जो आपका है या आपके घर का है, उसे 'रीसायकल', रीयूज़', रीपर्पज़, रिपेयर, और रीफ्यूज़ करें उन चीजों को खरीदने या संग्रहीत करने जिनकी जिनकी वास्तव में आपको आवश्यकता नहीं है। इससे आपका खर्चा भी कम होगा।

तो आप पांच 'र' को व्यवहार में लाने के बारे में कैसे क्या सोचते हैं?

रीसाइक्लिंग के लिए निर्धारित रूप से अपना दस मिनट का समय हर दिन अलग करने के लिए लें, आप एल्युमिनियम, कार्डबोर्ड, पेपर, प्लास्टिक और ग्लास को फेंकने की योजना बना रहे हैं। यह पर्यावरणीय रूप से खतरनाक लैंडफिल में लगातार बढ़ते ढेर में उतरने के बजाय छोड़े गए सामानों को रीसाइक्लिंग के लिए जाने में मदद करेगा।

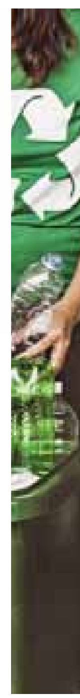

दूसरों के द्वारा उपयोग की जा सकने वाली चीजों को न त्यागने का संकल्प लें। यह उन लोगों को कपड़े देने में तब्दील हो जाएगी जिन्हें उनकी ज़रूरत है; एक स्कूल या एक गतिविधि समूह को पेंट, बंटिंग, बीड्स, एक तरफ का खाली कागज आदि जो रचनात्मक रूप से इसका पुन: उपयोग करेगा। सबसे आसान तरीका यह है कि कॉलोनी में एक खाली जगह पर सेकेंड हैंड कार्नर शुरू किया जाए और सभी से कहा जाए कि वे क्या फेंकने की योजना बना रहे हैं। इसे लोगों पर छोड़ दें कि वे स्वतंत्र रूप से अपनी जरूरत की चीजें उठा सकें। जो बचा है, उसे समय-समय पर हटाया जा सकता है, रद्दीवाले (कचरा संग्रहकर्ता) की मदत से।

खरीदारी करते समय प्लास्टिक बैग स्वीकार न करने का खुद से वादा करें। संकल्प लें कि जब आप बाजार जाएं तो बिना रियूज़ेबल बैग के घर

से बाहर न निकलें। कई पुनर्नवीनीकरण सामग्री से बने होते हैं, जो जेब में फिट होने के लिए काफी छोटे होते हैं। प्लास्टिक बैग के उपयोग को कम करने में आपकी मदद करने के लिए एक पृथ्वी के अनुकूल बैग को स्थायी रूप से कार में या सामने के दरवाजे से भी रखा जा सकता है।

यदि आप पढ़ने के शौक़ीन हैं, तो नई किताबें खरीदने के बजाय उधार लेने या पुरानी किताबों की तलाश करने का फैसला करें। बेहतर है, पड़ोस के पुस्तकालय में सदस्य बन जाएँ।

पानी के उपयोग के संबंध में एक प्रतिज्ञा बहुत क्रम में है। बोतलबंद पानी खरीदने से इनकार करना, एक महत्वपूर्ण पहला कदम है। इसके बजाय एक पुन: प्रयोज्य पानी की बोतल ले जाएं। अपने पानी के निशान को और भी कम करने के लिए नहाते समय, हाथ धोते समय पानी का उपयोग कम से कम करें और अपने दाँत ब्रश करते समय हमेशा नल बंद करें। बेशक, घर पर या जिस समुदाय में आप रहते हैं, वहां वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित करके पानी बचाने में सबसे बड़ा योगदान दे सकते हैं।

जब खाने की बात आती है तो कई वादे पूरे करने होते हैं। आपको अधिक स्थानीय रूप से उगाए गए मौसमी फल, सब्जियां और साबुत अनाज खाने का संकल्प लेना चाहिए, जो कीटनाशकों से मुक्त हों और जिन्हें दूर के स्थानों से बाजारों में ले जाने के लिए कम जीवाश्म ईंधन की आवश्यकता हो। डिब्बाबंद प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों से बचना एक स्वस्थ अभ्यास होगा। चीनी, नमक और परिरक्षकों से भरपूर ये जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों में बड़ा योगदान देते हैं। इसके अलावा, आप छोटे उद्यमों का समर्थन करेंगे, जो आय और रोजगार प्रदान करने में मदद करते हैं।

रसोई के कचरे को खाद बनाने के लिए अलग करने का संकल्प लें। यदि आप अपने आप ही खाद बना सकते हैं और इसे अपने पौधों या बगीचे के लिए पोषक तत्वों से भरपूर मिट्टी में बदल सकते हैं, तो बेहतर है। आप उन मित्रों को खाद भी उपहार में दे सकते हैं, जो अपना कुछ बनाने में असमर्थ हैं। आप वहां से ताजी तुलसी, तुलसी, लेमन ग्रास, एलोवेरा ले सकते हैं। कुछ दोस्त जिन्हें मैं जानता हूं, उनकी बालकनियों में पालक, हरी मिर्च और टमाटर भी उगाते हैं।

यदि आप पर्यावरण और अपने आप में एक बड़ा बदलाव लाना चाहते हैं, तो संभव हो तो कम दूरी तक चलना या साइकिल चलाने का संकल्प लें। जब आप आसानी से दूरी तय कर सकें तो अपनी कार लेने से बचें। आपके यात्रा करने का तरीका सीधे आपके शहर या कस्बे की वायु गुणवत्ता को प्रभावित करता है।

ये संकल्प क्यों महत्वपूर्ण हैं? ऐसा इसलिए है क्योंकि भारत ग्रीनहाउस गैसों का तीसरा सबसे बड़ा उत्सर्जक है और 2.46 बिलियन मैट्रिक टन कार्बन उत्सर्जन करता है। भारत में प्रत्येक व्यक्ति का औसत कार्बन फुटप्रिंट 0.56 टन प्रति वर्ष अनुमानित है। गरीबों के लिए प्रति व्यक्ति 0.19 टन है, जबकि अमीरों के लिए यह 1.32 टन प्रति व्यक्ति है। डेटा एनालिसिस एजेंसी *इंडियास्पेंड* के मुताबिक, सामाजिक-आर्थिक समूहों में अधिकांश उत्सर्जन के लिए भोजन और बिजली जवाबदार हैं।

तो, दिन के अंत में, हम सभी को फर्क करना है। विशेषाधिकार प्राप्त लोग अपने कार्बन पदचिह्नों को जानबूझकर कम करके एक उदाहरण स्थापित कर सकते हैं।

एक बहुत ही खुशी और हरियाली वाला नया साल!

लेखिका एक वरिष्ठ पत्रकार हैं, जो पर्यावरण के मुद्दों पर लिखती हैं।

दो रोटेरियनों ने रोटरी क्लब वापी को गौरवान्वित किया

टीम रोटरी न्यूज़

भारत के राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद से पद्म भूषण पुरस्कार प्राप्त करते हुए रोटेरियन राजू श्रॉफ।

भारत के राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने रोटरी क्लब वापी, रो ई मंडल 3060 के सदस्य राजू श्रॉफ को व्यापार और उद्योग में उनके योगदान के लिए पद्म भूषण पुरस्कार प्रदान किया।

श्रॉफ यूनाइटेड फॉस्फोरस लिमिटेड (यूपीएल) के संस्थापक हैं, और पत्नी सांद्रा वापी में पहला अंग्रेजी माध्यम स्कूल, अंकलेश्वर में एक केमिकल इंजीनियरिंग कॉलेज, एक नर्सिंग स्कूल और वापी में एक अस्पताल स्थापित करने में सहायक रहे।

रोटरी क्लब वापी के सदस्य कानू मोहनलाल देसाई को हाल ही में गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल के मंत्रिमंडल में वित्त, ऊर्जा और पेट्रो-केमिकल मंत्री के रूप में शामिल किया गया है। वह यूपीएल के साथ कॉर्पोरेट मामलों के निदेशक के रूप में कार्य करते हैं और वापी में रोटरी चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी हैं। ■

गुजरात के वित्त मंत्री कानू मोहनलाल देसाई।

रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय से संदेश

RISAO से मान्यता प्राप्त करने की अपेक्षित समय सीमा

पॉल हैरिस फेलो सम्मान के प्रसंस्करण और मान्यताओं के परिवहन में 3-4 सप्ताह लगते है। फाउंडेशन सेमिनार या मंडल समारोह में दानकर्ता की किसी विशेष मान्यता के संबंध में आपका अनुरोध कार्यक्रम से कम से कम 15 दिन पहले हमारे पास पहुंच जाना चाहिए। प्रमुख दानकर्ता मान्यता को रो ई मुख्यालय में संसाधित किया जाता है और इसे कार्यालय तक पहुंचने में 5-6 सप्ताह का समय लगता है। प्रमुख दानकर्ता मान्यता अनुरोध फॉर्म डाउनलोड करने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें: *http://www.highroadsolution.com/file_uploader2/files/majordonorrecognition_form.docx.*

ऑनलाइन योगदान - याद रखने योग्य बातें

- डेबिट कार्ड विकल्प - *www.Rotary.org* या *www.rotaryfoundationindia.org* के माध्यम से ऑनलाइन योगदान करते समय सदस्य 'क्रेडिट कार्ड' वाले लिंक का उपयोग करके क्रेडिट कार्ड के साथ-साथ डेबिट कार्ड का भी उपयोग कर सकते है।
- ऑनलाइन योगदान के लिए, डुप्लीकेट आईडी बनाने से बचने और अपने योगदान का समय पर क्रेडिट प्राप्त करने के लिए माई रोटरी लॉगिन या अपने आधिकारिक ई-मेल का उपयोग करें।
- गैर-रोटेरियनों से योगदान - जब आपके क्लब/मंडल से एक गैर-रोटेरियन द्वारा ऑनलाइन योगदान किया जाता है, तो उनसे अनुरोध करें कि वे *risao@rotary.org* पर जाकर रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय के साथ क्लब विवरण सहित ऑनलाइन पुष्टिकरण संख्या साझा करें ताकि संबंधित क्लब के साथ उनके योगदान को टैग किया जा सके।

रोटरी संस्थान (भारत) में INR योगदानों के लिए अनिवार्य आवश्यकताएं

- 1 अप्रैल, 2020 से प्रभावी रूप से RF(I) के लिए ऑनलाइन/ऑफ़लाइन किए गए सभी योगदानों के लिए पैन प्रदान करना अनिवार्य है, चाहे मूल्य कुछ भी हो या दानकर्ता का इरादा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के तहत कर छूट हासिल करने का हो या न हो।
- अंशदान क्रेडिट और संबंधित 80ऋ रसीद केवल धन भेजने वाले के नाम से ही प्रदान की जा सकती है।
- स्व-स्वामित्व वाली/पारिवारिक कंपनी/ट्रस्ट खाते से किए गए योगदान के लिए, दानदाताओं से अनुरोध है कि वे अपने लेटरहेड पर लिखे गए कॉर्पोरेट/ट्रस्ट पत्र के माध्यम से संस्था के साथ अपने संबंधों का उल्लेख करें और उसमें यह भी लिखें कि उस योगदान को उनका व्यक्तिगत योगदान माना जाए।

मंडल अनुदान

मंडल अनुदान आवेदनों को 15 मई, 2022 तक दिया जाना है। सभी स्वीकृत मंडल अनुदानों का भुगतान 31 मई, 2022 तक किया जाना चाहिए अन्यथा प्रस्तुत या स्वीकृत मंडल अनुदान 31 मई, 2022 तक रद्द कर दिए जाएंगे।

मंडल अनुदान राशि का भुगतान तब तक नहीं किया जाता जब तक कि पूर्व में खुला मंडल अनुदान पूर्ण रूप से बंद नहीं हो जाता। अपना आवेदन देखने और उसकी स्थिति के बारे में जानने के लिए ग्रांट सेंटर पर साइन इन करें। दक्षिण एशिया कार्यालय के कर्मचारियों द्वारा मंडल अनुदान आवेदनों और रिपोर्टों की समीक्षा की जाती है। कृपया 011-42250146 पर रॉय जॉन (roy.john@rotary.org) से संपर्क करें। ■

कलकत्ता में कृत्रिम अंग फिटमेंट शिविर

किरण ज़ेहरा

रोटरी क्लब कलकत्ता चौरंगी, रो ई मंडल 3291, ने *उठे सबके कदम* परियोजना के तहत एक कृत्रिम अंग फिटमेंट शिविर का आयोजन किया। एक वैश्विक अनुदान परियोजना के अंतर्गत महावीर सेवा सदन, कोलकाता, में यह विशाल शिविर फिनलैंड के चार रो ई मंडलों - रो ई मंडल 1385, 1390, 1410 और 1430 - और यंग इंडियंस नामक CII की एक युवा शाखा के साथ साझेदारी में आयोजित किया गया था।

DG प्रबीर चटर्जी ने रो ई मंडल 3291 के क्लब अध्यक्ष विक्रम तांतिया और रोटेरियनों की उपस्थिति में इस शिविर का उद्घाटन किया। ''इस परियोजना का उद्देश्य निम्न-आय वर्ग के विकलांग व्यक्तियों को केवल कृत्रिम अंग फिट करना ही नहीं है, बल्कि उन्हें व्यावसायिक प्रशिक्षण भी प्रदान करना है ताकि आजीविका प्राप्त करने में उनकी मदद की जा सके। इस तरह, लाभार्थी जीवन गतिविधियों में फिर से शामिल हो सकेंगे,'' तांतिया कहते है। यह क्लब विकलांग महिलाओं और स्कूल जाने वाले बच्चों पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है। ''हमने सुनिश्चित किया कि हमारे लाभार्थियों में 50 प्रतिशत महिलाएं और बच्चे शामिल हो। जब एक महिला सक्षम होती है, तो वह पूरे परिवार की देखभाल करती है और अगर विकलांग बच्चों को गतिशीलता के उपकरण प्रदान किए जाते है, तो स्कूल छोड़ने का विचार उनके दिमाग से निकल जाता है,'' उन्होंने कहा।

1,200 से अधिक लाभार्थी

आशा के साथ मुस्कुराते हुए एक 30 वर्षीय लाभार्थी राजू खान कहते है, ''अब मैं स्थानीय बेकरी में काम पर वापस जा सकता हूँ और अपने बच्चों को स्कूल भेजने का खर्च उठा सकता हूँ। 2017 में एक ट्रेन दुर्घटना में अपने पैर गंवाने के बाद से मैं बेरोजगार हूँ।'' इस शिविर में 1,270 से अधिक विकलांगों को कृत्रिम पैर लगाए गए। महावीर सेवा सदन के स्वयंसेवकों ने अंग फिट करने की तकनीकी प्रक्रिया का ध्यान रखा। ''हम लाभार्थियों को शिविर में चलने और जॉगिंग करने की कोशिश करते हुए देखकर प्रसन्न हुए। जयपुर फुट भी उनकी मदद करेगा और उनके दिन-प्रतिदिन के कामों का ध्यान रखेगा,'' तांतिया ने कहा।

रोटरी क्लब बेलूर के पूर्व अध्यक्ष विष्णु धंधानिया ने वैश्विक अनुदान की बारीकियों को समझने में परियोजना टीम की मदद की और ''हमारा संपर्क अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों से करवाया। इस परियोजना के वैश्विक संपर्क रोटरी क्लब लेप्पाविर्टा, रो ई मंडल 1430, के एर्की पासानेन ने फिनिश क्लबों को लिंब फिटमेंट शिविर में साझेदारों के रूप में शामिल होने हेतु प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई,'' वह आगे कहते है।■

लिंब फिटमेंट कैंप के उद्घाटन के अवसर पर क्लब अध्यक्ष विक्रम तांतिया (बाएं से पांचवें) के साथ डीजी प्रबीर चटर्जी (बाएं से दूसरे), रोटेरियन विष्णु धंधनिया, पीडीजी ब्रोजो गोपाल कुंडू और श्यामश्री सेन।

सहयोगात्मक जीवन

भरत और शालन सवुर

सहयोगी शब्द के बारे में कुछ गर्म और जादुई है - यह अंतर-अस्तित्व की सुंदरता रखता है, दूसरे की खुशी चाहता है, सहायक है। मैं सहयोगी जीवन पर एक अद्भुत दृष्टांत साझा कर रहा हूं।

एक बड़े दिल वाले सज्जन ने सद्भावना फैलाने का फैसला किया और पैदल ही अपनी यात्रा पर निकल पड़ा। दोपहर का समय था, जब वह एक गाँव पहुँचा। उसने पहला दरवाजा खटखटाया और खोलने वाली महिला से कुछ खाने के लिए मांगा। माफ़ कीजिये, लेकिन मेरे पास घर में खाना नहीं है, उसने उदास स्वर में कहा। इसने ध्यान से देखा कि वह दुबली और गरीब लग रही थी। और उसके मन में एक विचार आया...

'कोई बात नहीं,' उसने धीरे से कहा। मेरी जेब में ये विशेष क्यूब्स हैं और अगर आप क्यूब्स को उबलते पानी के बर्तन में डाल देंगी, तो शायद, हम दुनिया में सबसे स्वादिष्ट सूप हमारे बीच बांटकर खा कर सकते हैं! उस महिला की आँखों में एक रोशनी फैल गई। उसने पानी का एक बड़ा बर्तन आग पर रख दिया। जैसे ही यह पानी गर्म हो रहा था, यात्री ने अपनी परिचारिका से कहा कि वह कुछ दोस्तों को शानदार सूप का आनंद लेने के लिए आमंत्रित करे। उसकी उदारता के आश्चर्य पर काबू पाने के बाद, महिला बाहर गई और अपने पड़ोसी को विशेष क्यूब्स के बारे में बताया और उसे आमंत्रित किया।

बात फैल गई और ग्रामीण यह देखने के लिए इकट्ठे हो गए कि क्या माज़रा है। यात्री ने उबलते पानी का स्वाद चखा, 'म्म्म, उसे केवल कुछ आलू चाहिए,' उसने कहा। मेरे पास कुछ हैं, एक ग्रामीण ने कहा और जल्दी से आलू से भरे एक बर्तन के साथ लौट आया। उत्साहित, एक और ग्रामीण ने कटा हुआ प्याज ले आया, दूसरे को गाजर के टुकड़े मिले, तीसरे ने हरी मटर के दाने लाए, चौथे ने दूध और दालचीनी दी, पांचवे ने नमक और काली मिर्च का योगदान दिया। सभी को शालीनता से स्वीकार किया गया और कृतज्ञतापूर्वक उबलते पानी में जोड़ा गया।

थोड़ी देर बाद यात्री ने एक बूंद का स्वाद चखा और उसके चेहरे पर संतोष की मुस्कान छा गई, यह तैयार है! उसने कहा। गाँव वालों ने अपने कटोरे, चम्मच और रोटियाँ लायीं, भरपेट खाया, पिया, बातें की, हँसी और भोजन का आनंद लिया, एक-दूसरे की संगति का आनंद लिया... और यात्री मुस्कुराया। इतने सारे दोस्त पाकर उसे भी अच्छा लगा। यह आश्चर्यजनक है! उसने सोचा, मुझे ऐसा लगता है कि इस दुनिया में कोई अजनबी नहीं है!

बेहतर जीवन

यदि आप दूसरे की आंखों में संगति की भावना से देख सकते हैं, तो आप देखेंगे कि एक तत्काल प्रज्वलन और संबंध की मान्यता एक फ्लैश की तरह चमक उठती है। यह उस यात्री के स्पेशल क्यूब्स जितना ही जादुई है।

हम जो कुछ भी दूसरे के लिए करते हैं, यही सहयोगी जीवन है। और हम जो कुछ भी दयालुता और देखभाल के साथ दूसरे के लिए करते हैं, उसे विकसित सहयोगी जीवन कहते हैं। जीवित सहयोग का कार्य रोटी के टुकड़े की तरह नहीं है। यदि मैं तुम्हारे साथ आधी रोटी बांटूं, तो मेरे पास दूसरों को देने के लिए कम है; जबकि सहयोगी जीवन है: मैं स्वस्थता प्राप्त करता हूं और प्रदान करता हूं और आप भी करते हैं और ऐसा ही अगला व्यक्ति भी करता है। यात्री के सूप की तरह ही पौष्टिकता फैलती और बढ़ती है।

एक उपचार दल

डॉ पीटर वैन हौटेन अपने क्लिनिक में सहयोगी दवा का अभ्यास करते हैं - यहां, कई क्षेत्रों के चिकित्सक चाहे वे दंत चिकित्सक, चिकित्सा विशेषज्ञ, नर्स इत्यादि हों, सभी एक उपचार टीम के रूप में मिलकर काम करते हैं। यदि किसी रोगी को शारीरिक और मानसिक समस्याएं हैं, तो वह वांछित उपचार आसानी से प्राप्त कर लेता है और उसके बाद उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा का प्रसार रोगी को न केवल ठीक होने में मदद करती है बल्कि पूरी तरह से स्वस्थ भी करती है।

खूबसूरत बात यह है कि डॉ हौटेन ने इस अद्भुत चिकित्सा सहयोगी अभ्यास में एक गहरा आयाम जोड़ा है। यह केवल नैदानिक होने से परे है। चिकित्सा कर्मचारी प्रत्येक रोगी के साथ मित्रता और सम्मान का बंधन बनाता है। हौटेन कहते हैं, चूंकि मरीज़ सम्मानित और सुने हुए महसूस करते हैं, वे अक्सर एक रणनीति के साथ आते हैं जो मुझे भी लगता है कि यह सही है! साथ में, हम सब समाधान लेकर आते हैं, जिसमें रोगी को लगता है कि वह भाग ले रहा है और अपनी खुद की पहल का उपयोग कर रहा है।

दिलचस्प बात यह है कि डॉक्टर दीपक चोपड़ा में एक जागृति आयी थी - अगर मैं इसे कह सकता हूं - एक मेडिकल छात्र के रूप में जब उन्होंने एक शोध प्रयोग में खेल की तरह से नामांकित किया। एलएसडी के प्रभाव में समूह को मदर टेरेसा का एक पोस्टर देखने के लिए कहा गया। डॉ. चोपड़ा कहते हैं, मैंने कभी इतनी गहरी सहानुभूति और करुणा महसूस नहीं की, जितनी मैंने तब महसूस की थी। मुझे रोना आ रहा था। मैं बस मेडिकल स्कूल छोड़ देना चाहता था और मदर टेरेसा के लिए स्वयंसेवक बनना चाहता था।

इस प्रयोग का उन पर इतना गहरा प्रभाव पड़ा कि अब, 50 साल बाद, उनका चोपड़ा

फाउंडेशन मानसिक बीमारियों जैसे अवसाद और व्यसन के इलाज के लिए साइकेडेलिक दवाओं का उपयोग करने के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए, एक क्लिनिकल-स्टेज साइकेडेलिक मेडिसिन बायोटेक कंपनी, माइंड मेड के साथ सहयोग कर रहा है। साथ ही मानसिक बीमारी और आत्महत्या पर लगे कलंक को मिटाने के लिए। उनकी बुद्धि अद्भुत है। वे कहते हैं, विज्ञान को कलंक या व्यक्तिगत राय से प्रभावित नहीं होना चाहिए, वे इसमें और जोड़ते हैं, चिकित्सा केवल लोगों का इलाज करने के बारे में नहीं है, बल्कि यह उनको पूरी तरह से स्वस्थ करने के बारे में है।

पांच स्वास्थ्य निर्माता

स्वास्थ्य को हमारे व्यक्तिगत स्तर पर भी एक सहयोगी दृष्टिकोण की आवश्यकता है - शारीरिक गतिविधि जो फिटनेस, आहार, नींद, विचारों और भावनाओं को बढ़ावा देती है, शांति में महारत हासिल करती है। सबसे फायदेमंद व्यायाम वह है जिसे आप स्वेच्छा से करते हैं। मार्क सिसन कहते हैं, जिन्होंने इसे पाया है, उन्होंने बुद्धिमानी से चुना है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह कैसा दिखता है, या इसमें क्या शामिल है, जब तक आप अपना काम कर रहे हैं।

ऐसे खाद्य पदार्थ खाएं, जो आपके शरीर के लिए पचाने में आसान हों। भारी महसूस करना, नींद, सुस्ती, लगातार फूला हुआ पेट और डकार आना, उल्टी होना या कब्ज़ होना न तो अच्छा स्वास्थ्य है और न ही अच्छी समझदारी है। सबसे अच्छे खाद्य पदार्थ वे हैं जिन पर आप बड़े हुए हैं, बल्कि उनमें कम या शून्य वसा मिलाई गई है।

फिटनेस और स्वास्थ्य के इस ट्रैक पर कृपया विचारों के खास महत्व को समझें। डॉ सौमित्र एक चौंकाने वाला अवलोकन करते हैं। सिज़ोफ्रेनिया मुख्य रूप से एक विचारों का विकार है, जो मूड को प्रभावित करता है; अवसाद एक मनोदशा विकार है जो सोच को प्रभावित करता है, वे कहते हैं। कृपया अपने विचार देखें। महान कहावतों को पढ़ें और

यह सरल होने के बारे में है, और हम जो कुछ भी सोचते हैं और करते हैं उसमें हमारी प्रेमपूर्ण ऊर्जा को शामिल करना है। यह जीवन के साथ एक स्थायी, हमेशा ठीक होने वाली, सहक्रियात्मक साझेदारी है।

आत्मसात करें और उन्हें एक डायरी में लिखकर अपनी सोच संस्कृति का हिस्सा बनाएं। किसी भी शब्द, ध्वनि, मंत्र या प्रार्थना का जप करें जो सही लगे। मन को हर दिन शांति और आंतरिक स्थान का अनुभव करने की आवश्यकता है।

निंदक, संदेह, निर्णय, चिड़चिड़ेपन की बजाय अपने दिमाग को एक परिकल्पना से जोड़ें। रोसाबेथ मॉस कैंटर कहते हैं, परिकल्पना सिर्फ एक तस्वीर नहीं है कि क्या हो सकता है, यह हमारे बेहतर खुद के लिए एक अपील है, कुछ और बनने का आह्वान है। जब रिक को एड्स का पता चला, तो उसने न केवल अपने गुरु की परिकल्पना का आह्वान किया, उसने कल्पना की कि वह दुनिया के कष्टों को धो रहा था, जब वह अपने नाश्ते के बर्तन धो रहा था; जब वे बाहर गया, तो सूर्य उसके शरीर में प्रवेश करने वाले लाखों सूर्यों का उपचार करने वाला प्रकाश बन गया।

इन तरीकों से, हम अच्छे स्वास्थ्य की वकालतऔर उसके साथ सहयोग करते हैं। यह सरल होने के बारे में है, और हम जो कुछ भी सोचते हैं और करते हैं उसमें हमारी प्रेमपूर्ण ऊर्जा को शामिल करना है। यह जीवन के साथ एक स्थायी, हमेशा ठीक होने वाली, सहक्रियात्मक साझेदारी है।

लेखक फिटनेस फॉर लाइफ, *और* बी सिम्पली स्पिरिचुअल - यू आर नैचुरली डिवाइन *के लेखक है और फिटनेस फॉर लाइफ कार्यक्रम के शिक्षक है।*

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब आडूथुरई - रो ई मंडल 2981

DG एस बालाजी ने अम्माचतिराम गांव में रक्तदान शिविर और वृक्षारोपण अभियान का उद्घाटन किया। 80 से अधिक लोगों ने रक्तदान किया।

रोटरी क्लब पिलखुवा सिटी - रो ई मंडल 3012

तपेदिक से पीड़ित चौदह बच्चों को क्लब द्वारा गोद लिया गया और उन्हें क्लब अध्यक्ष सुधीर गोयल द्वारा पौष्टिक भोजन के पैकेट दिए गए।

रोटरी क्लब विलुपुरम सेंट्रल - रो ई मंडल 2982

नगर पालिका द्वारा आयोजित टीकाकरण शिविरों में भाग लेने वाली 200 नर्सों के लिए परिवहन की व्यवस्था की गई। ₹70,000 की लागत वाली इस परियोजना ने 30,000 लोगों को टीका लगाने में मदद की।

रोटरी क्लब वुयुरु - रो ई मंडल 3020

वुयुरु पंचायत अध्यक्ष वल्लभनेनी सत्यनारायण ने सड़क विक्रेताओं को ₹75,000 लागत के ठेले सौंपें जिनमें ज्यादातर महिलाएं थी।

रोटरी क्लब करूर - रो ई मंडल 3000

शिक्षकों के उपयोग के लिए अरंगनाथनपेट्टई गांव के गवर्नमेंट गर्ल्स हाइयर सेकेंडरी स्कूल को ₹30,000 की लागत से टेबलें दान की गई।

रोटरी क्लब बेगोवल - रो ई मंडल 3070

क्लब अध्यक्ष मल्कियत सिंह लुबाना की देखरेख में बेगोवाल के विभिन्न क्षेत्रों में 36 परिवारों को कंबल और राशन के थैले वितरित किए गए।

Rotary PEOPLE OF ACTION

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब सुनाम - रो ई मंडल 3090

हृदय जांच शिविर में 160 से अधिक लोगों की जांच की गई। हीरो डीएमसी हार्ट इंस्टीट्यूट, लुधियाना की एक टीम द्वारा खून,चीनी, ईसीजी परीक्षण भी किए गए।

रोटरी क्लब लखनऊ - रो ई मंडल 3120

IPDG के के श्रीवास्तव और क्लब के सदस्यों की मौजूदगी में फुलवारी पाठशाला स्थित एक झुग्गी स्कूल में बच्चों को ऊनी कपड़े दिए गए।

रोटरी क्लब मुरादाबाद ब्रासिसिटी स्टार्स - रो ई मंडल 3100

जिला मजिस्ट्रेट शैलेंद्र सिंह और PDG राजीव रस्तोगी ने 4.5 किमी के वॉकेथॉन, *दिल की बात,* शुरू की।

रोटरी ई-क्लब पुणे डायमंड - रो ई मंडल 3131

क्लब के सदस्यों ने जूवनाइल रिमांड होम, येरवदा, का दौरा किया और कैदियों से बातचीत की। उनके लिए करियर विकल्पों पर बातचीत की व्यवस्था की गई।

रोटरी क्लब आगरा ग्रेस - रो ई मंडल 3110

इस्कॉन मंदिर, पटौली, में आयोजित एक चिकित्सीय शिविर से चालीस बच्चे, 25 बुजुर्ग और 100 से अधिक महिलाएं लाभान्वित हुई। रोटरी क्लब ताज सिटी और उजाला सिग्नस रेनबो हॉस्पिटल संयुक्त साझेदार थे।

रोटरी क्लब न्यू बॉम्बे सीसाइड - रो ई मंडल 3142

NMMC-कोविड अस्पताल को ₹20 लाख मूल्य के वेंटिलेटर, बाईपैप मशीनें और PPE किटें, दस्ताने एवं अन्य उपभोग्य वस्तुएं दी गई।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब नेल्लोर - रो ई मंडल 3160

नेल्लोर के भुरनपुर स्थित सरकारी प्राथमिक स्कूल के बच्चों को रोटेरियन के वी सुब्रह्मण्यम द्वारा प्रायोजित की गई स्कूल की किताबें, प्लेट, गिलास और लेखन सामग्री दान की गई।

रोटरी क्लब चन्नापटना - रो ई मंडल 3190

रोटरेकटरों की मदद से बेंगलुरु-मैसूर हाईवे पर एक सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया। करीब पांच लाख हैंडबिल वितरित किए गए।

रोटरी क्लब बैलहोंगल - रो ई मंडल 3170

विश्व शांति दिवस के अवसर पर कुपोषित बच्चों के लिए एक स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया और उनमें से कुछ को दवाइयाँ वितरित की गई।

रोटरी क्लब कोचीन बीचसाइड - रो ई मंडल 3201

स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित टैगोर पुस्तकालय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं और बोर्ड परीक्षाओं में शीर्ष अंक हासिल करने वाले बच्चों को पुरस्कार वितरित किए गए।

रोटरी क्लब कुन्दपुरा - रो ई मंडल 3182

तालुक स्वास्थ्य विभाग की मदद से आयोजित किए गए एक विशेष शिविर में लगभग 200 बच्चों का कुपोषण के लिए इलाज किया गया। इस परियोजना की लागत ₹1 लाख है।

रोटरी क्लब श्रीविल्लीपुत्तूर फ्रेंड्स - रो ई मंडल 3212

इसके प्रोजेक्ट 30 के तहत, क्लब के 30 सदस्य वंचितों को साल भर कम से कम ₹1,000 प्रतिदिन नकद या वस्तु के रूप में दान करेंगे।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब तिरूपट्टूर - रो ई मंडल 3231

सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कुनिची, में एक विशाल दंत शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 200 छात्रों की मौखिक विकारों के लिए जांच की गई।

रोटरी क्लब सम्बलपुर वेस्ट - रो ई मंडल 3261

परमेश्वरी बाई मेमोरियल ट्रस्ट, संबलपुर, के सहयोग से सखीपारा के दूरदराज के क्षेत्रों में बेघर परिवारों और निराश्रित परिवारों को सर्दियों से बचाने हेतु कंबल वितरित किए गए।

रोटरी क्लब अन्ना नगर मद्रास - रो ई मंडल 3232

फाउंडेशन नाइट कार्यक्रम के दौरान DRRFC एम अंबालावनन को वैश्विक अनुदान डायलिसिस परियोजना के लिए क्लब की अध्यक्ष रेणु सावलानी ने TRF को 9,498 डॉलर का दान दिया।

रोटरी क्लब कटक गोल्डन स्टार - रो ई मंडल 3262

स्तन कैंसर के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए रोटरेक्टरों और अवेकन कैंसर केयर ट्रस्ट की मदद से एक साइक्लोथॉन आयोजित किया गया। IPDG सौम्या रंजन मिश्रा ने इस रैली की शुरुआत की।

रोटरी क्लब गंगटोक - रो ई मंडल 3240

पूर्वी सिक्किम स्थित एडवांस्ड टेक्निकल ट्रैनिंग सेंटर, बर्दांग, में छात्रों के लिए एक योग शिविर का आयोजन किया गया। इस परियोजना में क्लब ने मुंबई के एक गैर सरकारी संगठन, सर्व, के साथ साझेदारी की।

रोटरी क्लब कलकत्ता जादवपुर - रो ई मंडल 3291

शांतिनिकेतन के दरौंदा गांव में DG प्रबीर चटर्जी द्वारा कक्षा 1-10 के बच्चों के लिए एक नि:शुल्क कोचिंग स्कूल का उद्घाटन किया गया।

वी मुत्तुकुमारन द्वारा संकलित

जहां इंसान और जानवर साथ - साथ रहते हैं

LBW

टीसीए श्रीनिवासा राघवन

लगभग 71 वर्षों से मैं इस पृथ्वी ग्रह पर रह रहा हूं, कई लोगों की तरह, मैंने भी दूसरे देशों में काफी समय व्यतीत किया है। और क्या आप जानते हैं कि, भारत ही एकमात्र ऐसा देश है, पाकिस्तान और बांग्लादेश के संभावित अपवाद के साथ, जहां मेरे जाना नहीं हो सका, जहां इंसान और जानवर इतने प्रेम और सौहार्द के साथ एक जगह पर रहते हैं, जगह साझा करते हैं। बंदर। चूहे। गाय। सूअर। कुत्ते। बिल्ली । पक्षी। ऊंट।

तिलचट्टे। हाथी। सांप। नेवले। बस आप नाम लें। प्रत्यक्षतः हम मिलजुल कर रहते हैं, हर जगह। सड़क पर। घरों में। जंगलों में। बगीचों में। स्थान पर। हम जानवरों से घिरे हुए हैं। वे सर्वव्यापी हैं। वे समकालीन हैं। जैसा संस्कृत में कहते हैं, यत्र, तत्र, सर्वत्र। यह वास्तव में अद्भुत है।

मुझे 1985 की एक घटना याद आ रही है। मेरे अंग्रेज मित्र ने मुझसे एक ब्रिटिश टीवी क्रू की मदद करने का अनुरोध किया था जो कोई फिल्म शूट करने के लिए भारत आये हुए थे, किस सन्दर्भ में था, याद नहीं, भूल गया। वे मेरे कार्यालय में आए, उन दिनों मैं इंडियन एक्सप्रेस में कार्य करता था। हम चाय पी रहे थे तभी मुझे एक जानी-पहचानी आवाज सुनाई दी, हाथी के गले में घंटी की आवाज। मैंने ब्रितानियों से पूछा कि क्या वे हाथी देखना चाहेंगे। आज नहीं, उनमें से एक बोला। चिड़ियाघर, हम कल चल सकते हैं। मैंने उनसे कहा कि मेरे पीछे-पीछे आओ और खिड़की के बाहर झांक कें देखो और कुछ ही क्षणों में हाथी वहाँ से चला गया, बस घंटी की आवाज़ आ रही थी। मैं ब्रितानियों की शक्ल आज भी नहीं भूल सकता। वे बुरी तरह से सहमे हुए थे।

दूसरी बार मैं राजधानी से बॉम्बे-दिल्ली की यात्रा कर रहा था। मेरे सामने वाली बर्थ पर एक विदेशी बैठा था, एक पूर्व एशियाई, वो अपने लैपटॉप पर काम कर रहा था। अचानक एक बड़ा सा चूहा छत से उसके कीबोर्ड पर आ गिरा। यह देखने लायक एक अमूल्य क्षण था। वास्तव में, अचानक हमारे आस पास बहुत सारे चूहे दौड़ रहे थे और इसके बारे में कुछ भी नहीं किया जा सकता था। मुझे नहीं लगता कि उस रात कोई सोया भी होगा ।

फिर एक दिन की बात है जब ऑफिस में मेरी एक मित्र दिन भर का काम ख़त्म करने के बाद शाम को निकली ही थी कि थोड़ी ही देर में चिल्लाते और कोसते हुए कार्यालय में वापस दाखिल हुई। सर्दी की शाम थी, करीब 7 बज रहे थे और बाहर अंधेरा हो चला था। हमने उसे शांत किया और पूछा कि क्या हुआ था। ''बिल्ली। मेरी ड्राइविंग सीट पर एक बिल्ली बैठी थी। बिना देखे वो बिल्ली पर बैठ गई थी।'' ऐसा लगता है कि कार में हवा आने के लिए हमेशा की तरह उसने खिड़की को आधा खुला छोड़ दिया था। गर्माहट पाने के लिए बिल्ली अंदर चली गई थी।

मैं राजधानी से बॉम्बे-दिल्ली की यात्रा कर रहा था। मेरे सामने वाली बर्थ पर एक विदेशी बैठा था, एक पूर्व एशियाई, वो अपने लैपटॉप पर काम कर रहा था। अचानक एक बड़ा सा चूहा छत से उसके कीबोर्ड पर आ गिरा। यह देखने लायक एक अमूल्य क्षण था।

मेरे साथ भी ऐसे दो हादसे हुए। एक बार, जैसे ही मैंने अपनी बाइक स्टार्ट की एक गाय मेरे पीछे दौड़ पडी। वो मेरी तरफ गुस्से से घूर रही थी और जैसे ही मैंने बाइक को किक मारी और वो अचानक मुझ पर लपकी। मेरी बाइक तो चल पडी लेकिन घबराहट में, पेट्रोल की टंकी खोलना भूल गया। बाइक हिचकोले खाने लगी लेकिन कुछ ही क्षणों में उसकी नलकी चालू करने में कामयाब रहा और बाइक तेजी से भाग निकली। यह सोचकर आज भी मेरे रोंगटे खड़े हो जाते हैं उस दिन क्या नहीं हो सकता था। लेकिन सबसे बुरा वो दृश्य था, जहां कुछ महिलाएं और बच्चे मेरी खिल्ली उड़ा रहे थे। मुझे नहीं पता कि मेरे लिए अधिक अपमानजनक क्या था - नाराज़ गाय या मेरे मजे लेने वाले इंसान।

दूसरा किस्सा भी उतना ही डरावना है। एक दोपहर मैं 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से एक खाली लेकिन गीली सड़क पर जा रहा था, अचानक मुझे अपने गर्दन में बहुत तेज जलन महसूस हुई। दर्द इतना तेज था मानो किसी ने गोली मार दी है। किसी तरह मैंने किनारे पर बाइक लगाईं और सड़क पर ही गिर पड़ा। दर्द कम होने में करीब दो मिनट लगे और मुझे सामान्य होने और अपने आप को सँभालने में कई मिनट लग गए। अंत में, मैं बाइक पर बैठा और धीरे-धीरे चला कर घर पहुंचा और सीधे आईने के सामने चला गया। एक लाल धब्बे के अलावा कुछ दिखाई नहीं दे रहा था - जिसके बीचों बीच में एक छोटी सी सफेद चीज़ दिख रही थी। ज़रा अनुमान लगाइये कि वो क्या निकला। मुझे ततैये ने काट लिया था! ■

संक्षेप में

कोयला खदान एक पार्क में बदल जाता है

नॉर्वे उत्तरी ध्रुव के पास स्वालबार्ड द्वीपसमूह में देश की आखिरी आर्कटिक कोयला खदान को 3,000 वर्ग किलोमीटर के प्राकृतिक पार्क में बदला जा रहा है, जिसे 'वैन मिजेनजॉर्डन नेशनल पार्क' कहा जाता है। 20 मिलियन पक्षियों के घोंसले और करीब 3,000 ध्रुवीय भालू शिकार के मैदान के रूप में अपनी समुद्री बर्फ का उपयोग कर रहे हैं। स्वालबार्ड उत्तरी ध्रुव में पारिस्थितिक महत्व का एक क्षेत्र है। नया पार्क पारिस्थितिक सीमा का विस्तार करेगा ताकि इस क्षेत्र को अपने प्राचीन, हरित राज्य में वापस आने में मदद मिल सके।

सौर जांच ने सूर्य के वातावरण को छू लिया

नासा के अंतरिक्ष यान 'पार्कर सोलर प्रोब' ने सूर्य के ऊपरी वायुमंडल, जिसे कोरोना कहा जाता है, के माध्यम से उड़ान भरी, ऐसा करने वाला वह पहला अंतरिक्ष यान बन गया। 2018 में लॉन्च किया गया, यह जांच (प्रोब) सूर्य के विकास और हमारे सौर मंडल पर इसके प्रभावों के बारे में जानकारी प्रदान कर रही है। सात वर्षों में सात वीनस-फ्लाईबाई का उपयोग करते हुए, यह धीरे-धीरे सूर्य के चारों ओर अपनी कक्षा को छोटा कर देगा, जो इसके करीब 6.16 मिलियन किलोमीटर के करीब आ जाएगा।

एक ओलंपिक पदक ने बीमार बच्चे की मदद की

2020 के टोक्यो ओलंपिक खेलों में भाला में रजत पदक जीतने वाली मारिया आंद्रेजिक ने आठ महीने के लड़के मिलोसजेक मलिसा, जो एक गंभीर हृदय दोष के साथ पैदा हुआ था, के लिए धन जुटाने में मदद करने के लिए 125,000 डॉलर में अपना पदक नीलाम किया। नीलामी की विजेता बोली पोलिश सुपरमार्केट श्रृंखला ज़बका से आई थी, जिसने बाद में आंद्रेजिक को अपना पदक रखने के लिए कहा था।

रानी कहती है कि वह अभी भी युवा हैं

एक इंग्लैंड पत्रिका ने रानी एलिजाबेथ द्वितीय को 'ओल्डी ऑफ द ईयर अवॉर्ड' के साथ सम्मानित किया। 95 वर्षीय रानी ने पुरस्कार को अस्वीकार कर दिया कि वह मानदंडों को पूरा नहीं करती हैं। पत्रिका को एक संदेश द्वारा बताते हुए उन्होंने कहा, ''आप उतने ही बुजर्ग होते हैं, जितना आप महसूस करते हैं।'' सर्वोत्तम शुभकामनाओं के साथ, आयोजकों को, उम्मीद है कि आपको एक अधिक बेहतर उम्मीदवार प्राप्त होगा।

किसान की बेटी के लिए अमेरिकी छात्रवृत्ति

तमिलनाडु के इरोडे में कासिपालयम गांव के एक किसान की बेटी स्वेगा स्वामीनाथन ने शिकागो विश्वविद्यालय में स्नातक की डिग्री को आगे बढ़ाने के लिए ₹3 करोड़ की पूर्ण छात्रवृत्ति प्राप्त की है। इस प्रथम पीढ़ी की छात्रा को 'डेक्सटरिटी ग्लोबल ग्रुप' द्वारा प्रशिक्षित किया गया था, जो वैश्विक शिक्षा के अवसरों से वंचित छात्रों को जोड़ने के लिए एक मंच है।

किरण ज़ेहरा द्वारा संकलित; एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा।

Registered No. TN/CCN/359/2021-2023 | Total number of pages in this monthly issue, including cover, 84. Price: ₹35
Licensed to post WPP No.TN/PMG(CCR)/WPP 421/21-23
Registered with Registrar of News Papers for India TNHIN/2001/05271 Rotary Samachar Published on the first week of every month

ADVT.